फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 350 प्रभात जयपुर, मंगलवार 22 जुलाई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

Monk In A Merc!

"Doc Saheb, you have become a monk." And then, Dad's Merc was ushered in and his guest, as if struck by a revelation, proclaimed him 'Monk in a Merc'

Will This Be 'Milk!'

Lord Of The Sound

Shiva as the Origin of the Seven Musical Notes Parel Sculpture, 6th Century CE, Mumbai

अपनी अवहेलना से दुःखी धनखड़ ने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया

अवहेलना का कारण, शायद मोदी सरकार व उनके बीच बढ़ते गम्भीर मतभेद थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- धनखड़ महसूस कर रहे थे, कि उन्हें वह ओहदा नहीं मिल रहा था, जो उन्हें उपराष्ट्रपति होने के कारण स्वाभाविक तौर पर वैसे ही मिलना चाहिए था। उदाहरण के लिए, जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति वैन्स भारत यात्रा पर आए थे तो धनखड़ के साथ उनकी मुलाकात आयोजित नहीं की गई थी, और इससे धनखड़ काफी क्षुब्ध थे, काफी आहत महसूस कर रहे थे।
- न्यायाधीश वर्मा के इम्पीचमैंट को लेकर भी समस्या थी। कछ पार्टियों, जिनमें प्रमुख पार्टी मुलायम सिंह की समाजवादी पार्टी है, ने इन्कार कर दिया था, महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से, न्यायाधीश वर्मा काफी नज़दीक माने जाते थे, मुलायम सिंह यादव के। कई वरिष्ठ वकील भी न्यायाधीश वर्मा के "इम्पीचमैंट" के खिलाफ थे।
- सरकार चाहती थी, महाभियोग के मसले पर, विपक्ष (मुख्य रूप से कांग्रेस) के लोकसभा सदस्य भी हस्ताक्षर करते, पर, कांग्रेस इसके लिए तैयार नहीं थी, क्योंकि कांग्रेस का तर्क था, उनके सांसद , राज्यसभा में हस्ताक्षर कर चुके हैं।
- धनखड़ के खिलाफ शिकायत यह भी थी, कि, वे योगी आदित्यनाथ की कुछ ज्यादा ही तारीफ कर रहे थे, तथा यू.पी. की भी कुछ ज्यादा ही यात्रा कर रहे थे।

नई दिल्ली, 21 जुलाई। यह पहला अवसर है, जब भारत के किसी पदासीन उपराष्ट्रपति ने अपने पद से इस्तीफा दिया है।

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे के साथ ही, वे राज्यसभा के सभापति पद से भी स्वतः ही हट गए हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजे अपने इस्तीफे में उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि असली वजह कुछ और है। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन यह बड़ा और चौंकाने वाला घटनाक्रम हुआ है, जिसके बाद राज्यसभा की कार्यवाही पर असर पड़ सकता है।

धनखड़ 2022 में उपराष्ट्रपति बने थे और उनका कार्यकाल 2027 तक था।

ऐसी अपुष्ट खबरें हैं कि मोदी सरकार के साथ गंभीर मतभेदों के चलते उनसे इस्तीफा देने को कहा गया।

हाल के दिनों में, वे सरकार से खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे और उन्हें उचित सम्मान और प्रोटोकॉल नहीं मिल रहा था। बताया जाता है कि अमेरिका की उपराष्ट्रपति वेंस से उनकी मुलाकात नहीं हुई, जिससे उन्हें काफी ठेस पहुंची।

सरकार और उपराष्ट्रपति के बीच मतभेद के साथ-साथ,उनका स्वास्थ्य भी एक मुद्दा था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे कुछ समय पहले उनसे मिलने गए थे।

जस्टिस वर्मा के महाभियोग को लेकर भी विवाद था।

कुछ विपक्षी दलों, जैसे समाजवादी पार्टी, ने इस पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था क्योंकि जस्टिस वर्मा मुलायम सिंह यादव के करीबी माने जाते थे।

कई वरिष्ठ वकील भी जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग का विरोध कर रहे थे।

सरकार केवल लोकसभा में महाभियोग लाना चाहती थी, लेकिन कांग्रेस इसके लिए तैयार नहीं थी। कांग्रेस ने कहा कि आपके पास 100 से ज्यादा सांसद हैं, आप इसे आगे बढ़ा सकते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयर इंडिया के तीनों टायर फटे, हादसा टला

नई दिल्ली, 21 जुलाई। मुंबई एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह एअर इंडिया का एआई 2744 प्लेन लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया। ये विमान कोच्चि से मुंबई आया था। मुंबई में भारी बारिश के कारण रनवे पर फिसलन थी, जिससे विमान रनवे से 16 से 17 मीटर दूर घास पर चला गया।

ये हादसा सुबह 9:27 बजे हुआ। तस्वीरों में दिखा कि विमान के दाहिने इंजन के नैसेल

- एआई 2744 विमान मुम्बई में लैंडिंग के दौरान फिसल कर 16-17 मीटर घास पर चला गया।

(ढक्कन) को नुकसान पहुंचा है। इस घटना के बाद विमान को पार्किंग तक लाया गया, जहां सभी यात्री और क्रू मैम्बर्स को उतारा गया। इस दौरान विमान के तीन टायर फट गए।

एअर इंडिया ने बताया कि हादसे में किसी पैसेंजर या क्रू मेंबर को नुकसान नहीं पहुंचा है, हालांकि मुंबई एयरपोर्ट का मेन रनवे, 09/27 क्षतिग्रस्त हुआ है। रनवे पर फ्लाइट्स की आवाजाही बंद कर दी गई है। रनवे के किनारे तीन साइनेज बोर्ड और चार लाइटें भी टूट गईं।

न्यायाधीश वर्मा के "इम्पीचमैंट" नोटिस पर सौ लोकसभा सदस्यों ने हस्ताक्षर किए

संसद में "इम्पीचमैंट" (महाअभियोग) के प्रस्ताव पर कम से कम सौ लोकसभा सदस्यों व 50 राज्यसभा सदस्यों के हस्ताक्षर होने चाहिए, सदन में प्रस्ताव बहस के लिए पेश होने के लिए

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 जुलाई। दिल्ली में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर भारी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में, संसद में उन्हें हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव लाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। लोकसभा के 100 से अधिक सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। ज्ञातव्य है कि जब नकदी मिलने की घटना हुई थी, तब वे दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे।

महाभियोग प्रस्ताव संविधान के तहत किसी न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया के अंतर्गत आता है, जिसके लिए प्रस्ताव पर लोकसभा के कम से कम 100 और राज्यसभा के कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर आवश्यक होते हैं।

- राज्यसभा के मार्क्सवादी सदस्य जॉन ब्रिटास व साम्यवादी पार्टी के संदोष कुमार ने मुद्दा उठाया, कि, न्यायाधीश शेखर यादव के खिलाफ महाअभियोग प्रस्ताव अभी तक लिस्ट नहीं हुआ है, जबकि संसद न्यायाधीश वर्मा के खिलाफ महाअभियोग के मामले पर विचार कर रही है।
- मुख्य न्यायाधीश गवई ने, महाधिवक्ता नेदुमपरा के व्यवहार पर नाराज़गी व्यक्त की, जब उन्होंने न्यायाधीश वर्मा को वर्मा कहकर सम्बोधित किया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "न्यायाधीश वर्मा हाईकोर्ट के सम्मानित जज हैं, उन्हें "वर्मा" कह कर सम्बोधित करना, उनका अपमान है।
- अधिवक्ता, नेदुमपरा का तर्क था, कि न्यायालय को इस मामले में दिल्ली पुलिस को एफ.आई.आर. दर्ज करके, जांच करनी चाहिए।

केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को सर्वदलीय बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि इस प्रस्ताव को सदन में कब पेश किया जाएगा, यह संसद की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी तय करेगी।

शनिवार को राज्यसभा सदस्य जॉन ब्रिटास (माकपा) और पी. संतोष कुमार (भाकपा) ने न्यायमूर्ति शेखर यादव के खिलाफ, उनकी कथित साम्प्रदायिक टिप्पणियों के कारण लाए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष की तारीफ की

प्र.मंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों ने विदेशों में भारत के लिए सकारात्मक माहौल बनाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जुलाई। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए वैश्विक संपर्क कार्यक्रम (ग्लोबल आउटरीच) में सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह भारत की साझा शक्ति और विश्व मंच पर बढ़ते सम्मान का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल की सराहना की जिन्होंने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के वैश्विक संपर्क अभियान के तहत विभिन्न देशों

- प्र.मंत्री ने संसद सत्र से पूर्व पत्रकारों से औपचारिक सम्बोधन में कहा कि विपक्षी दलों व सांसदों ने देश के लिए एकता का प्रदर्शन किया।

की यात्रा की। उन्होंने कहा, सांसदों और उनकी पार्टियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सकारात्मक माहौल बनाया है। इस प्रयास में उनका योगदान प्रशंसनीय है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेना ने जो पराक्रम दिखाया उसे हमे आगे बढ़ाना चाहिए, और जिस तरह देश ने संसद में एकजुटता दिखाई, वह अनुकरणीय है।

मोदी ने यह भी कहा कि वर्तमान मानसून सत्र देश के लिए "गौरवपूर्ण मानसून सत्र" है, खासकर इसलिए कि भारत ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को भेजा है और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी अहम सफलताएं हासिल की हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के तहत, आतंकियों के आकाओं के घर 22 मिनट में जमींदोज़ कर दिए गए। दुनिया इस नई भारतीय सैन्य ताकत से बहुत प्रभावित है।

उन्होंने आगे कहा, आजकल जब भी मैं विदेशी नेताओं से मिलता हूं, तो मुझे "मेड इन इंडिया" हथियारों में गहरी रुचि दिखाई देती है। भारत की रक्षा निर्माण शक्ति को वैश्विक पहचान मिल रही है।

अमेरिकन अदालतों ने 75 प्रतिशत फैसले ट्रम्प के खिलाफ सुनाये

वाशिंगटन, 21 जुलाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के नए कार्यकाल की शुरुआत से अमेरिकी अदालतों ने 75 प्रतिशत मामलों में उनके खिलाफ फैसला सुनाया है और वर्तमान कार्यकारी शाखा के फैसलों को चुनौती दी है या स्थगित किया है। समाचार पत्र वाशिंगटन टाइम्स की एक रिपोर्ट में यह

- ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के पहले 6 माह में उनके कार्यकारी निर्णयों के खिलाफ 500 मुकदमे हुए अर्थात प्रति कार्य दिवस चार मुकदमे।

जानकारी दी गयी।

रिपोर्ट के अनुसार अपने छह महीने के कार्यकाल के दौरान ट्रंप को अपनी कार्यकारी शाखा के कार्यों को चुनौती देने वाले कम से कम 500 मुकदमों का सामना करना पड़ा है, जो प्रति कार्यदिवस चार मुकदमों के बराबर है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मानसून सत्र के पहले ही दिन विपक्ष ने लोकसभा नहीं चलने दी

हंगामे के कारण बार-बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी, फिर चार बजे पूरे दिन के लिए लोकसभा स्थगित कर दी गई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जुलाई। संसद के महीने भर चलने वाले मानसून सत्र के पहले ही दिन लोकसभा में भारी हंगामा देखने को मिला। विपक्षी दलों ने सदन नहीं चलने दिया, क्योंकि नाराज विपक्षी सांसद पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर तुरंत बहस की मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे और उन्होंने सदन की कार्यवाही बार-बार बाधित की। इसके चलते, सदन चार बार स्थगन करना पड़ा और अंततः सदन को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया।

सरकार ने दोनों सदनों में इन मुद्दों पर पूरी बहस कराने की पेशकश कर दी थी, उसके बाद भी भारी हंगामा हुआ। यहां तक कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने हस्तक्षेप करते हुये कहा कि सरकार

- विपक्ष, ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम हमले पर चर्चा की मांग कर रहा था, सरकार की ओर से चर्चा के आश्वासन के बाद भी विपक्षी नेता नारेबाजी करते रहे।
- दोनों सदनों में कांग्रेस के सांसद काला स्कार्फ बांध कर आए थे।
- दूसरे दिन भी संसद में भारी हंगामा होने की संभावना है क्योंकि विपक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विदेशी दौरे पर नाराजगी जता रहा है, विपक्ष का कहना है प्र.मंत्री को सदन में होना चाहिए।

किसी बहस से भाग नहीं रही है, लेकिन फिर भी विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते हुए वैल में खड़े रहे और तुरंत बहस की मांग पर अड़े रहे। विपक्ष ने दावा किया कि उन्होंने कम से कम 20 मुद्दों पर बहस के लिए नोटिस दिए हैं।

हंगामे की शुरुआत प्रश्नकाल के दौरान ही हो गई, जिससे स्पीकर ओम बिड़ला ने मजबूरन सदन को दोपहर 12 बजे तक के लिये स्थगित कर दिया। इसके बाद कार्यवाही बार-बार स्थगित होती रही और अंत में भाजपा के दिलीप सैकिया द्वारा दोपहर 4 बजे के आसपास पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा में अध्यक्ष जगदीप धनखड़ के कुशल संचालन के कारण वहां ऐसा कोई हंगामा नहीं हुआ। उन्होंने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को पहलगाम मुद्दा उठाने का अवसर दिया और फिर सदन के नेता व स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को यह आश्वासन देने दिया कि इस पर पूरी बहस कराई जाएगी। इससे पहले कि विपक्ष अन्य मुद्दे उठाता, धनखड़ ने राज्यसभा को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया और कहा कि पहलगाम बहस के लिए समय सदन की कार्य संचालन समिति तय करेगी।

कांग्रेस के सांसद, जिनमें सोनिया गांधी भी शामिल थीं, दोनों सदनों में काले स्कार्फ पहनकर पहुंचे थे, जो उनके विरोध का प्रतीक था। वहीं, राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष पर, विपक्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रेल्वे पेपरलीक में 8 आरोपियों को सजा

नयी दिल्ली, 21 जुलाई। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अहमदाबाद स्थित अदालत के विशेष न्यायाधीश ने रेलवे पेपर लीक मामले में सोमवार को आठ आरोपियों को पाँच-पाँच वर्ष के साधारण कारावास और पांच-पांच लाख रुपये के जुर्माने की सज़ा सुनाई।

ये सभी रेलवे के पूर्व कर्मचारी हैं और इन्हें यह सजा आपराधिक षडयंत्र, चोरी,

- सीबीआई की विशेष अदालत ने सभी आठ को 5 साल की कैद व 5-5 लाख रु. के जुर्माने की सजा सुनाई। सभी आरोपी रेल्वे के पूर्व कर्मचारी हैं।

चोरी की संपत्ति को बेईमानी से प्राप्त करने या रखने, अपराध के साक्ष्य को गायब करने और आपराधिक कदाचार के मामले में सुनाई गई है।

सीबीआई ने तत्कालीन मुख्य सतर्कता निरीक्षक, पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद की शिकायत के आधार पर, अगस्त 2002में राजेश गोस्वामी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक बार फिर मोदी विदेश यात्रा पर निकले, जब संसद का सत्र चल रहा है

राहुल गांधी ने इस पर टिप्पणी की, "मोदी अपनी जवाबदेही से भाग रहे हैं"

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 जुलाई। संसद का मानसून सत्र सोमवार को शुरू हुआ, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस दौरान विदेश यात्रा पर जाने को लेकर विपक्षी दलों ने तीखा विरोध जताया। संसद में जहां चुनावी सूची में संशोधन, बढ़ती बेरोजगारी, ऑपरेशन सिंदूर के प्रभाव और मणिपुर में तनाव जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होनी है, वहीं प्रधानमंत्री बुधवार को मालदीव और ब्रिटेन की यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। विपक्ष ने इसे गैर-जिम्मेदाराना और गैर-लोकतांत्रिक फैसला बताया है।

प्रधानमंत्री संसद भवन तो आए, लेकिन सिर्फ मीडिया को औपचारिक संबोधन देने के लिए, जो सत्र शुरू होने से पहले की परम्परा है। इसके बाद वे दोनों सदनों की कार्यवाही में

- सरकारी सूत्रों ने विदेश यात्रा को सही ठहराते हुए कहा, "यात्रा का कार्यक्रम पूर्व निश्चित था, तथा यह यात्रा राजनीतिक रणनीति की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।"
- सरकार के आलोचकों ने प्रत्युत्तर में कहा है, सरकार की प्राथमिकता क्या है, देश में प्रजातंत्र को पोषित करना, क्योंकि, संसद निर्णायक भूमिका रखती है, प्रजातंत्रीय व्यवस्था में, क्योंकि किसी भी बहस के लिए यह देश का सबसे बड़ा मंच है।
- साथ ही मालदीव की चीन के नज़दीक जाने की इच्छा के कारण भारत-मालदीव रिश्ते इतने कमज़ोर कभी नहीं रहे।
- साथ ही, ब्रिटेन की इकॉनमी की स्थिति भी इस वक्त ज्यादा मजबूत नहीं है, महंगाई, राजनीतिक स्थिरता, तथा घटते राजनीतिक प्रभाव के कारण। अतः ब्रिटेन भारत के लिए खास उपयोगी साबित नहीं हो सकता।

शामिल हुए बिना निकल गए। माना जा रहा है कि उन्होंने अपने संसद कार्यालय से लोकसभा में विपक्ष के हंगामे को देखा।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर "जवाबदेही से भागने का आरोप लगाया और कहा कि राष्ट्रीय संकट के समय संसद से दूरी बनाना लोकतांत्रिक कर्तव्य की अवमानना है।" टीएमसी, सीपीआई (एम) और डीएमके के नेताओं ने भी यही बात दोहराई और कहा कि प्रधानमंत्री घरेलू ज़िम्मेदारियों से ज़्यादा विदेशी दिखावे को प्राथमिकता दे रहे हैं।

सरकारी सूत्रों ने इस दौरे का बचाव करते हुए इसे पहले से तय और रणनीतिक रूप से अहम बताया। लेकिन जानकारों का कहना है कि मोदी के इस दौरे, जिसमें वे मालदीव जा रहे हैं, की टाइमिंग कई सवाल खड़े करती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

क्या इस संसद सत्र में प्रश्नों के उत्तर मिलेंगे?

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई 2025 से प्रारंभ हो चुका है। इस सत्र के हंगामेदार रहने की संभावना है। इतने महत्वपूर्ण संसद सत्र के प्रारंभ होते ही प्रधानमंत्री इंग्लैंड और मालदीव्स की विदेश यात्रा पर जा रहे हैं। इससे यह संकेत तो मिलता ही है कि प्रधानमंत्री संसद में रहने को अधिक महत्त्व नहीं देते हैं।

इस सत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक स्थिति से संबंधित कई ऐसे गंभीर प्रश्न उठने की संभावना है जिस पर सरकार, विशेषकर प्रधानमंत्री को संसद के माध्यम से देश के समक्ष स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। सामान्यतया, जब सरकार महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर सार्वजनिक रूप से न दे और प्रधानमंत्री केवल अपनी ही बात करें और जनता एवं राजनीतिक दलों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों के संबंध में मौन साध लें, तो फिर उनके पास उत्तर प्राप्त करने का केवल एक ही विकल्प बचता है, कि वे संसद के अंदर, संसदीय प्रक्रियाओं के अनुसार सरकार से उत्तर प्राप्त करने का प्रयास करें । हम इस आलेख में ऐसे ही कुछ महत्वपूर्ण अनुत्तिरत प्रश्नों का उल्लेख करेंगे ।

पहला प्रश्न पहलगाम की आतंकवादी घटना के संबंध में है । यह घटना 22 अप्रैल को घटी किंतु अभी तक इससे संबंधित अनेक पहलुओं का उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। जब पहलगाम की बाई –शरण घाटी में सुरक्षा की व्यवस्था नहीं थी तो वहां पर क्यों पर्यटकों को इतनी बडी संख्या में जाने दिया गया? इसके कारण 26 निर्दोष पर्यटक, आतंकवादियों की गोलियों के शिकार हो गए। प्रश्न यह भी है कि अभी तक चार आतंकवादियों में से एक को भी पकड़ा क्यों नहीं गया? देश यह जानना चाहता है कि क्या ये देश में ही कहीं छुपे हैं, पाकिस्तान चले गए हैं या फिर किसी मुठभेड़ में मारे गए हैं? जो भी स्थिति हो, सरकार को संसद के माध्यम से देश को बताना चाहिए।

दूसरा प्रश्न ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से देश को मिली सफलता एवं उसके परिणाम से संबंधित है। भारत के सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने हाल ही में स्पष्ट किया है कि भारत का कोई नुकसान इस संघर्ष में नहीं हुआ, जब कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में एक बयान दिया है कि इस संघर्ष में पांच जेट विमान गिराए गए। सरकार को यह साफ बताना चाहिए कि ये किसके थे? अब तक इस बारे में असमंजस की स्थिति बनी हुई है । भारतीय सेना के प्रमुख अनिल चौहान और इंडोनेशिया में भारत के दूतावास में पदस्थापित रक्षा अटैची कैप्टन शिव कुमार ने यह माना कि भारत ने अपने जेट खोए हैं। यह सच बताने में सरकार को क्या परेशानी है कि भारत ने कोई जेट विमान खोए या नहीं और खोए तो कितने? जब संघर्ष होता है, तो दोनों पक्षों को जन धन की क्षति होना स्वाभाविक है। देश को यह जानने का हक तो है ही कि हमारे देश का कितना नुकसान हुआ है? अंततः, सारा पैसा तो देश की जनता से ही वसूल किया जाता है? इस बारे में इतनी अपारदर्शिता क्यों? संसद में सरकार या तो डोनॉल्ड ट्रंप के बयान का खंडन करे या पुष्टि करे।

तीसरा प्रश्न, ऑपरेशन सिंदूर के चलते,अचानक हुए युद्ध विराम के संबंध में है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार युद्ध विराम का श्रेय स्वयं ले रहे हैं और कह रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को युद्ध विराम करने हेतु तैयार किया। इसके लिए उन्होंने आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी का भी जिक्र किया। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयानों में भारत और पाकिस्तान को तराजू के पलड़ों में एक समान रखा। यह भारत के लिए अटपटी सी स्थिति थी क्योंकि भारत ने अब तक कभी भी किसी तीसरे देश की भूमिका, भारत-पाक संबंधों में स्वीकार नहीं की थी।

क्या संसद में प्रधानमंत्री इस बात को जोर देकर कहेंगे कि राष्ट्रपति ट्रंप का कथन गलत है और उनकी कोई भूमिका इस युद्ध विराम में नहीं थी? इससे देश आश्वस्त होगा कि भारत ने पाकिस्तान से संबंधित अपनी इस नीति में कोई परिवर्तन नहीं किया है कि वह किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा।

चौथा महत्वपूर्ण प्रश्न, बिहार में चल रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में है। चुनाव आयोग द्वारा इस कार्रवाई के अंतर्गत बिहार के सभी आठ करोड़ मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवाया जा रहा है। इनमें से दो तीन करोड़ मतदाताओं को अपना स्वयं का और माता / पिता का जन्म प्रमाण पत्र भी गणना प्रपत्र के साथ प्रस्तुत करना होगा । यह एक तथ्य है कि बिहार के लाखों लोग राज्य के बाहर अन्य राज्यों में कार्य हेतु जाते हैं। गहन पुनरीक्षण का निर्णय लेते समय चुनाव आयोग ने यह बिल्कुल नहीं सोचा कि कैसे भारी बरसात के बीच ये लोग अपना काम छोड़कर यह प्रपत्र भरने के लिए बिहार जाएंगे और कैसे ये लोग अपने माता या पिता का जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त कर पाएंगे? ऐसा लगता है कि इस पुनरीक्षण की प्रक्रिया के बाद लगभग डेढ़-दो करोड लोग ऐसे होंगे जिनके प्रपत्र दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत नहीं हो पाएंगे और इस कारण उनके नाम मतदाता सूचियों से काट दिए जाएंगे। तदनुसार ये लोग नवंबर में होने वाले बिहार के विधानसभा चुनाव में मत नहीं दे पाएंगे। सोशल मीडिया के कुछ लोगों जैसे अजीत अंजुम द्वारा बिहार में फील्ड पर किए जा रहे सर्वे के आधार पर यह रिपोर्ट सामने आई है कि बी एल ओ, अपने ही स्तर पर मतदाताओं की ओर से फॉर्म भरकर और हस्ताक्षर करके जमा कर रहे हैं और मतदाताओं को इसकी कोई जानकारी नहीं है। यह बात भी सामने आई है कि मतदाताओं को गणना प्रपत्र की एक प्रति नहीं दी जा रही है जैसे कि चुनाव आयोग के निर्देश हैं। इस प्रकार की दोषपूर्ण प्रक्रिया से मतदाताओं को अपने अधिकार से वंचित करने की कार्यवाही के संबंध में सरकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। यह सब क्यों किया जा रहा है जबकि बिहार में चुनाव नवंबर में हैं ? चुनाव आयोग यह सब मतदाताओं की नागरिकता जांचने के नाम पर कर रहा है जबकि कि भारत का कोई भी नागरिक अपनी नागरिकता सिद्ध नहीं कर सकता। सरकार द्वारा नागरिकता का प्रमाण देने की कोई व्यवस्था ही नहीं की गई है। चुनाव आयोग द्वारा ऐसा इस समय यह सब क्यों किया जा रहा है, इस बारे में स्थिति, सरकार को स्पष्ट करनी होगी। यदि ऐसा नहीं किया गया तो सरकार एवं चुनाव आयोग के उद्देश्य पर संदेह के बादल हमेशा मंडराते रहेंगे । लोगों में भी यह आशंका बनी रहेगी कि इस पूरी कार्यवाही का उद्देश्य सत्ताधारी दल के विपक्षियों के नाम मतदाता सूची से बाहर करना ही तो नहीं है? इस पर विस्तृत चर्चा अत्यंत आवश्यक है, जिसे केवल यह कहकर यह नहीं टाला जा सकता कि यह प्रकरण माननीय उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है ।

> **विपक्षी दलों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी कारण से संसद स्थगित न हो और जिन भी नियमों में संभव हो, उनके अंतर्गत वे चर्चा करें, ताकि सरकार और प्रधानमंत्री को विभिन्न विषयों पर उठाए गए विषयों पर उत्तर देने के लिए बाध्य होना पड़े। सकारात्मक विपक्ष का काम केवल यह नहीं है कि हंगामा करके सत्र को बंद करवा दें। ऐसा करके वे सरकार की ही सहायता करेंगे।**

पांचवा महत्वपूर्ण विषय लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्र के पुनर्सीमांकन का है । यदि जनसंख्या के आधार पर ही सीटों का सीमांकन किया जाता है तो यह संभावना है कि उत्तरी भारत की तुलना में दक्षिण भारत के राज्यों की लोकसभा सीटों की संख्या में बहुत कमी आ सकती है। इस कारण दक्षिण भारत का प्रतिनिधित्व संसद में बहुत हो जाएगा । इसी कारण दक्षिणी राज्य इसका विरोध कर रहे हैं। इस संबंध में सरकार को अपनी सोच स्पष्ट करनी चाहिए। छठवां विषय जिस पर संसद में चर्चा होनी चाहिए, वह अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट ए आई 171 के उड़ान भरते ही क्रैश होने के संबंध में है।

इस दुर्घटना में 260 व्यक्तियों की जान चली गई।अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दुर्घटना का कारण क्या रहा? कहीं यह कारण तो नहीं था कि सरकार की विभिन्न सुरक्षा नियामक एजेंसियों में कर्मचारियों /अधिकारियों की अत्यंत कमी है और जिसके कारण पर्याप्त सुरक्षा जांच, उड़ान से पूर्व संभवतया नहीं हो पाई ? अब तक प्राप्त अंतरिम रिपोर्ट से ज्ञात हुआ है कि ईंधन के स्विच 'कट ऑफ' हो जाने के कारण इंजन बंद हो गए और यह विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया । इस बारे में स्पष्ट और विस्तृत जानकारी संसद सदस्यों को सरकार के द्वारा दी जानी चाहिए।

सातवां महत्वपूर्ण बिंदु जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान करने से संबंधित है । इसका आश्वासन तो सरकार 2019 से ही दे रही है। हाल ही में श्रीनगर में शहीद दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को अपने घर से बाहर निकलने के लिए दीवार फांदकर जाना पड़ा । केंद्रीय रिजर्व पुलिस और स्थानीय पुलिस द्वारा उन्हें रोका जा रहा था। किसी भी राज्य के चुने हुए मुख्यमंत्री को अपने ही देश में ऐसी स्थिति का सामना करना पड़े और पुलिस बलपूर्वक रोकने का प्रयास करे तो यह संसद में चर्चा का विषय तो बनेगा ही । सरकार को यह बताना होगा कि क्यों जम्मू कश्मीर को अब तक पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया जा रहा है?

प्रधानमंत्री द्वारा विभिन्न घोषणाओं की वास्तविकता के बारे में भी संसद में प्रश्न उठेंगे जिसका उत्तर प्रधानमंत्री को देना चाहिए। उदाहरण के लिए बिहार के मोतिहारी में चुनावी रैली में प्रधानमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उस जिले में 3 लाख लोगों को पक्के आवास बनाकर दे दिए गए, जबकि सरकार की वेबसाइट के अनुसार ही अब तक कुल 14000 व्यक्तियों को ही मोतिहारी जिले में आवास मिले । गलत बयान देने के बारे में संसद सदस्य प्रधानमंत्री से जवाब मांग सकते हैं और प्रधानमंत्री से अपेक्षा रहेगी कि वे स्थिति स्पष्ट करें।

कावड़ यात्रा में के दौरान कांवड़ियों द्वारा सीआरपीएफ के जवान को पीटने की घटना भी चर्चा का विषय बन सकती है। इस बारे में विभिन्न प्रकार की घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में सरकार द्वारा स्थिति स्पष्ट किए जाने की अपेक्षा सांसदों और देश को रहेगी।

इस वक्त हाल ही में बरसात के कारण देश के कई उच्च राज मार्ग, राष्ट्रीय उच्च मार्ग एवं कई पुल दुर्घटनाग्रस्त होकर गिर गए जिसके कारण कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। जिस गति से बिहार और गुजरात में पुल टूटे हैं वह न केवल जनता के धन की बर्बादी को दर्शाता है अपितु भ्रष्टाचार की ओर इशारा भी करता है । बिहार के सांसद इस बारे में चर्चा की आशा रखेंगे ।

गत कुछ सत्रों का अनुभव यह रहा है कि सरकार किसी भी विवादास्पद विषय पर चर्चा करने से बचती रही है और प्रधानमंत्री स्वयं भी ऐसे समय सदन में उपस्थित नहीं रहते हैं। कई बार तो सत्ताधारी दल के सांसद ही हंगामा करने लग जाते हैं जिसके कारण सरकार अपने जवाब देने के उत्तरदायित्व से बच निकलती है। विपक्षी दलों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी कारण से संसद स्थगित न हो और जिन भी नियमों में संभव हो, उनके अंतर्गत वे चर्चा करें, ताकि सरकार और प्रधानमंत्री को विभिन्न विषयों पर उठाए गए विषयों पर उत्तर देने के लिए बाध्य होना पड़े। सकारात्मक विपक्ष का काम केवल यह नहीं है कि हंगामा करके सत्र को बंद करवा दें। ऐसा करके वे सरकार की ही सहायता करेंगे। आशा की जानी चाहिए कि इस सत्र में विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर गंभीर बहस होगी और विपक्ष सरकार को मजबूर करेगा कि वह एवं उसके मुखिया, प्रधानमंत्री विभिन्न प्रमुख मुद्दों पर सरकार का रुख स्पष्ट करेंगे । अच्छा होगा यदि प्रधानमंत्री स्वयं संसद के सत्र के समय महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के दौरान सदन में उपस्थित रहें।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

नई राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी से सुनियोजित शहरी विकास को गति मिलेगी

युवराज

■ **रहवासियों को सुनिश्चित होंगी बुनियादी सुविधाएं, निवेश के द्वार खुलेंगे, रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी**

विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में सुनियोजित नगरीय विकास की अहम भूमिका है। इससे आर्थिक गतिविधियों को तेजी से बढ़ावा मिलता है जिससे बुनियादी ढांचे में निरंतर सुधार आने के साथ-साथ निवेश और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है।

इसी लक्ष्यों की प्राप्ति के क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमंडल बैठक ने नई राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी का अनुमोदन किया है, जिससे राजस्थान सुनियोजित नगरीय विकास के क्षेत्र में अठाणी राज्य बन सकेगा। राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी-2024 के प्रावधान ऐसी योजनाओं के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हैं जिनमें रहवासियों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके। जिसमें सुबह की सैर के लिए पार्क भी हो और वर्षा तथा अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण की व्यवस्था भी हो। नीति के अंतर्गत सभी योजनाओं में हरित क्षेत्र की अनिवार्यता की गई है। सभी क्षेत्रफल की आवासीय योजनाओं में एकरूपता के दृष्टिगत 7 प्रतिशत पार्क-खेल मैदान एवं 8 प्रतिशत सुविधा क्षेत्र का प्रावधान किया गया है।

अंत्योदय की परिकल्पना होगी साकार, जरूरतमंद को मिलेगा आवास :-जरूरतमंद को आवास जैसी बुनियादी सुविधा का लाभ सुनिश्चित हो, इस ध्येय को भी नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। नीति के अंतर्गत सभी योजनाओं में ईडब्ल्यूएस-एलआईजी हेतु आरक्षित भूखण्डों का आवंटन स्थानीय निकाय के माध्यम से किये जाने का प्रावधान रखा गया है। इस प्रावधान से पात्र ईडब्ल्यूएस-एलआईजी व्यक्तियों को आवास की उपलब्धता पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही, औद्योगिक योजनाओं में श्रमिकों के निवास के लिए न्यूनतम 5 प्रतिशत क्षेत्रफल के भूखण्ड का प्रावधान किया गया है। इससे श्रमिकों को औद्योगिक इकाइयों के समीप ही आवास उपलब्ध हो सकेंगे जिससे उनको आवागमन के समय में बचत होगी और उनकी कार्यकुशलता में वृद्धि भी होगी।

नीति में विकासकर्ता पर जवाबदेहिता और रहवासियों के लिए सुविधायुक्त आवासों का प्रावधान शामिल किया गया है। इसके लिए योजना के पूर्णता प्रमाण-पत्र जारी होने के पश्चात विकास कार्यों का रख रखाव 5 वर्ष की अवधि अथवा रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) को हस्तान्तरण किया जाने तक योजना के 2.5 प्रतिशत भूखण्ड रहन रखे जाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही, आंतरिक विकास कार्यों के रख-रखाव हेतु रखरखाव शुल्क का प्रावधान भी किया गया है। नीति के क्रियान्वयन, निगरानी एवं समीक्षा के लिए राज्य स्तरीय समिति के गठन का प्रावधान किया गया है, जिससे शहरी योजनाओं के विकास में आने वाली समस्याओं का त्वरित निदान हो सकेगा।

लम्बवत विकास को मिलेगा प्रोत्साहन :-शहरी क्षेत्रों का निरंतर विकास भूमि की उपलब्धता को सीमित करता है। ऐसे में आवश्यक है कि बहुमंजिला योजनाओं पर विशेष जोर दिया जाए। नई टाउनशिप पॉलिसी लम्बवत विकास को बढ़ावा देती है। इससे कम क्षेत्र में भी अधिक आवासों का निर्माण हो सकेगा और अधिक से अधिक लोग निवास कर सकेंगे। इसके साथ ही नीति के अंतर्गत मिश्रित भू-उपयोग योजना, समूह आवास योजना, फ्लैट आवास योजना, एकीकृत योजना (समूह आवासीय, फ्लैट आवासीय, प्लोटेड), वाणिज्यिक भू-उपयोग में आमजन की सुविधा के लिए सब सिटी सेन्टर, डिस्ट्रिक्ट सेन्टर, कम्युनिटी सेन्टर का प्रावधान भी किया गया है।

आवागमन में होगी सुविधा, बन सकेंगे सेक्टर रोड्स :-नीति में बड़े सेक्टर रोड के निर्माण के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसके अंतर्गत राज्य के सभी नगरीय क्षेत्रों में सेक्टर सडकों के निर्माण एवं उनके सहारे व्यावसायिक पट्टी के विकास के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण की सेक्टर कॉमर्शियल पॉलिसी की तर्ज पर आपसी सहमति से भूमि अवाप्ति की कार्यवाही की जा सकेगी।

साथ ही, यह नीति सौर और पवन ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना को भी प्रोत्साहित करती है। नीति अनुसार, इन संयंत्रों की स्थापना के लिए राजस्व रिकॉर्ड में पहुंचमार्ग दर्ज होने व पहुंचमार्ग की न्यूनतम चौड़ाई की बाध्यता नहीं रखी गयी है। इसके अतिरिक्त नीति में जलस्त्रोतों के संरक्षण को भी बढ़ावा दिया गया है। इसमें नदी, झील, तालाब, नहर, नाला, बरसाती नालों जैसे विभिन्न जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए इनके सहारे आवश्यक न्यूनतक बफर आरक्षित किये जाने का प्रावधान रखा गया है।

युवराज, पी.आर.ओ.,
सीएमओ।

मतदाता सूची : 1952-नाम जोड़ो, 2025-नाम काटो, (52-25-संदर्भ - बिहार विधानसभा चुनाव)

रामनिवास बैरवा

पहले आम चुनाव मार्च-अप्रेल, 1952 में सम्पन्न हो चुके थे। उस समय की मतदाता सूची चर्चा आज 1925 में (बिहार चुनावों के संदर्भ में) भी आवश्यक है। जन प्रतिनिधित्व कानून 1950 में बनाया गया था और 1951 में भी दूसरा कानून बनाया गया था। 1950 के कानून में मतदान क्षेत्रों का सीमांकन तथा मतदाता सूची आदि के संबंध में प्रावधान थे, तो 1951 के कानून में चुनाव संबंधी अन्य तामझाम का नियमन था जिसमें मतदाताओं की पात्रता-अपात्रता के अलावा चुनाव में खड़े होने वाले उम्मीदवारों की योग्यता-अयोग्यता का जिक्र था। 1951 के जन प्रतिनिधित्वकानून का भाग सात, जिसका शीर्षक था "करप्ट एण्ड इल्लीगल प्रेक्टिसेज एण्ड इलेक्टोरल ओफेंसेज" था। 1957 के दूसरे आम चुनावों के ठीक छः महिने पहले, 28.08.1956 के संशोधन के द्वारा इसको बदलकर सिर्फ "करप्ट प्रेक्टिसेज एण्ड इलेक्टोरल ओफेन्सेज" करने के लिए 'इल्लीगल प्रेक्टिसेज' को हटाकर गैर-कानूनी काम करने वालों के लिए चुनाव लड़ने का रास्ता साफ किया गया था। इन संशोधनों के पीछे मतदाता सूचियों की भूमिका थी।

1952 के पहले 1951 में जनगणना हुई थी, उसी के साथ मतदाता सूचियां बनाने का काम भी किया गया था। करीब 17.5 करोड़ मतदाताओं की सूची बनाई गई थी। उस समय कई ग्रामीण स्त्रियां अपना नाम नहीं बतायीं- सामान्यतः स्त्रियों के नाम 'फलाने की पत्नी' या 'फलाने की पुत्री' के नाम से दर्ज की गई थी। तब उच्च अधिकारियों के ध्यान में यह तथ्य लाये जाने पर ऐसे नामों को हटा दिया गया था, पूरे देश की मतदाता सूचियों में से कुल 31 लाख से अधिक नाम हटाये गये थे। लेकिन, आज 2025 में मतदाता सूचियों में से अधिक से अधिक नाम कैसे हटाये जायें, चुनाव आयुक्तों का मुख्य कार्य बन गया है। प्रारम्भिक जानकारियों के अनुसार, मौजूदा बिहार में मतदाता सूचियों में से 37.50 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिये गये हैं, जबकि अभी लोगों से निर्धारित फार्म भरवाने का काम भी पूरा नहीं हुआ है। मतदाता सूचियों में से मतदाताओं के नाम हटाने-जोड़ने का कार्य सत्ता पर आसीन पाटियों और पार्टी के लोगों का लक्ष्य है जिससे कि वे सत्ता में अपना बहुमत सुनिश्चित कर सकें।

1957 के आम चुनावों के लिए पुरानी मतदाता सूचियों से संशोधन करके काम चलाया गया था। जहां उत्तर भारत में गैर-कानूनी कामों में लगे प्रत्याशी (अगस्त, 1956 के संशोधनों के आधार पर) बने थे जो कि पार्टी के नाम से चुनाव जीते थे। गांधी जी की कांग्रेस के साथ भावनात्मक लगाव के कारण उत्तर भारत के काफी ज्यादा संख्या में अशिक्षित पुरूष और महिलाएं बिना प्रत्याशी के चारित्रिक और कानूनी गुणदोषों के मूल्यांकन के मतदान करके जिताये गये थे। परन्तु केरल के शिक्षित मतदाताओं ने कांग्रेस के बदले भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के नम्बूदरीपाद को राज्य की सरकार बनाने के लिए चुना था। यह मतदाता और मतदान करने वाले व्यक्तियों का कमाल था। लेकिन, तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष इन्दिरा गांधी और प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 1959 में भारतीय कम्यूस्टि पार्टी की सरकार को भंग करके राष्ट्रपति शासन लगा दिया था।

आगामी चुनावों के मतदाताओं के मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने और नाम काटने का अधिकार चुनाव आयोग को देने के लिए 1959 में "संसद (अयोग्यता से बचाव) अधिनियम" बनाया गया तथा 1960 में "मतदाताओं का पंजीकरण नियम" बनाये गये जिससे 1962 के चुनावों को तद्नुसार प्रभावित किया जा सके। 1971 के आम चुनावों के बाद 1977 के आम चुनाव 'आपातकाल' के साये से निकले मतदाताओं ने महत्वपूर्ण, लेकिन भावनात्मक रूप से कांग्रेस के विरूद्ध मतदान किया। जिसके परिणामस्वरूप गैर-कांग्रेसी जनता पार्टी की सरकार बनी।1984 के मध्यावधि चुनाव इंदिरा गांधी की हत्या के भावनात्मक वातावरण में हुए और राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी को अप्रत्याशित बहुमत मिला। लेकिन भ्रष्टाचार के मामलों में कुछ कथित चरित्रवान नेता जनता के बीच कांग्रेस के खिलाफ जाने को थे। इसी सम्भावना को देखकर, आपात्काल के दौरान दिख रहे युवक कांग्रेस और एन.एस.यू.आई. के प्रभाव को भुनाने के लिए राजीव की कांग्रेस ने खास संशोधन करके मतदाताओं की आयु को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की कि नया खून नये जोश में अपेक्षाकृत युवा प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नेतृत्व को समर्थन देंगे। साथ ही दल-बदल विरोधी कानून बनाने की आड़ में राजनीतिक पार्टियों को संवैधानिक दर्जा देकर योग्य व्यक्तियों को चुनने का अधिकार भी मतदाताओं से छीन लिया गया। लेकिन इन सबका फायदा कांग्रेस को नहीं मिला, इसके विपरीत नैतिकता, चारित्रिक सुचिता और राष्ट्रप्रेम के तहत गैर कांग्रेसी विश्वनाथ प्रताप सिंह को सत्ता के शिखर पर पहुंचाया जिसमें भारतीय जनता पार्टी के भावनात्मक राष्ट्रवादी नारों के तहत काम कर रहे लागों का समर्थन भी था। वी.पी.सिंह ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करके हिन्दू-मुस्लिम के धार्मिक आधारों पर बंटे मतदाताओं को जातियों में भी बांटने का रास्ता साफ कर दिया। जातियों के आधार पर मतदाताओं के बंटने से क्षेत्रीय पार्टियां तो उभरीं। 2004 में समय से कुछ समय पहले चुनाव करवाये और कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी। मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाया गया। गुजरात में नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री रहते आर.एस.एस. की सभी नीतियों को बखूबी लागू किया- क्योंकि वह संघप्रचारक रह चुके थे। पर्याप्त धन इकट्ठा करने के साथ-साथ राजनीतिक ताने-बाने को तथा प्रशासनिक ढांचे को आर.एस.एस. की नीतियों के अनुसार ढालने में सफल रहे थे, अतः आगामी 2014 के आम चुनावों में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाया तथा प्रधानमंत्री बना दिया गया।

अब आर.एस.एस. और भारतीय जनता पार्टी का एक ही उद्देश्य रह गया था कि जैसे भी हो सरकार में बना रहने के लिए चुनावों को हमेशा अपने पक्ष में बनाना। इस काम में मतदाता सूचियां मुख्य भूमिका निभाती हैं, यह निर्विवाद है और जिसकी कुंजी चुनाव आयुक्त के पास होती है। इसीलिए, नरेंद्र मोदी ने सीधे जिला कलेक्टरों से मीटिंगें कीं। मध्यम और नीचे के आई. ए. एस. अधिकारी भावनात्मक रूप से इससे अपना बड़ा हुआ महत्व मानने लगे। चंडीगढ़ से लेकर महाराष्ट्र तक अपनी सफल भूमिका निभाने के बाद चुनाव आयुक्त पर विभिन्न राज्यों के चुनाव और फिर 2029 के लोकसभा चुनाव में इसे दोहराना बाकी है। फिलहाल, बिहार की विधानसभा के आम चुनावों में मतदाता सूचियों को मुख्य मुद्दा बनाकर आर.एस.एस. की नीतियों को सापेक्ष रूप से और भी सफल बनाने का आयोजन हाथ में ले लिया गया है।

काफी समय से मुसलमानों को अलग-थलग करने के प्रयास में एक प्रयास यह भी रहा है कि बांग्लादेशियों ने नाम से अधिक से अधिक संख्या में उनके नाम मतदाता सूचियों से हटाये जायें। दूसरा, बिहार में सभी जातियों में पिछड़ी और अछूत जातियों की बहुतायत क्षेत्रीय पार्टियों के पक्ष में है- लेकिन इन्हीं में से अधिक दूसरे राज्यों में मजदूरी के लिये गये होते हैं। उनकी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो, लेकिन लोकतन्त्र के मतदान के अधिकार ने उनमें पर्याप्त जागरूकता पैदा की है, इसीलिए प्रत्येक चुनावों में वे अन्य राज्यों से आकर बिहार के अपने-अपने क्षेत्रों में मतदान करते हैं। इससे भारतीय जनता पार्टी को बिहार में चुनावों में सफलता प्राप्त करने में काफी कठिनाई होती है। इसी को लक्ष्य करके अभी बिहार में मतदाता सूचियों में व्यापक संशोधन किया जा रहा है।

चुनाव आयोग में रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्ट्रोर्स रूल्स, 1960 का सहारा लेकर मतदाता सूचियों में व्यापक संशोधन की निर्धारित प्रक्रिया को अपनाते हुए प्रत्येक मतदाता से दो प्रतियों में फार्म भरवाये जा रहे हैं लेकिन प्रशासन के बूथ लेवल ऑफिस (बी.एल.ओ.) जो कि ऊपर के आई.ए.एस. अधिकारियों, जिला कलेक्टरों के दिशा-निर्देश में काम करते हैं- दो की जगह एक ही फॉर्म दे रहे हैं और वो भी आधा-अधूरा भरवाकर इकट्ठा करके संबंधित मतदाता सूची पोर्टेल पर चढ़ाने की कसरत कर रहे हैं। फॉर्म भरवाने का काम अभी जारी है-परंतु चुनाव आयेग ने अपनी दक्षता का बखान करते हुए घोषणा कर दी कि करीब 37.5 लाख नाम मतदाता सूचियों में से हटा दिये गये हैं। प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही फैसला कर लिया गया? जाहिर है बांग्लादेशियों के नाम परमुसलमानों के तथा दूसरे राज्यों में मजदूरी के लिये गये बिहारियों को अनुपस्थित मानकर पहले ही योजनानुसार नाम हटा दिये गये हैं। इसका परिणाम बिहार विधानसभा के चुनावों में देखा जायेगा। विडंबना देखिए कि एन. आर. आई. लोगों को मतदाता सूचयों में जोड़ने के लिए 2011 में कानून में संशोधन किया गया वहीं दूसरे प्रांतों में रहने वालों के, जो कि मतदाता सूची संशोधन के समय अपने दिये गये पतों पर अनुपस्थित पाये जायें, उनके नाम हटाये जा रहे हैं। कैसी विडम्बना है, 1952 के चुनावों के समय जहां मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने की मुहिम चलाई गई थी, वहीं अब 2025 में नाम हटाने की मुहिम चलाई जा रही है। 1952 में भारत की जितनी आबादी थी यानि कि 37 करोड़, उससे ज्यादा नाम तो केवल बिहार की मतदाता सूचियों में से हर हटा दिये गये हैं। क्रमशः पूरे भारत में कितने नाम हटाये जायेंगे, देखना बाकी है।

- राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

राशिफल मंगलवार 22 जुलाई, 2025

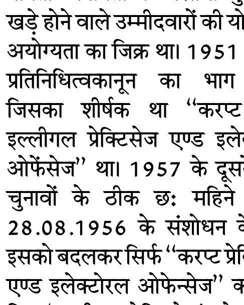

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र सायं 7:25 तक, शुक्र योग दिन 3:32 तक, तैतिल करण प्रातः 7:06 तक, चन्द्रमा प्रातः 8:15 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क चन्द्रमा-वृष, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज द्विपुष्कर और राजयोग सूर्योदय से प्रातः 7:06 तक है। यमघट योग सायं 7:25 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा रात्रि 4:40 से आरम्भ होगी। आज सायन सिंह में सूर्य प्रवेश सायं 7:00 पर होगा। आज भौम प्रदोष व्रत है। आज त्रयोदशी तिथि का क्षय हुआ है। आज मंगला गौरी पूजा, कैर पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:11 से 10:52 तक, लाभ-अमृत 10:52 से 2:14 तक। शुभ 3:55 से 5:35 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:50, सूर्यास्त 7:16

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। सुख-सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है।

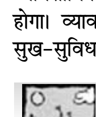

कर्क

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक/व्यक्तिगत कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

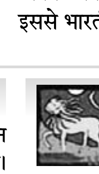

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

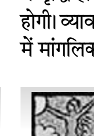

कन्या

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

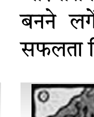

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

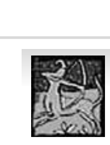

धनु

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

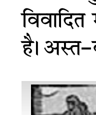

कुंभ

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर को वैश्विक मान्यता मिलने पर उपमुख्यमंत्री ने जताई प्रसन्नता

जनसुनवाई में आमजन को तुरंत राहत

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज सिविल लाइंस स्थित अपने कार्यालय पर जनसुनवाई की, जिसमें प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। अतिक्रमण, पुलिस से संबंधित मामले और स्थानीय विकास से जुड़ी अनेक समस्याएं प्रमुख रहीं। उपमुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों से संवाद कर कई मामलों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया।

उन्होंने कहा, ''हम हर सोमवार और मंगलवार को जनसुनवाई कर रहे हैं ताकि आमजन की समस्याओं का तुरंत समाधान हो सके। डबल इंजन की सरकार पूरी जवाबदेही के साथ कार्य कर रही है, जिससे हर नागरिक को राहत मिले।''

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने जयपुर को 2025 में विश्व के शीर्ष 5 पर्यटन शहरों में स्थान मिलने पर हर्ष और संतोष व्यक्त किया, और इसे राजस्थान ही नहीं, पूरे देश के लिए एक उपलब्धि बताया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिविल लाइंस स्थित अपने कार्यालय पर जनसुनवाई की।

उन्होंने कहा, यह सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच, डबल इंजन सरकार की नीतियों और राजस्थान सरकार के सतत प्रयासों का परिणाम है। इसमें आमजन की सहभागिता भी उतनी ही महत्वपूर्ण रही है।

उपमुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा पर्यटन अवसंरचना, सांस्कृतिक संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के विकास के लिए चल रही योजनाओं से राजस्थान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान मिली है।

■ उपमुख्यमंत्री ने जयपुर को 2025 में विश्व के शीर्ष 5 पर्यटन शहरों में स्थान मिलने पर हर्ष और संतोष व्यक्त किया, और इसे राजस्थान ही नहीं, पूरे देश के लिए एक उपलब्धि बताया

उन्होंने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, यह मान्यता उन सभी लोगों की मेहनत का प्रतिफल है, जो राजस्थान की अतिथि परंपरा, सांस्कृतिक धरोहर और सौंदर्य को दुनिया के समक्ष प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत करते हैं। हमें पर्यटन स्थलों की स्वच्छता और सौंदर्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

'वक्फ बोर्डों की संपत्ति का डेटा संग्रहण और प्रबंधन के लिए शुरू हुआ उम्मीद पोर्टल'

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऐतिहासिक फैसले के बाद वक्फ बोर्डों की संपत्ति का डेटा संग्रहण और प्रबंधन के लिए 6 जून को उम्मीद केंद्रीय पोर्टल शुरू किया गया है। पोर्टल शुरू करने के साथ ही देशभर में राज्यों द्वारा वक्फ संपत्तियों का डेटा अपडेट करना भी शुरू कर दिया। यह पोर्टल वक्फ़ संपत्तियों के बेहतर, पारदर्शी, सक्षम और सुविधाजनक प्रबंधन में क्रांतिकारी और ऐतिहासिक कदम साबित होगा। यह जानकारी राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में दी।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि एकीकृत वक्फ प्रबंधन,दक्षता, सशक्तिकरण और विकास अधिनियम के तहत अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने उम्मीद केंद्रीय पोर्टल-2025 को शुरू किया। पोर्टल शुरू करने के साथ ही महज डेढ़ माह में राज्यों ने इस पर डेटा अपडेट करना शुरू कर दिया। इस पोर्टल पर आंध्र प्रदेश, दिल्ली,राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मेघालय, ओडिशा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल ने डेटा अपडेट करना शुरू दिया। उन्होंने बताया कि इस पोर्टल के उपयोग से वक्फ़ संपत्ति का गुपचुप तरीके से दुरुपयोग रुकेगा। पहले जानकारी के अभाव में मुट्ठी भर लोगों के अलावा किसी को पता ही नहीं होता था कि कौन-कौन सी संपत्ति वक्फ की है। अब सभी को सब पता रहेगा। मंत्रालय पोर्टल शुरू करने के साथ-साथ इसका फॉलोअप भी करेगा। सेंट्रल वक्फ़ काउंसिल, राज्यों के वक्फ बोर्ड और मंत्रालय की तकनीकी टीम ने इस पोर्टल को समावेशी बनाने में कड़ी मेहनत की है।

■ राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र सहित राज्यों ने संपत्तियों का डेटा अपडेट करना किया शुरू : राज्यसभा सांसद मदन राठौड़

मदन राठौड़ ने बताया कि उम्मीद पोर्टल और डाटाबेस, रिकॉर्ड पर आने वाली प्रत्येक वक्फ संपत्ति के लिए एक विशिष्ट पहचान संख्या को स्वचालित रूप से उत्पन्न करेगा। इसका उपयोग भविष्य के सभी संदर्भों और संपत्तियों की ट्रैकिंग व निगरानी के लिए किया जाएगा। अधिसूचित नियमों के अनुसार, मुतवल्ली अपने मोबाइल नंबर और ई-मेल का उपयोग करके पोर्टल और डाटाबेस पर इन्हें नामांकित करेंगे।

नव- निर्वाचित जिलाध्यक्ष का स्वागत

जयपुर। बिरला ऑडिटोरियम परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में ब्यावर जिले के नव - निर्वाचित राजस्थान नर्सेज एसोसियेशन संगठन के जिलाध्यक्ष जेठाराम का प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्यारेलाल चौधरी प्रदेश अध्यक्ष ,रमेश सैनी कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष,प्रदेश महिला मंत्री मालती शर्मा,प्रदेश महामंत्री जेपी कसवा एवं प्रदेश प्रवक्ता सुनील शर्मा आदि ने जिलाध्यक्ष जेठाराम , पदाधिकारी ओमप्रकाश, प्रेम सहित अन्य सदस्यों का जोरदार स्वागत अभिनन्दन किया।

जेठाराम ने संकल्प लिया कि नर्सेज संगठन हेतू जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई है उसे पूर्ण- निष्ठा से निभाएंगे और शीघ्र ही ब्यावर जिला कार्यकारिणी का गठन करेंगे।

'यू.पी.आई. धोखाधड़ी से सावधान'

जयपुर । डिजिटल लेनदेन के बढ़ते दायरे के साथ-साथ साइबर अपराधी भी नए-नए तरीके अपना रहे हैं। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने आमजन को एक नए प्रकार की यूपीआई आधारित साइबर धोखाधड़ी के प्रति आगाह किया है। इस धोखाधड़ी में अपराधी आपके खाते में छोटी राशि भेजकर आपको फंसाते हैं और एक फर्जी लिंक के जरिए आपके मोबाइल का नियंत्रण हासिल कर लेते हैं। एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि साइबर अपराधी एक संदिग्ध नंबर से आपके यूपीआई खाते में बहुत कम राशि भेजते हैं, जैसे 1 रुपये या 10 रुपये। इसके तुरंत बाद आपको एक एसएमएस प्राप्त होता है, जिसमें बताया जाता है कि आपके यूपीआई खाते में धनराशि जमा हो गई है। इस एसएमएस में यूपीआई बैलेंस चेक करने के लिए एक लिंक भी दिया होता है। धोखेबाज जानते हैं कि लोग अपने खाते में पैसे आने पर उत्सुक हो जाते हैं।

सामूहिक शिवलिंग पूजन में हो रहा आस्था से खिलवाड़

जयपुर। श्रावण मास के शुभ अवसर पर जहां एक ओर शिवालयों में हर-हर महादेव और बोल बम के उद्घोष गूंज रहे हैं, श्रद्धालु गहरी भक्ति से भोलेनाथ का जलाभिषेक और पूजन कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ज्यादातर स्थानों पर सामूहिक पार्थिव शिवलिंग अभिषेक आयोजनों के नाम पर आस्था और धार्मिक मर्यादाओं का खुला उल्लंघन हो रहा है। शास्त्रों में पार्थिव शिवलिंग अभिषेक के लिए नदियों, सरोवरों के तट, मंदिर प्रांगण या पवित्र वृक्षों की छाया को ही उपयुक्त स्थान माना गया है। लेकिन आज ये आयोजन एसी होटल, रिसॉर्ट और सामुदायिक भवनों में धड़ल्ले से हो रहे हैं। इन स्थानों पर सुविधाएं सहज उपलब्ध हो जाती है। हाल ही में मुरलीपुरा स्थित एक समाज भवन में रविवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं से प्रति जोड़े 2500 की दक्षिणा लेकर अभिषेक कराया गया, जिसमें भोजन जैसी सुविधाएं भी जोड़ी गईं। इस आयोजन में हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य भी उपस्थित रहे।

■ नदी में करने थे पार्थिव शिवलिंग विसर्जित, कचरे के कट्टे में डाल दिए

लेकिन कार्यक्रम के बाद जो दृश्य सामने आया, उसने आस्था को शर्मसार कर दिया। सोमवार दोपहर तक पूजन सामग्री जहां-तहां बिखरी रही। पार्थिव शिवलिंग प्लास्टिक के कट्टे में कचरे के साथ पड़े मिले। कई पार्थिव शिवलिंग खुले में इधर-उधर फैले हुए थे। न तो विधिवत विसर्जन हुआ, न ही किसी प्रकार की धार्मिक मर्यादा का पालन किया गया। रोली, मोली, चावल, पुष्प सहित पूजन सामग्री पूरे फर्श पर बिखरी हुई थी।

इसके अलावा मिट्टी के पार्थिव शिवलिंग को गलने से बचाने के लिए उन पर चांदी की वर्क चढ़ाई गई। जानकारों के अनुसार चांदी की वर्क गाय की खाल में कूट-कूट कर बनाई जाती है, जो धार्मिक दृष्टि से न केवल आपत्तिजनक है बल्कि शिव भक्ति की मूल भावना के खिलाफ है। पार्थिव शिवलिंग के अभिषेक के दौरान ज्यादातर आयोजक चांदी की वर्क के बजाय प्लास्टिक की पतली पन्नी का उपयोग करते हैं।

दक्षिणा के साथ प्रायोजक भी करते हैं सहयोग:- ऐसे आयोजनों में स्वयंसेवी संगठनों और कथित धार्मिक समूहों द्वारा भारी दक्षिणा लेकर धर्म को व्यावसायिक रूप दे दिया गया है। श्रद्धालु भक्ति में रमे रहते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे कुछ लोगों द्वारा आस्था को बाजार बना दिया गया है। यजमानों से दक्षिणा के साथ-साथ ये लोग भामाशाहों से भी सहयोग के नाम पर मोटी राशि ले लेते हैं।

शिविर में 240 मरीजों की नेत्र जांच

जयपुर। शेखावाटी अग्रवाल समाज संस्था के तत्वावधान में व संजय एंड ज्योति अग्रवाल फाउंडेशन के सौजन्य से 150 वां निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर विद्याधर नगर, सेक्टर-7 स्थित महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल में आयोजित किया गया।240 मरीजों ने आंखों की जांच की गई,साथ ही 182 व्यक्तियों को चश्मे वितरण किए गए। इस मौके पर सुरेश अग्रवाल, अरुण काबरा, राजेंद्र मोदी , अनिल शर्मा , मुकेश बंसल, दिनेश टेकरीवाल, मुकेश मीणा व राजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

दक ने विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को संबोधित किया

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि विगत 17 जुलाई को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ 'सहकार एवं रोजगार उत्सव' राज्य के सहकारी सेक्टर को मजबूत बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमें राज्य में सहकारी सेक्टर को और अधिक मजबूत करने के लिए एकजुट होकर पूरे मनोयोग से प्रयास करने होंगे।

दक सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में 'सहकार एवं रोजगार उत्सव' के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी ने अपना श्रेष्ठ योगदान दिया। सभी लोगों ने टीम भावना के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया, जिसके अच्छे परिणाम आए और कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित हो सका। आयोजन में 90 प्रतिशत से भी अधिक भागीदारी सहकारी आन्दोलन से जुड़े लोगों की रही और कार्यक्रम के माध्यम से राजस्थान के सहकारी आन्दोलन का पूरे देश में एक अच्छा मैसेज गया। सहकारिता मंत्री ने कहा कि सरकार सहकारी सेक्टर को सशक्त बनाने के लिए पूरा सहयोग दे रही है और हमें भी अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत पुरजोर प्रयास करते हुए 'को-ऑपरेटिव बिल्ड अ बेटर वर्ल्ड' के ध्येय वाक्य को साकार करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई की केन्द्रीय सहकारिता मंत्री की मंशा के अनुरूप राजस्थान आगामी समय में सहकारिता में देश में सर्वश्रेष्ठ होगा।

शासन सचिव पर्यटन ने दो दिवसीय तीज उत्सव के आयोजन की रूप रेखा पर चर्चा की

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति व पुरातत्व राजेश यादव की अध्यक्षता तथा पर्यटन आयुक्त रूकमणि रियाड़ एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में तीज का उत्सव और अधिक भव्यता से मनाने और तीज माता की शोभायात्रा की व्यवस्थाओं की तैयारी के सम्बन्ध में सोमवार को जयपुर स्थित पर्यटन भवन में बैठक आयोजित की गई।

प्रमुख शासन सचिव पर्यटन राजेश यादव ने कहा कि इस बार 27 एवं 28 जुलाई को जयपुर में इस बार दो दिवसीय तीज उत्सव का आयोजन पहले से और अधिक भव्य और आकर्षक रूप में किया जाएगा।जिसमें राजस्थान की रंग-बिरंगी संस्कृति और परम्पराएं अद्भुत व आकर्षक रूप से प्रदर्शित होंगी। तीज उत्सव में जयपुर के आम नागरिक और देशी विदेशी पर्यटक बड़ी संख्या में सम्मिलित होंगे।

प्रमुख शासन सचिव पर्यटन ने दो दिवसीय तीज उत्सव के सम्पूर्ण आयोजन की रूप रेखा पर चर्चा करते हुए बताया कि तीज माता के शौभायात्रा में इस बार राजस्थान की लोक कलाओं में उत्कृष्ठ रूप से पारंगत लगभग 200 लोक-कलाकार अपनी कलाओं का प्रदर्शन करेंगे।

■ प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव की अधिकारियों की उपस्थिति में तीज माता की शोभायात्रा की व्यवस्थाओं की तैयारी के सम्बन्ध में में बैठक ली

उन्होंने कहा मेले में महिलाओं के द्वारा तैयार सामान का क्राफ्ट मार्केट लगाया जाएगा। मेले में फूड स्टाल्स् के साथ महिलाओं के लिए झूले, मेहन्दी माण्डणे की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि पॉण्ड्रीक पार्क में लोक कलाकारों द्वारा कला प्रदर्शन किया जाएगा। इसी प्रकार छोटी चौपड पर तीज माता की पूजा की जाएगी एवं कलाकारों द्वारा रोचक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव ने कहा कि राजस्थान जयपुर के इस अत्यंत लोक प्रिय तीज उत्सव के आयोजन का विभिन्न विभागों की वेबसाईट,पर्यटन विभाग की वेबसाईट और सोशल मीडिया प्लेटेफॉर्म्स पर वृहद प्रचार प्रसार किया जाए। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन की कवरेज प्रिन्ट मीडिया,इलेक्ट्रोनिक मीडिया के साथ ही सोशल मीडिया इम्फलुएन्सर्स के द्वारा करवाया जाना सुनिश्चित करने के लिए पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस बार तीज उत्सव का लाइव प्रसारण जयपुर शहर में स्थित स्क्रीन्स एवं सर्पूण राजस्थान में डीओआईटी के माध्यम से प्रसारण करवाया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव ने शोभायात्रा में लवाजमा हेतु हाथी, ऊंट, घोड़े, बैल, बैण्ड, शहनाई-नगाड़ा, आदि की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने देशी-विदेशी पर्यटकों के बैठने हेतु हिन्द होटल के टेरेस एवं निचे बरामदों में बैठने की व्यवस्था करने, वहां टेण्ट एवं वाटर प्रूफ शामियाना भी लगवाने के लिए पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव पर्यटन राजेश यादव की ओर से बैठक में जयपुर नगर निगम (हैरिटेज) आयुक्त को तीज माता की सवारी मार्ग में आने वाले पेड़ो की छटाई, बिजली के तार एवं अन्य केबल तार जो की सवारी मार्ग में झूल रहे है उन्हें दुरस्त करवाने के निर्देश दिए गए।

पुस्तक रजवाड़ों के जांबाज का लोकार्पण

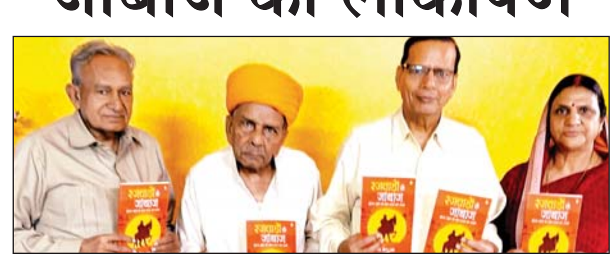

राजेन्द्र मोहन शर्मा की पुस्तक रजवाड़ों के जांबाज का लोकार्पण किया।

जयपुर । राजस्थान की रेत के कण कण में भक्ति का शंखनाद और रक्त के हर अणु में देशभक्ति का नाद सदियों से गुंजायमान है। यहां के बलिदानी नायक नायिकाओं ने अपनी मिट्टी की , अपनी धरती मां की रक्षा के लिए बड़े बड़े सूरमाओं को धूल चटाई है विशेषकर आततायी मुगल शासकों को जिस तरह रजपूताने के सूरवीरों ने खदेड़ा था वह रोमांचकारी था। बड़ी से मुगल बड़ी सेना के पांव भी इस धरती पर कांपते थे। सुप्रसिद्ध वरिष्ठ साहित्यकार प्रदीप सैनी आज जयपुर में स्वरांजली द्वारा आयोजित समारोह में वरिष्ठ लेखक एवं चिन्तक राजेन्द्र मोहन शर्मा की पुस्तक रजवाड़ों के जांबाज का लोकार्पण करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा दिल्ली से प्रकाशित यह पुस्तक आज की युवा पीढ़ी के लिए न केवल प्रेरणादायक है अपितु राष्ट्र के प्रति समर्पण क्या होता है सिखाने वाली है। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए उन्होंने कहा कि हमें अपने इतिहास को पुनः विवेचित कर सही तथ्यों को युवा पीढ़ी के सामने लाने की आवश्यकता है और यह धर्म राजेन्द्र मोहन शर्मा ने इस पुस्तक लेखन के माध्यम से बखूबी निभाया है।

इस अवसर पर इतिहास के सुप्रसिद्ध समालोचक डॉ एम.एम. शर्मा ने कहा अतीत में वामपंथी विचारधारा से ग्रसित इतिहासकारों ने जगह जगह मुगल शासकों के गलत तथ्य प्रस्तुत कर देश को अक्षम्य रूप से गुमराह किया है । इसके निवारण हेतु राजेन्द्र मोहन शर्मा ने इस पुस्तक के माध्यम से महत्वपूर्ण कार्य किया है।

न्यायिक कर्मचारियों का आंदोलन जारी

जयपुर । प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में कार्यरत कर्मचारियों का राज्य सरकार की ओर से कैडर पुनर्गठन नहीं करने के विरोध में सोमवार को सामूहिक अवकाश जारी रहा। इसके चलते अदालतों में अधिकतर मामलों में तारीखें दी गई। कर्मचारियों के सामूहिक अवकाश पर होने के चलते नए मुकदमे भी दायर नहीं हो पा रहे हैं।

जब तक कैडर पुनर्गठन का आदेश उनके हाथ में नहीं आएगा, तब तक उनका सामूहिक अवकाश जारी रहेगा। प्रांतीय अध्यक्ष सुरेन्द्र नारायण जोशी ने बताया कि हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से 25 जुलाई को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में होने वाली बैठक का हवाला देते हुए सामूहिक अवकाश समाप्त करने को कहा गया था, लेकिन अब आश्वासन से काम नहीं चलेगा। दूसरी ओर दी बार एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष संदीप लुहाडिया ने राज्य सरकार व हाईकोर्ट प्रशासन से न्यायिक कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने का आग्रह किया है। कर्मचारी संघ के प्रांतीय संरक्षक बद्रीलाल चौधरी ने बताया कि अध्यक्ष सुरेन्द्र नारायण जोशी व पूर्व जिलाध्यक्ष बृजेश शर्मा की भूख हडताल आठवें दिन भी जारी रही।

लाइब्रेरियन भर्ती में शामिल करने के आदेश, मांगा जवाब

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने कट ऑफ से अधिक अंक लाने के बावजूद भी अभ्यर्थी को लाइब्रेरियन भर्ती-2024 की चयन प्रक्रिया से बाहर करने पर शिक्षा सचिव, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक और आरपीएससी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता अभ्यर्थी को चयन प्रक्रिया में शामिल करने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश सायर चौधरी की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने 14 फरवरी, 2024 को लाइब्रेरियन ग्रेड द्वितीय के पदों पर भर्ती निकाली थी। याचिकाकर्ता ने ओबीसी वर्ग में भाग लेकर 212 अंक प्राप्त किए, जबकि इस वर्ग की कट ऑफ 179 आई थी। याचिकाकर्ता के एक प्रश्न पत्र में चालीस फीसदी अंक के बजाए 39.34 अंक आने पर उसे चयन से वंचित कर दिया गया। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने 7 फरवरी, 2024 को परिपत्र जारी कर राजस्थान शिक्षा सेवा नियम में संशोधन किया था। संशोधन के तहत लाइब्रेरियन ग्रेड द्वितीय और तृतीय के लिए हर प्रश्न पत्र में न्यूनतम चालीस फीसदी अंक लाने के प्रावधान को हटा दिया गया था। याचिका में कहा गया कि प्रत्येक प्रश्न पत्र में चालीस फीसदी अंक लाने की अनिवार्यता नहीं होने के बावजूद याचिकाकर्ता को चयन से बाहर कर दिया गया, जबकि उसके कट ऑफ से काफी अधिक अंक हैं। ऐसे में उसे चयन प्रक्रिया में शामिल किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करते हुए याचिकाकर्ता को चयन प्रक्रिया में शामिल करने को कहा है।

■ अदालत ने याचिकाकर्ता अभ्यर्थी को चयन प्रक्रिया में शामिल करने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश सायर चौधरी की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए

सीवेज लाइन डालने से पूर्व करें सुरक्षा और समयबद्धता की प्लानिंग : आवासन मंत्री

जयपुर । अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स और सीवेज के काम की प्लानिंग आमजन की ज़रूरतों, सुरक्षा और सुव्यवस्थित नगरीय विकास को ध्यान में रखकर की जाए। यह कहना है नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा का।

सोमवार को डीएलबी मुख्यालय के सभागार में आयोजित हुई रुडसिको की 60 वी बोर्ड बैठक की खर्रा अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में पिछली बोर्ड बैठक के कायो द्वारा केन्द्र एवं राज्य पोषित योजना की समीक्षा की गई तथा योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्वक कार्य करवाने के लिए निर्देश दिये गये।

मंत्री झाब्बर सिंह खर्रा ने कहा की सीवेज का काम शुरू करने से पहले ही उसकी निर्माण अवधि , गुणवत्ता और नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना बनाई जाए ताकि किसी प्रकार की कोई जान माल की हानि ना हो। सीवेज के इनलेट और आउटलेट के निर्माण का विशेष ध्यान रखा जाए। सीवरेज ड्रेनेज परियोजना की डी.पी.आर. निर्माण के समय विशेष ध्यान रखें तथा क्रियान्वयन में किसी प्रकार की कमी न रहे। डी.पी.आर. की शुद्धता एवं उसके क्रियान्वयन के लिए संबंधित तकनीकी अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

झाब्बर सिंह खर्रा ने (बीच में) डीएलबी मुख्यालय पर रुडसिको की बोर्ड बैठक ली ।

इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले संवेदकों को भी नोटिस जारी कर उनपर जुर्माना लगाया जाए ताकि भविष्य में ऐसी कोई समस्या ना आए। उन्होंने अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर भी अधिकारियों को निर्देशित किया, खर्रा ने कहा की लंबे समय से अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स का काम लंबित होना चिंतनीय है। उन्होंने निर्देश दिए की कार्ययोजना तैयार कर जल्द से जल्द आम जन के आवास के सपने को साकार किया जाए।

इसी के साथ ही इस बैठक में रूडसिको के दो स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति का भी अनुमोदन खर्रा द्वारा किया गया। सुमन शर्मा और सूर्या प्रकाश चौपड़ा को नियमानुसार रुडसिको का स्वतंत्र निदेशक बनाया गया है।

■ इस बैठक में पिछली बोर्ड बैठक के कायो द्वारा केन्द्र एवं राज्य पोषित योजना की समीक्षा की गई तथा योजनाओं को गुणवत्तापूर्वक कार्य करवाने के लिए निर्देश दिये

इस बैठक में नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव डॉ देबाशीष पृष्टि ,स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन, पीएचईडी विभाग के मिशन निदेशक रवीन्द्र गोस्वामी, आवासन आयुक्त डॉ रश्मि शर्मा, रुडसिको के कार्यकारी निदेशक हरि मोहन मीणा, डीएलबी निदेशक प्रतीक जुईकर, वित्तीय सलाहकार उम्मेद सिंह, मुख्य अभियंता अरुण व्यास, प्रदीप गर्ग सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

'स्वच्छ सर्वेक्षण में जियो फेंसिंग और मोबाइल ऐप से होगा डेटा संग्रह'

जयपुर। स्वच्छ भारत मिशन फेज-2 के तहत शुरू किए गए स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण में इस बार जियोफेंसिंग और मोबाइल एप से डेटा संग्रह किया जाएगा। इतना ही नहीं, स्वच्छता मापदंडों पर नागरिकों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए भारत सरकार की ओर से इस बार नागरिक प्रतिक्रिया एप्लिकेशन विकसित की गई है। डेटा संग्रहण साफ्टवेयर में जियो फेंसिंग को शामिल करने के साथ परिसंपत्तियों की जियो टैगिंग भी की जाएगी। यह जानकारी राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में केंद्रीय राज्य जल शक्ति मंत्री वी.सोमण्णा ने सदन में दी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 में इस बार देशभर के 34 राज्य एवं संघ राज्यों को शामिल किया गया है। इसके साथ ही देशभर के 761 जिले और 21000 गांवों को शामिल किया गया है। गांवों के स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान सेवा स्तरीय प्रगति, गांवों में स्वच्छता का प्रत्यक्ष अवलोकन, संयंत्रों की कार्यशीलता का प्रत्यक्ष अवलोकन और नागरिक प्रतिक्रिया को शामिल किया गया है। सर्वेक्षण में कुल 1 हजार अंकों में से मूल्यांकन किया जाएगा।

'जयपुर में बाढ़ नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन के लिए हर संभव प्रयास हो सुनिश्चित'

जयपुर। मानसून सीजन में जलभराव एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जयपुर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक एवं योजनाबद्ध तैयारी की गई है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में प्रशासन ने बाढ़ नियंत्रण की दिशा में समय पर कार्यवाही कर संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। जिला कलक्टर के निर्देश पर सभी विभागों को अलर्ट मोड में रखा गया है । साथ ही, 24 घंटे नियंत्रण एवं निगरानी के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं स्थिति की नियमित मॉनिटरिंग कर रहे हैं और सभी उपखंड अधिकारियों, नगर परिषद, जन स्वास्थ्य, विद्युत, जलदाय, पुलिस, आपदा प्रबंधन सहित अन्य संबंधित विभागों को संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में जिला स्तर पर चौबीसों घंटें कार्यरत कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहां आमजन अपनी समस्याएं सीधे रिपोर्ट कर सकते हैं। किसी भी आपात स्थिति, जलभराव, सड़क क्षित, बिजली गड़बड़ी या अन्य समस्या की सूचना जिला आपदा नियंत्रण कक्ष, जयपुर कंट्रोल रूम नंबर 0141-2204475, 0141-2204476 के साथ-साथ टोल फ्री नंबर 1077 पर दी जा सकती है।

■ जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिये सख्त निर्देश

इसके अतिरिक्त जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शहर में 9, नगर निगम जयपुर ग्रेटर द्वारा 4, नगर निगम जयपुर हैरिटेज द्वारा 3 नियंत्रण कक्षों का निरंतर संचालन किया जा रहा है। वहीं, पुलिस विभाग, विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, मौसम विभाग, जयपुर मैट्रो, रेलवे, एयरपोर्ट, एसडीआरएफ एवं राज्य स्तरीय ईओसी के साथ साथ तहसील स्तर पर भी प्रशासन द्वारा नियंत्रण कक्षों का प्रभावी संचालन किया जा रहा है।

हर आपदा से निपटने के लिए मुस्तैद है टीम जयपुर जिला प्रशासन

प्रशासन ने निचले इलाकों, जलभराव प्रभावित क्षेत्रों तथा पुराने बाढ़-प्रभावित इलाकों की पहचान कर विशेष निगरानी टीमों का गठन किया है। प्रत्येक टीम को निर्धारित क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था, जनसंपर्क एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नगर निगम एवं जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से नालों और जल निकासी मार्गों की पूर्व सफाई कराई गई, जिससे बारिश के पानी का तुरंत बहाव सुनिश्चित हो सके। सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ, नगर निगम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमें तैनात की गई हैं, जो आपदा की स्थिति में तुरंत राहत पहुंचा सकें। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण कर रहे हैं एवं साथ ही अतिरिक्त जिला कलक्टर सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी फील्ड में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं।

देवनानी ने अजमेर शहर में जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा कर हालात जाने

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रशासन को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए

अजमेर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को अजमेर शहर में जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि राहत कार्यों में तेजी लाई जाए।

जानकारी के अनुसार अजमेर में हुई भारी बरसात के बाद हुए जलभराव क्षेत्रों का एक बार फिर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जिला कलेक्टर लोकबंधु सहित अफसरों के साथ दौरा कर हालात जाने। यहां मेडिकल कॉलेज सहित अन्य क्षेत्र में भरे पानी को निकालने के लिए मड पंम्प की संख्या बढ़ाने व आनासागर से हो रही पानी निकासी के दौरान बाधित हो रहे मार्ग की पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने के निर्देश भी दिए। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी पहले जेएलएन मेडिकल कॉलेज पहुंचे और यहां भरे पानी को निकालने के लिए मड पम्प बढ़ाने के निर्देश दिए। देवनानी ने यहां पर मेडिकल कॉलेज में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जर्जर सीढ़ियों को हटाया जाए। इसके बाद सूचना केन्द्र चौराहे के पास आगरा गेट की तरफ आनासागर पानी निकासी के कारण रोके गए मार्ग का अवलोकन किया और निर्देश दिए कि केसरबाग चोकी के पास पुलिया व पहचान शोरूम की पुलिया को ऊंचा किया जाए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त देशलदान, अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेन्द्र सिंह राठौड़, मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. अनिल सामरिया, अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे सहित अन्य अफसर भी मौजूद रहे।

वासुदेव देवनानी ने अजमेर शहर में जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया।

- मेडिकल कॉलेज सहित अन्य क्षेत्र में भरे पानी को निकालने के लिए मड पंम्प की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए
- देवनानी ने सूचना केन्द्र चौराहे के पास आगरा गेट की तरफ आनासागर पानी निकासी के कारण रोके गए मार्ग का अवलोकन किया

फैक्टरी में सुविधाओं के अभाव में श्रमिक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। फैक्टरी में सुविधाओं के अभाव में श्रमिक की मौत हो गई। हादसे को लेकर आक्रोशित भीड़ ने थाने के बाहर प्रदर्शन किया। परिजन मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित रीको एरिया में सर्वोदय फैक्टरी में कार्यरत एक श्रमिक दिलीप (48) पिता बिंदेश्वरी सिंह बिलिया खुर्द निवासी मूलत: बिहार का रहना वाला है, जो कि फैक्टरी में काम रहा था। 16 जून को दिलीप की काम के दौरान ही अत्यधिक गर्मी और वातानुकूलन की व्यवस्था नहीं होने के चलते बीपी बढ़ गई और वह बेहोश होकर गिर गया। तत्काल साथी श्रमिकों ने उसे शहर के एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे उदयपुर के लिए रेफर कर दिया गया, जहां ब्रेन हेमरेज होने का पता चला। 20 जुलाई को उपचार के दौरान दिलीप की मौत हो जाने के बाद आक्रोशित साथी श्रमिकों और परिजनों ने पहले फैक्टरी उसके बाद प्रताप नगर थाने के बाहर और अब एमजी मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजन उचित मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

- हादसे के बाद मांगों को लेकर आक्रोशित भीड़ का थाने के बाहर प्रदर्शन किया

बुजुर्ग की सड़क हादसे में मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडलगढ़ थाना क्षेत्र में खेत से घर लौट रहे बुजुर्ग की बाइक की टक्कर से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, पुरानी आबादी मांडलगढ़ निवासी कन्हैयालाल (70) पुत्र नारायण तेली जोकि खेत पर फसल में दवा छिड़कने गया था। वहां से लौटने के दौरान कन्हैयालाल को एक बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें पहले मांडलगढ़ व बाद में एमजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

ERCP Eastern Rajasthan Canal Project Corporation Limited
Sinchai Bhawan, JLN Marg, Jaipur 302017 Tel: 0141-2709667 Email: ceercpc@gmail.com
No. :- 2342 Date :- 17/07/2025
NIB No. - ERCPCL/22/2025-26
Managing Director, ERCPCL invites bid for " obtaining wildlife clearance from Ministry of Environment, Forest & Climate change (MOEF&CC) for the construction of Brahmani barrage" from interested bidders up to 28.07.2025 (06.00 PM). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp/ and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is Rs 13.40 Lacs.
NIB Code : ERP2526A0026, UBN No: ERP2526SLOB00027
Raj.Samwad/C/25/6506 MD cum Chief Engineer

Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage and Infrastructu Corporation Ltd. (RUDSICO)
(A Government of Rajasthan Undertaking)
Near Police Headquarter, Behind Nehru Place, Lal Kothi, Tonk Road, Jaipur
Ph.-0141 – 2742240, 2742538, 2742263 Fax No. 141 – 2740771
E-mail: ruifdco@gmail.com CIN : U74999RJ2004SGC019961
संख्या: रूडसिको / स्टोर / 2025–26 / 5451 दिनांक: 16.07.2025
बोली आमंत्रण सूचना / 2024–25
रूडसिको के जयपुर स्थित कार्यालय में कम्प्यूटर ऑपरेटर (मशीन रहित) के लिए निविदा राशि रू. 13.20 लाख की आमंत्रित की गई है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण एवं निविदा प्रपत्र https://sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
NIB No. - RDP2526A0015
UBN No. - RDP2526SLOB00031
राज.संवाद / सी / 25 / 6487 महाप्रबन्धक (वित्त)

जवाई बांध का गेज 31.30 फीट पहुंचा

पाली में सोमवार को भी कई जगह पर पानी भरा हुआ है।

पाली, (निसं)। पहले सोमवार को झमाझम दूसरे सोमवार को जिले में कहीं-कहीं बारिश हुई। हालांकि मानसून कमजोर पड़ गया है, लेकिन अभी तक नदियां चल रही है, जिसके कारण पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े जवाई बांध का गेज सोमवार को 31.30 फीट पहुंच गया। बांध की भराव क्षमता 61.30 फीट है।

वहीं पाली के निकट हेमावास बांध 26 फीट तक पहुंच गया है, 28 फीट होते ही बांध ओवरफ्लो हो जाएगा। लाखोटिया तालाब की चादर पिछले 5-6 दिन से लगातार चलने से यहां की निचली बस्ती आशापुरा नगर, रामदेव रोड, विकास नगर सहित बस्तियों में अभी भी दो फीट पानी भरा हुआ है। लोग पानी में से होकर गुजर रहे हैं। मौसम विभाग अनुसार आगामी 27- 28 जुलाई को फिर से मानसून सक्रिय होगा।

जमीन विवाद में बड़े भाई ने छोटे भाई को गोली मारी, मौत

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के लखनपुर थाना क्षेत्र के गांव पिंगौरा में जमीन विवाद को लेकर एक शर्मसार करने देने वाली घटना सामने आई है, जहां बड़े भाई ने छोटे भाई को गोली मार दी। घायल भाई को आरबीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है और आगे की जांच में जुट गई है।

मृतक के बड़े भाई राजेंद्र उर्फ रज्जो ने बताया कि जमीनी विवाद को लेकर दोनों भाइयों के बीच में विवाद था। बड़ा भाई विजेंद्र जो राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल से रिटायर्ड है, छोटा भाई दौलत किसानी का काम करता है। देर रात साढ़े 8.30 बजे में और दौलतराम घर पर थे। उसी दौरान बड़ा भाई विजेंद्र घर पर आया और उसने दौलतराम पर देसी कट्टे से फायर कर दिया। गोली सीने में लगी। जब बड़ा भाई आरोपी विजेंद्र भागने लगा तो उसे दौलत राम ने पकड़ लिया लेकिन फिर वह हाथ छुड़ाकर भाग गया। यह विवाद जमीन को लेकर था, जबकि उसके हिस्से की जमीन दौलत राम ने दे रखी थी, लेकिन उसके बावजूद भी वह दुश्मनी रखता था। फिलहाल कोई बातचीत नहीं थी, कोई विवाद नहीं था, लेकिन उसने घर आते ही भाई को सीधे गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया।

लखनपुर थाने के एएसआई रामसहाय ने बताया कि देर शाम को सूचना मिली थी कि एक भाई ने जमीनी विवाद के चलते दूसरे को गोली मार कर हत्या कर दी है। घटनास्थल पर पहुंचे उसके बाद आरबीएम हॉस्पिटल पहुंचे हैं, जहां मृतक का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मामला दर्ज हो चुका है, आगे करवाई की जा रही है।

- बड़ा भाई विजेंद्र राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल से रिटायर्ड है, छोटा भाई किसानी का काम करता है
- यह विवाद जमीन को लेकर था, जबकि हिस्से की जमीन छोटे भाई ने दे रखी थी, लेकिन उसके बावजूद भी बड़ा भाई दुश्मनी रखता था
- जब बड़ा भाई भागने लगा तो उसे दौलत राम ने पकड़ लिया, लेकिन हाथ छुड़ाकर भाग गया

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD DIVISION AMET (RAJSAMAND)
File No. 443 Date: 10.07.2025
Notice Inviting Bid
Bids for Nit No 10/2025-26, (Road works) 1 Nos. are invited from interested bidders upto Date 25.07.2025, 06.00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. and departmental website. The is Rs. 172.66 Lacs. approximate value of the procurement
NIB No. PWD2526A1883
UBN No. 1. PWD2526WSOB06750
EXECUTIVE ENGINEER
PWD DIVISION AMET
DIPR/C/9913/2025

कार्यालय उप वन संरक्षक, बीकानेर
ई-मेल-dfobkn@gmail.com & dcf.bknr.forest@rajasthan.gov.in
पब्लिकपार्क, बीकानेर फोन-0151-2544951
क्रमांक-एफ( )भण्डार/उवसंबी./2025-26/4278 दिनांक-14.07.2025
Notice Inviting Bid No. 09/2025-26
Bids for Fenching Work (with Material and Labour) along with NH-II Bikaner-Falodi Block Range Kolayt, Division Bikaner are invited from interested bidders on 05.00 P.M. Date 06.08.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http:/sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in website. The approximate value of the procurement is Rs. 271.60 lakh.
NIB- FOR2526A0782, UBN NO. - FOR2526GLOB00979
Deputy Conservator of Forest
Bikaner
DIPR/C/9943/2025

OFFICE OF THE PRINCIPAL
RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES, Sector – 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033, Ph. : 0141-2795624, 634 Email : principalruhscms@ruhsraj.org
No. :- RUHS CMS/Store/2025-26/4481 Date :- 19/07/2025
ई-निविदा सूचना
राज.स्वा.वि.वि. आयुर्विज्ञान महाविद्यालय परिसर में स्थित शैक्षणिक व अशैक्षणिक भवन, शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारी आवास, छात्रावासों, खेल संकुल इत्यादि में साफ–सफाई कार्य (कार्य की प्रकृति के आधार पर सेवाओं के उपापन) हेतु ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। (कुल अनुमानित लागत राशि रू॰ 90.00 लाख) (UBN : CMS2526SLOB00060)

1.	Bid Download Start Date/Time	19/07/2025 at 05.00 PM
2.	Bid Submission Start Date/Time	19/07/2025 at 05.00 PM
3.	Bid Submission End Date/Time	28/07/2025 at 05.00 PM
4.	Technical Bid Opening Date/Time	29/07/2025 at 11.00 PM

Details may be seen in the Bidding Document at https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in or on RUHS CMS Jaipur.
Principal,
Raj.Samwad/C/25/6498 RUHS College of Medical Sciences, Jaipur

गड्ढे में गिरने से मासूम बालिका की मौत

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के बाटोदा थाना अंतर्गत सुंदरी गांव में एक दो वर्षीय बालिका खेलते हुए पानी के गड्ढे में गिर गई, इससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। सुंदरी गांव के ग्रामीणों व परिजनों ने बताया कि दो वर्षीय अंशु मीना पुत्री मुनेश घर के बाहर आंगन में खेल रही थी। इसी दौरान खेलते-खेलते वह घर के बाहर स्थित पानी के गड्ढे के पास चली गई एवं डूब गई। बालिका के आंगन में नहीं मिलने पर परिजनों ने उसे तलाश किया तो बालिका घर के बाहर पानी के गड्ढे में डूबती नजर आई। परिजन बालिका को पानी से बाहर निकालकर बरनाला चिकित्सालय ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विद्यालय में अध्यापकों के रिक्त पदों को भरने की मांग, धरना पांचवें दिन भी जारी

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर तहसील के निकटवर्ती ग्राम आलसर बास में राजकीय विद्यालय में विभिन्न मांगों को लेकर विद्यालय के बच्चों व ग्रामीणों का धरना सोमवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। आक्रोशित ग्रामीणों ने विद्यालय के अध्यापकों को अंदर नहीं जाने दिया व मुख्य गेट पर ताला लगा दिया। उन्होंने कहा जब तक मांग पूरी नहीं होगी, तब तक उनका धरना विद्यालय के आगे अनवरत जारी रहेगा एवं ताला नहीं खोला जाएगा।

ग्रामीणों ने बताया कि निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर के आदेश पर 23/03/2022 की अनुपालना में उच्च प्राथमिक से माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत किया गया था। वर्तमान में विद्यालय में प्रधानाचार्य-1, अध्यापक 2, शारीरिक शिक्षक 1 क्रे पद स्वीकृत है, जिसमें सें प्रधानाचार्य व अध्यापक एल (2) अंग्रेजी का पद रिक्त है। विद्यालय में 2020-21 से क्रमोन्नति के पश्चात आज तक द्वितीय श्रेणीअध्यापक (हिन्दी, अंग्रेजी व सामाजिक विज्ञान), व्याख्याता (भुगोल, हिन्दी साहित्य और राजनीतिक विज्ञान) कनिष्ठ लिपिक तथा कम्प्यूटर शिक्षक आदि के पद स्वीकृत नहीं किए गए हैं, जिससे विद्यालय का नामांकन निरंतर गिर रहा है तथा कक्षा 9,10,11 व 12 माध्यमिक विद्यालय की स्वीकृति होते हुए भी बच्चों को निजी विद्यालय या सरकारी विद्यालय के लिए गांव से पांच किलोमीटर से अधिक दूर जाना पड़ रहा है। इस मौके पर प्रशासक सरपंच भानीराम मेघवाल, रामचंद्र, हरिराम, अनूप सिंह, मोहनराम, जीवनराम, दिनेश, रामदयाल, मोहनलाल, शंकरनाथ, शंकर सुथार, रामचंद्र स्वामी सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

- राजलदेसर तहसील के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आलसर बास में स्कूल के मुख्य गेट पर ग्रामीणों व बच्चों ने ताला लगाया

स्कूल के बच्चे व ग्रामीण विद्यालय के आगे टेंट लगाकर पांच दिन से मांगों को लेकर धरना दे रहे हैं।

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/102 - 104 Date : 17/07/2025
ई-निविदा सूचना संख्या : 27/2025-26
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 2943.15 लाख (07 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	21.07.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 11.08.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	21.07.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 11.08.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	12.08.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2526WLOB00175 To ITU2526WLOB00181
अधिशाषी अभियन्ता - तृतीय
राज.संवाद/सी/25/6496 उदयपुर विकास प्राधिकरण

बाँसवाड़ा सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि., बाँसवाड़ा
उदयपुर मेन रोड केन्द्रीय विद्यालय के पास, बाँसवाड़ा-327001 (राजस्थान)
क्रमांक :- एफ/25-26/347 दिनांक :- 14/07/2025
संशोधित ई-निविदा सूचना वर्ष 2025-26
बांसवाडा सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि. बांसवाडा अर्न्तगत Supply Of High Quality Grocery Items हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 14.07.2025 को प्रातः 11 बजे तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई थी, जिसे अपरिहार्य कारणो से दिनांक 24.07.2025 को प्रातः 11 बजे तक बढाया जाता है, निविदा में वर्णित कार्य से सम्बन्धित विवरण व अन्य शर्ते बेवसाईड http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। उपापन हेतु NIB Code- CMF2525A0053, UBN No.CMF2526GLOB0076 है।
राज.संवाद/सी/25/6504 महाप्रबंधक

Office Of Superintending Engineer
PHED Circle Jhalawar (Rajasthan)
NOTICE INVITING Bid No. 19/2025-26 Item No. 1 and 2
Bids for Annual Rate Contract for Providing, Laying, Jointing, testing and commissioning of pipe line & allied works at various schemes under jurisdiction of Division Jhalawar and Bhawani Mandi, 18.00 Hours. Other DISTT. JHALAWAR are invited from interested bidders upto 30.07.2025, particulars of the bid may be visited on the www.dipr.rajasthan.gov.in, http://rajwater.gov.in. http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in. Departmentai websites.
NIB No. PHE2526A2259
UBN NO-PHE2526W50B04579, PHE2526WSOB04580
Superintending Engineer
DIPR/C/10015/2025 PHED Circle Jhalawar

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड मालपुरा
क्रमांक-710 दिनांक-14.07.2025
निविदा सूचना संख्या- 12/2025-26 खण्ड मालपुरा
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड मालपुरा में सड़क/भवन निर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" व "एए", "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB CODE: PWD2526A1958 (1) PWD2526SLRC07006, (2) PWD2526SLRC07007, (3) PWD2526SLRC07008
अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/9981/2025 सा.नि.वि. खण्ड मालपुरा

Office Of Superintending Engineer, PHED Circle Jhalawar (Rajasthan)
NOTICE INVITING Bid No. 18/2025-26 Item No. 1-A to 1-C
Bids for Annual Rate contract for Construction & commissioning of 200 mm dia tube wells with submersible pump sets etc. complete work in all types of strata & laying, jointing, testing, commissioning of HDPE pipe line including defect liability period of PANCHAYAT SAMITI AKLERA, MANOHARTHANA, JHALARAPATAN, KHANPUR, BAKANI, BHAWANI MANDI, DAG & PIRAEA of PHED Division Jhalawar/ Bhawani Mandi, District Jhalawar (With Material Complete) are invited from interested bidders upto 28.07.2025 at 18.00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the http://sppp.rajasthan.gov.in and www.dipr.rajasthan.gov.in, http://rajwater.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in. Departmental websites.
NIB No. PHE 2526A2254
UBN No. PHE2526W50B04559, PHE2526WSOB04560, PHE 2526WSOB04561
Superintending Engineer
DIPR/C/9964/2025 PHED Circle Jhalawar

डूंगा की नांगल की प्रशासक को पद से हटाया

पाटन, (निसं)। पंचायत समिति पाटन के अंतर्गत ग्राम पंचायत डूंगा की नांगल की प्रशासक बिमला देवी को पद से हटा दिया है। यह कार्रवाई उनके कार्यकाल के दौरान सामने आई कई अनियमितताओं और जिला परिषद सीकर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ग्राम पंचायत में कराए गए निर्माण कार्यों के लिए अनिवार्य सूचनात्मक बोर्ड नहीं लगाए गए, जबकि इन बोर्डों की लागत का भुगतान पहले ही कर दिया गया था। इसके अतिरिक्त, सरकारी कार्यालयों को भूमि पट्टे जारी करने में भी गंभीर नियम उल्लंघन सामने आया है। नियम संख्या 162 के अंतर्गत पट्टे दिए जाने चाहिए थे, लेकिन उन्हें नियम 158 के तहत जारी किया गया, जो प्रक्रियात्मक त्रुटि मानी गई है। उल्लेखनीय है कि बिमला देवी को 16 जनवरी 2025 को जिला कलेक्टर, सीकर के आदेशानुसार ग्राम पंचायत का प्रशासक नियुक्त किया गया था, लेकिन राज्य सरकार द्वारा 11 फरवरी 2025 को जारी विभागीय आदेश के अनुसार, उन्हें पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। यह आदेश अतिरिक्त आयुक्त एवं शासन उप सचिव इन्द्रजीत सिंह द्वारा जारी किया गया है। प्रशासन का कहना है कि ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ऐसी कार्रवाई आवश्यक है, ताकि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश न रहे।

- कार्रवाई प्रशासक के कार्यकाल के दौरान सामने आई कई अनियमितताओं और मुख्य कार्यकारी अधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई

न्यायिक कर्मी अवकाश पर

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के समस्त न्यायिक कर्मचारी अध्यक्ष, राजस्थान न्यायिक संघ के आदेशानुसार अनिश्चितकालिन सामूहिक अवकाश पर रहे। अध्यक्ष दिल बहादुर सिंह ने बताया कि अधीनस्थ न्यायालयों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में पदस्थपित सामान्य संवर्ग व आशुलिपिक संवर्ग का केडर पुनर्गठन की अधिसूचना के प्रस्ताव उच्च न्यायालय द्वारा सरकार को भिजवाया जा चुका है लेकिन आज तक भी राज्य सरकार द्वारा दो साल बाद भी आदेश पारित नहीं किया गया है।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभास्मि शशि सूर्ययोः
कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (भरतपुर संभाग) पावर हाउस के पास, मोतीझील, भरतपुर
(ई-मेल - zcebz@jvvnl.org फोन नं.-05644-236080)
ई-निविदा सूचना
टी.एन.–50 एवं टी.एन.–51 के लिए योग्य निविदादाताओं ऑनलाईन–निविदा दो भागों (तकनीकी–वाणिज्यिक), में श्रम दर पर आमंत्रित किऐ जाते है। सहायक अभियन्ता (एच.टी.एम.), जयपुर डिस्कॉम, हिण्डौन के अन्तर्गत करौली वृत में 33/11 केवी सब–स्टेशन महस्वा का निर्माण मय 33 केवी लाईन व 11 केवी लाईन खीचने एवं भूमिगत केबल का कार्य निगम एआरसी दर पर करने के लिये। सहायक अभियन्ता (एच.टी.एम.), जयपुर डिस्कॉम, करौली के अन्तर्गत करौली वृत में 33/11 केवी सब–स्टेशन खुंडा का निर्माण मय 33 केवी लाईन व 11 केवी लाईन खीचने एवं भूमिगत केबल का कार्य निगम एआरसी दर पर करने के लिये। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई–प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 21.07.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई–पोर्टल पर दिनांक 12.08.2025 (सायं 5:00 बजे) तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।
(TN-50, UBN : VVN2526WSOB00308) (TN-51, UBN : VVN2526WSOB00309)
राज.संवाद/सी/25/6491 जेपीआर - 3037 (2025) संभागीय मुख्य अभियन्ता (भरतपुर संभाग)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

मंदिर परिसर में अपशिष्ट फेंका

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के उपनगर पुर में देर रात मंदिर परिसर में अपशिष्ट फेंकने को लेकर विवाद हो गया। अज्ञात असामाजिक तत्व ने मंदिर में अपशिष्ट फेंक दिया, जिसके कारण क्षेत्र में माहौल गरमा गया। सूचना पर थाना प्रभारी पुष्पा कसौटियां मौके पर पहुंची और समझाइश के प्रयास किए। बताया जा रहा है कि पुर के माली मोहल्ले में हनुमानजी की प्रतिमा पर अपशिष्ट फेंके जाने के बाद आक्रोश फैल गया और आक्रोशित हिन्दू समाज के लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन किया।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) बीकानेर
क्रमांक :- राजकाज 16629685 दिनांक :- 17/07/2025
ई-बोली आमंत्रण सूचना 04/2025-26
कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज)बीकानेर द्वारा ई–नाम परियोजना के संचालन के लिए उपापन ठेका पद्वति द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए अनुभवी फर्मो/ठेकेदारों/सद्भावी व्यवहारियों से ई–नाम परियोजना हेतु ई–टेण्डरिंग के अन्तर्गत ऑनलाईन बोली आमंत्रण सम्बन्धित विवरण एवं शर्तो को वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in तथा www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित ठेका राशि (लाखों में)	बिड डाउनलोड करने की दिनांक	ऑनलाईन बिड अपलोड की दिनांक	ऑनलाईन बिड खोलने की दिनांक	ई–प्रोसेसिंग शुल्क	बोली प्रतिभूति राशि रू.	निविदा शुल्क
1	ई–नाम परियोजना के समस्त कार्य जॉब बेसिस पर करवाने हेतु	20.00	28.07.2025 दोपहर 03:00 बजे तक	28.07.2025 सायः 05:00 बजे तक	29.07.2025 दोपहरः 12:00 बजे से	1000 रू.	40,000	1180 रू.

बोली की शर्तेः– कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) बीकानेर के मुख्य मण्डी प्रांगण एवं गौण मण्डी प्रागण पूगल रोड़/छतरगढ़ में विभिन्न मदों हेतु रजिस्टर्ड फर्मो से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेंट (eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से ऑनलाईन निविदाऐं आमत्रित की जाती है। बोली सम्बन्धित नियम/शर्ते किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में प्राप्त कर सकतें है। बोली दस्तावेजों को राज्य उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in UBN No.- DAM2526SLOB00514 पर भी देखा जा सकता है। तकनीकी बोली दस्तावेज के साथ बोली प्रपत्र शुल्क, प्रतिभूति राशि का डी.डी. एव ई–टेण्डरिंग के लिए ई प्रोसेसिंग शुल्क का चालान बोली जमा करने की निर्धारित दिनांक व समय तक कार्यालय में जमा करवाया जाना अनिवार्य है एवं देर से प्राप्त होने वाले दस्तावेजों/शुल्क को स्वीकार नहीं किया जावेगा। बोली प्रपत्र शुल्क एवं प्रतिभूति राशि के अभाव में ई–निविदा पर कोई विचार नही किया जायेगा।
सचिव
राज.संवाद/सी/25/6503 कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) बीकानेर

मनचले युवकों ने झरने में नहाते वक्त मचाया उत्पात

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना इलाके में स्थित हथिनी कुंड में नहाते वक्त उत्पात मचाने पर कुछ युवकों और बाबा के बीच लाठी-भाटा जंग शुरु हो गई। घटना स्थल पर मौजूद विदेशी-सैलानियों ने झगड़ा का वीड़ियों बनाना शुरु कर दिया।

वीड़ियों वायरल होने के बाद पुलिस ने परिवाद दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि शनिवार को हथिनी कुंड में बारिश के पानी से झरना बह रहा था। झरने में नहाने के लिए कुछ लड़के ग्रुप बनाकर वहां नहाने आ गए। आधा दर्जन से अधिक लड़के कपड़े खोलकर झरने में नहाने उतर गए और एक दुसरे से गाली-गलौच करने लगे।

झरने के पास ही बैठे बाबा ने उन्हे गाली-गलौच करने से मना किया । लेकिन युवकों ने बाबा की बात नहीं मानी। इसी दौरान बाबा गुस्से में आ गया और पत्थर उठाकर झरने में नहाते युवकों पर फेंकना शुरु कर दिया। तभी आधा दर्जन से अधिक युवक झरने से बाहर आ गए और बाबा से हाथापाई शुरु कर दी। देखते ही देखते झगड़ा बढ़ गया और बाबा और युवकों ने बीच लाठी भाटा जंग शुरु हो गई। लाठी भाटा जंग में एक युवक गड्ढे में गिर गया। घटना स्थल पर मौजूद विदेशी सैलानियों ने पूरी घटना का वीड़ियों बनाया और उसे वायरल कर दिया।

युवक की चाकू घोंपकर हत्या,आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लगाया जाम

- पुरानी रंजिश में युवक की चाकू घोंपकर हत्या
- जामडोली हत्याकांड के मुख्य आरोपी सहित छह गिरफ्तार
- पुलिस उपनिरीक्षक की पिस्टल छीन कर भाग रहा था
- आपसी मुठभेड़ में पैर पर गोली लगी

जयपुर। राजधानी के जामडोली थाना इलाके के पालड़ी मीणा कच्ची बस्ती में पुरानी रंजिश के चलते रविवार देर रात एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या करने का मामला सामने आया। पुलिस जानकारी में सामने आया युवक की हत्या के बाद गुस्साई भीड़ ने जयपुर-आगरा हाईवे (जामडोली) जाम कर दिया और पचास लाख रुपए मुआवजा, मृतक आश्रित को सरकारी नौकरी, जामडोली थाना अधिकारी के निलंबन सहित फास्ट ट्रैक कोर्ट में केस की सुनवाई जैसे मांग करने लगे। पुलिस ने समझाने की कोशिश की तो जमकर धक्का-मुक्की की गई। साथ ही दुकानों पर पथराव किया,इस पथराव में एक जवान भी घायल हो गया। इधर मामला बिगड़ता देख पुलिस ने भीड़ को खदेड़ दिया। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। वहीं पुलिस अब आरोपियों की तलाश में जुटी और साथ ही आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें बनाई गई। पुलिस के आलाधिकारी मामले पर नजर रखे हुए है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि पुलिस इस हत्याकांड में शामिल मुख्य आरोपित सहित छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिन्हे पकड़ कर थाना लाया जा रहा था। इस दौरान मुख्स आरोपित हिस्ट्रीशीटर अनस खान पुलिस उपनिरीक्षक (एएसआई) की पिस्टल छीन कर भाग रहा था। जहां आपसी मुठभेड़ में उसके पैर पर गोली लगी है। जिसका सवाई मानसिंह अस्पताल (एसएमएस) अस्पताल में इलाज चल रहा है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर डॉ. रामेश्वर सिंह ने बताया जामडोली थाना इलाके के पालड़ी मीणा कच्ची बस्ती निवासी विपिन नायक (22) की पुरानी रंजिश के चलते चाकू घोपकर दिया। सूचना पर मिलने पर परिजन उसे लहूलुहान हालत में सवाई मानसिंह अस्पताल ले गए जहां उपचार के दौरान विपिन ने दम तोड़ दिया।

पुलिस पड़ताल में सामने आया है कि विपिन परचूनी की दुकान पर काम करता था। उसका भट्टा बस्ती निवासी अनस नाम के एक व्यक्ति से पुराना झगड़ा था। एक महीने पहले दोनों में सुलह हो गई, लेकिन फिर दोनों में अनबन शुरू हो गई। जो रविवार रात को अपने साथियों के साथ बाइक पर पालड़ी मीणा आया और आरोपियों ने विपिन को घर के सामने रोक कर अंधेरे की तरफ ले गए। जहां आरोपितों ने विपिन पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उसके चिल्लाने पर आसपास से लोग आए तो बदमाश बाइक लेकर भाग गए। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगालते हुए चाकू से वार कर हत्या मामले में मुख्य आरोपी सहित छह आरोपियों को डिटेन कर थाने लाया जा रहा था। इस दौरान मुख्य आरोपित हिस्ट्रीशीटर अनस खान पुलिस उपनिरीक्षक (एएसआई) की पिस्टल छीन कर भाग रहा था। जहां आपसी मुठभेड़ में उसके पैर पर गोली लगी है। जिसका सवाई मानसिंह अस्पताल (एसएमएस) अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं अन्य आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि पुलिस अधिकारियों सहित सौ से अधिक जवानों की टीम लगी हुई है। हत्या के मामले में आरोपियों को राउंडअप किया गया है। जिन्हे सुबह पुलिस आरोपियों को जामडोली थाने ला रही थी। इस दौरान हिस्ट्रीशीटर अनस खान ने एएसआई की पिस्टल छीनने की कोशिश की। बीच बचाव में उसके दोनों पैर में गोली लग गई। इलाज के लिए उसे एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। वहीं जल्दी उनके अन्य साथियों को भी पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस की ओर से कानून व्यवस्था संभालने के साथी उचित कार्रवाई को लेकर काम किया जा रहा है।हत्या के विरोध में बड़ी संख्या में मृतक के परिवार सहित क्षेत्रीय लोगों ने जयपुर-आगरा हाईवे जाम कर दिया। लोगों ने हत्या में शामिल आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग रखी और विपिन के परिजनों की ओर से 8-9 लड़कों के खिलाफ नामजद हत्या की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। इस दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई। इससे दोनों ओर गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई। काफी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया जा सका। इसके बाद एक बार फिर मामला बिगड़ा और प्रदर्शनकारी आक्रामक हो गए। मौके पर अफरा-तफरी मच गई।आक्रोशित लोग आरोपी को फांसी दो के नारे लगाते समय जयपुर-आगरा हाईवे जाम के दौरान पथराव कर दिया। इस पथराव में एक पुलिस जवान के सिर में पत्थर लग गया। उसे पास के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जाम हटाने की कार्रवाई के दौरान जवान के सिर में चोट लगने से वह नीचे गिर पड़ा।अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (डीसीपी पूर्व) आशाराम चौधरी ने बताया कि मृतक विपिन के शरीर पर चौदह घाव थे। उसकी हालत बेहद नाजुक थी और ज्यादा खून बह जाने के कारण वह बच नहीं सका।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार तीन जनों को कुचला

- हादसे में पति-पत्नी और बच्चे की मौत
- पुलिस ने मृतकों के शव रखवाए मोर्चरी में
- पुलिस दुर्घटना के मामले की कर रही जांच
- दहमी बालाजी पुलिया पर हुआ हादसा

जयपुर। बगरू थाना इलाके में सोमवार दोपहर को तेज रफ्तार आ रहे ट्रेलर ने बाइक सवार तीन लोगों को रौंदता हुआ निकल गया। इस हादसे में पति-पत्नी सहित चार साल की एक मासूम की मौत हो गई। पुलिस जानकारी में सामने आया कि बगरू के बोराज से तीनों बाइक से घर की ओर लौट रहे थे। इस दौरान ट्रेलर ने साइड से दबाते हुए तीनों को टायरों से रौंदता हुआ ट्रेलर निकल गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका-मुआयना कर शवों को कब्जे में लिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए तीनों शव सीएससी बगरू की मोर्चरी में भिजवा। वहीं पुलिस ने अज्ञात ट्रेलर सहित चालक की तलाश कर रही है।

पुलिस हेड कांस्टेबल विनोद ने बताया कि सड़क हादसे में आदर्श नगर थाना इलाके में स्थित राजापार्क के गुरुनानकपुरा निवासी दीपक वर्मा (34), उसकी पत्नी माया (30) और 4 साल के बेटे दीक्षित की मौत हो गई। मृतक परिवार की राजा पार्क के में ड्राइक्लीन की दुकान थी। जो परिवार के साथ बगरू बोराज स्थित ससुराल आया हुआ था। और सोमवार की दोपहर परिवार सहित बाइक से बोराज से अपने घर राजा पार्क जाने के लिए जा रहे थे। इस दौरान दहमी बालाजी पुलिया के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने साइड में दबाते हुए तीनों को बाइक सहित सड़क पर गिरा दिय। इससे तीनों की टायरों के नीचे आने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सीएससी बगरू की मोर्चरी में रखवा कर परिजनों को सूचित कर दिया है। वहीं पुलिस ने ट्रेलर सहित चालक की तलाश कर रही है।

पाँच दिवसीय 'कृषक सखी/सीआरपी प्रशिक्षण' का सफल समापन

जयपुर । कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा प्रायोजित पाँच दिवसीय 'कृषक सखी/सीआरपी प्रशिक्षण' का दिनांक 19 जुलाई 2025 को सफलता पूर्वक आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर डॉ. बलराज सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को खेत में उपलब्ध समस्त संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए प्राकृतिक खेती करने एवं प्राकृतिक खेती के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि ईश्वर लाल यादव, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) खंड जयपुर ने मानव शरीर में वर्तमान में हो रही विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचने एवं जहर मुक्त खाद्यान्न उत्पादन में प्राकृतिक खेती के महत्व को बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे निदेशक प्रसार शिक्षा कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर डॉ. एस आर ढाका ने प्राकृतिक खेती को लेकर जागरूकता फैलाने पर जोर दिया।

माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल को मिली बम से उड़ाने की धमकी

- स्कूल की ऑफिशियल आईडी पर भेजा धमकी भरा ईमेल
- डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड सहित पुलिस टीम ने चलाया सघन तलाशी अभियान

जयपुर। विधाधर नगर थाना इलाके में स्थित माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल (एमजीपीएस) में उस समय हड़कंप मच गया। जब सोमवार सुबह स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली। जानकारी के अनुसार यह धमकी भरा ईमेल स्कूल की ऑफिशियल आईडी पर भेजा गया है। जिसमें लिखा था कि बम हमारे शरीर में लगा है, हम शहीद होंगे और जन्नत नसीब होगी। स्कूल को बम से उड़ाने का मिले ईमेल के बाद स्कूल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी। जहां पुलिस के आलाधिकारी सहित पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और स्कूल की बिल्डिंग से साढ़े तीन हजार बच्चों को बाहर निकाल लिया गया है। वहीं सूचना पर बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची और पूरे स्कूल परिसर में तलाशी अभियान चलाया। जहां सभी एजेंसियों सहित पुलिस की जांच में अभी तक कुछ संदिग्ध नहीं मिला है।

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि विद्याधर नगर के सेक्टर एक में माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक (एमजीपीएस) स्कूल है। जहां पर स्कूल की ऑफिशियल मेल आईडी पर विस्फोटक रखकर स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी कि बम हमारे शरीर पर लगा हुआ है। एमजीपीएस स्कूल में आरएफआईडी के सम्पर्क में आते ही एक्टिवेट हो जाएंगे। हम शहीद होंगे और जन्नत नसीब होगी। प्लान बी के तहत दो बम स्कूल में भी प्लांट किए गए हैं। जब सोमवार सुबह सवा नौ बजे स्कूल प्रशासन की ओर से ईमेल चेक की गई तो हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और आधे घंटे में स्कूल से बच्चों को बाहर निकाल लिया गया। साथ ही डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड ने स्कूल की सभी कक्षाओं, मैदान, पार्किंग और आसपास के क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। लेकिन कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जहां सर्च ऑपरेशन पूरा होने के बाद पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मेल किसी फर्जी आईडी से भेजा गया है, लेकिन मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए पुलिस अब साइबर एक्सपर्ट्स की मदद से धमकी भरे ईमेल की जांच कर रही है और मेल भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। स्कूल प्रशासन की ओर से सभी अभिभावकों को सूचना दी कि स्कूल में शॉर्ट सर्किट हुआ है। वह अपने बच्चे को लेने आ जाएं। सूचना मिलते ही सभी अभिभावक अपने-अपने बच्चे को लेने पहुंच गए।

जिला कलक्टर सोनी ने पौधारोपण कर किया अभियान का शुभारंभ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिला प्रशासन द्वारा जिले के पंच गौरव के प्रोत्साहन एवं संवर्धन के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को जयपुर जिला प्रशासन द्वारा ने वनस्पति प्रजाति एवं उपज संरक्षण व संवर्धन अभियान का आगाज़ किया। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जिला कलक्ट्रेट परिसर में जयपुर जिले के पंच गौरव में शुमार एक वनस्पति प्रजाति-लिसोड़ा एवं एक उपज- आंवले का पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के तहत जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में जिले के सभी उपखण्ड स्तर पर भी जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा आंवले एवं लिसोड़े के पौधे लगाए गए। इस अभियान का लक्ष्य पंच-गौरव कार्यक्रम के तहत एक जिला-एक वनस्पति प्रजाति लिसोड़ा व एक जिला-एक उपज आंवला की

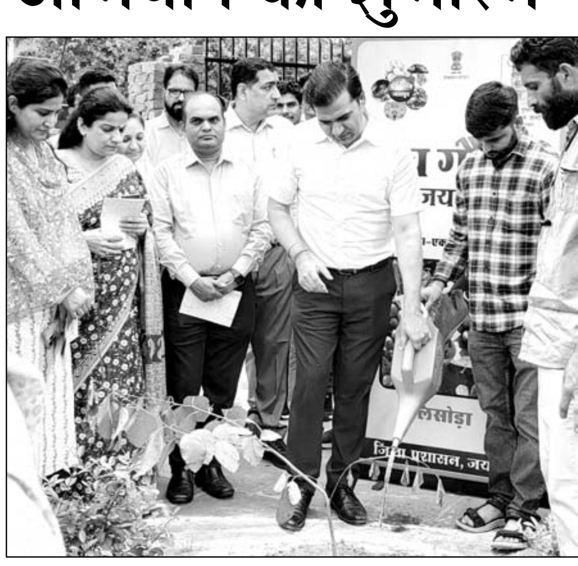

कलैक्टर जितेन्द्र कुमार (बीच में) ने पौधारोपण किया।

महत्ता, उपयोगिता एवं आवश्यकता से आमजन को परिचित करवाने एवं रोजगार की दृष्टि से जनउपयोगी बनाना है।

धाकड़ समाज समिति जयपुर की बैठक

जयपुर। धाकड़ समाज समिति जयपुर की प्रताप नगर स्थित एक निजी होटल में एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समाज से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। समिति द्वारा आने वाले चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तृत योजना बनाई गई है।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समाज के चुनाव 28 सितंबर (रविवार) को आयोजित किए जाएंगे। इससे पहले 31 अगस्त तक सदस्यता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें समाज के अधिक से अधिक लोगों को जोडऩे का प्रयास किया जाएगा। सदस्य बनने के बाद ही व्यक्ति चुनाव प्रक्रिया में भाग ले सकेगा। बैठक में समिति के अध्यक्ष एडवोकेट महेश धाकड़ ने एडवोकेट बी.एल. धाकड़ को मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त करने की घोषणा की, जिसका जिसका सभी सदस्यों ने समर्थन किया।

राजस्थान विश्वविद्यालय के सेवानिवृत कार्मिक को पेंशन सुनिश्चित करने की मांग

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय सेवानिवृत कर्मचारी एसोसिएशन की ओर से राज्य सरकार से मांग की गई है कि उन्हें समय पर पेंशन देने की व्यवस्था की जाएं।

राजस्थान विश्वविद्यालय एसोसिएशन ने सरकार से अनुरोध किया है कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में शिक्षा के प्रसार को दृष्टिगत रखते हुए संभाग स्तर पर विश्वविद्यालय खोल ने का कार्य किया है एवं निजी क्षेत्र को भी विश्वविद्यालय खोल ने की छूट दी गई है। इसके कारण प्रदेश में अनेक महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय अस्तिव में हैं और इसी के कारण राजस्थान विश्वविद्यालय जो सबसे पुराना एवं प्रतिष्ठित संस्थान रहा है अब छात्रों का अभाव महसूस कर रहा है। इस वजह से विश्वविद्यालय की आय में भारी कमी आई है।

राजस्थान विश्वविद्यालय सहित प्रदेश के राज्य वित पोषित विश्वविद्यालय आर्थिक संकट में है। प्रदेश के राज्य पोषित इन संस्थानों के कार्मिकों को मिली पेंशन सुविधा माननीय भैरू सिंह जी शेखावत पूर्व मुख्यमंत्री एवं माननीया शिक्षा मंत्री सुमित्रा सिंह एवं तत्कालिन कुल पति प्रो. एस.एन सिन्हा जी की सहमति एवं स्वीकृत पश्चात मिली थी। उससे आज कर्मचारी वंचित होने की स्थिति में है। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में पेंशन भुगतान नियमित समय पर नहीं हो रहा है। इसलिए पेंशन भुगतान राशि का भार राज्य सरकार वहन करें।

राजस्थान विश्वविद्यालय एसोसिएशन की ओर से महामहिम राज्यपाल महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय एवं कुल गुरू राजस्थान विश्वविद्यालय से मांग की गई है कि विश्वविद्यालय से सेवानिवृत कार्मिकों को समय पर पेंशन देने की कार्यवाही सुचारू रूप से जारी कि जाएं।

देवस्थान मंत्री ने किया महादेव का सहस्त्रधारा रूद्राभिषेक

- मंत्री कुमावत ने रूद्रीपाठ के उच्चारण के बीच विधि-विधान के साथ रूद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से लोकमंगल और राष्ट्रकल्याण की प्रार्थना की।

जयपुर। श्रावण मास के दूसरे सोमवार को देवस्थान विभाग की ओर से 80 से अधिक राजकीय व प्रन्यास प्रबंधित शिव मंदिरों रुद्धाभिषेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसी कड़ी में देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने सोमवार को जयपुर के त्रिपोलिया बाजार स्थित राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मंदिर प्रतापेश्वर मंदिर में सहस्त्रधारा रुद्राभिषेक किया। मंत्री कुमावत ने रूद्रीपाठ के उच्चारण के बीच विधि-विधान के साथ रूद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से लोकमंगल और राष्ट्रकल्याण की प्रार्थना की। रुद्राभिषेक के उपरांत कुमावत ने शिवोपासना का अनुष्ठान संपन्न किया।

इस दौरान देवस्थान विभाग के मंदिरों के पुजारियों ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मंत्री कुमावत ने आरती

देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत (दांये) ने सोमवार को प्रतापेश्वर मंदिर में सहस्त्रधारा रुद्राभिषेक किया।

कर चराचर जगत के कल्याण के लिए आदियोगी महादेव से प्रार्थना की। अनुष्ठान का यह कार्य दो घंटे से अधिक समय तक चला। उन्होंने यहां भगवान नंदी का पूजन कर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।वही मीडिया से रूबरू होते हुए मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि आज मुझे महाराजा सवाई प्रताप सिंह जी द्वारा संवंत 1851 में स्थापित प्रतापेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। रुद्राभिषेक से जीवन में सुख, समृद्धि, संतान सुख, धन लाभ और मानसिक शांति प्राप्त होती है। मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा अर्चना करते हुए भगवान शिव का दुग्धा अभिषेक करते हुए प्रदेश में सुख समृद्धि की कामना की। कुमावत ने बताया कि देवस्थान विभाग की ओर से प्राचीन शिव मंदिरों में प्रत्येक सोमवार को रुद्राभिषेक कार्यक्रम किए जाएंगे। इस मौके पर सहायक आयुक्त रतनलाल योगी, निरीक्षक सुरेंद्र कुमार पूनिया आदि मौजूद थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित हुआ "सृजन की सुरक्षा" वृक्षारोपण अभियान

जयपुर । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला द्वारा सोमवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बूज जमवारामगढ जयपुर में "सृजन की सुरक्षा" स्कीम के तहत विधिक जागरूकता व वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला पवन कुमार जीनवाल एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय पल्लवी शर्मा ने ग्राम पंचायत बूज में 14 नवजन्मी बालिकाओं के जन्म के उपलक्ष्य में उनके परिजनों, स्कूली विद्यार्थीगण व स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर वृक्षारोपण कर एवं उन पर राखी बंधवाकर नवजन्मी बालिकाओं को हरित बालिका विशिष्ट पहचान पत्र वितरित किए।

कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय पल्लवी शर्मा द्वारा बताया गया कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा बालिकाओं के जन्म को प्रोत्साहन देने एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "सृजन की सुरक्षा" नामक अभियान की शुरूआत की गई है जिसमें प्रत्येक जिला स्तर पर एक ग्राम पंचायत को चिन्हित कर उसमें जन्म लेने वाली बालिकाओं के परिजनों के द्वारा स्थानीय लोगों के सहयोग से 11 पौधे लगवाए जाएंगे।पवन कुमार जीनवाल सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला द्वारा बताया गया कि उक्त अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को संरक्षित रखना तथा कन्या भ्रूण हत्या व बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों को रोकने में सहयोग प्रदान करना व बालिका शिक्षा को बढावा देना है।

सार-समाचार

अपहरण कर फिरौती मांगने वाले दो आरोपित गिरफ्तार

जयपुर। श्याम नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अपहरण कर फिरौती मांगने वाले दो आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि अपहरणकर्ता पीड़ित के दोस्त है और उन्होंने अपहरण कर छोड़ने के एवज में परिजनों से फिरौती मांगी थी। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। सहायक पुलिस आयुक्त(सोडाला एसीपी) योगेश चौधरी ने बताया कि श्याम नगर थाना पुलिस ने 18 जुलाई को अनिकेत सोनी का अपहरण कर फिरौती मांगने वाले दोस्त साहिल खान (24) निवासी खण्डेला जिला सीकर हाल करधनी जयपुर और नदीम कुरैशी (27)निवासी झोटवाड़ा जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि उनको व्यापार में नुकसान हो गया था, जिससे लोगों से काफी रुपये उधार ले रखे थे। लेकिन रुपया नहीं लौटा पा रहे थे। उनका दोस्त अनिकेत सोनी काफी पैसे वाला है। जिससे हमने उसी का अपहरण करने का प्लान बनाया था । उसका मौका देखकर अपहरण कर लिया। थानाधिकारी दलबीर सिंह ने बताया कि अनिकेत सोनी ने मामला दर्ज करवाया था कि 18 जुलाई को अपने दोस्त आयुष शर्मा की बर्थडे पार्टी में जाने के लिए घर से गाड़ी लेकर गया था तथा रात्रि दो बजे तक पार्टी में रहा। पार्टी खत्म होने के बाद उसके सभी दोस्त वही पर सो गये थे । लेकिन उसे घर वापस आना था तो उसके दोस्त नदीम ने कहा कि वह तो विधाधर नगर जाएगा । वह साहिल को अपने साथ ले जा इसको ड्राप कर देना । उसके बाद पीडित और साहिल गाड़ी से रवाना होकर शिवज्ञान हाईटस के पास अजमेर रोड पहुंचे तो साहिल ने टॉयलेट जाने के बहाने गाड़ी रूकवाई। गाड़ी रोकते हुए चार अन्य लोग गाड़ी में घुसे और मारपीट करते हुए सोने की चैन व एक रुद्राक्ष माला छीन ली । साहिल पीछे वाली सीट पर था और अन्य चारो ने चेहरे पर गमछा बांध रखा था। इसके बाद सीकर रोड होते हुए दौलतपुरा टोल के पास घुमाते रहे। इसके बाद फिरौती की मांग की

युवक ने पेड़ से रस्सी का फंदा लगाकर की आत्महत्या

जयपुर। बजाज नगर थाना इलाके में सोमवार दोपहर को एक युवक ने पेड़ से रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिले पर पुलिस मौके पर पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जयपुरिया स्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है। जांच अधिकारी एसआई कविता ने बताया कि थाना इलाके में स्थित आदिनाथ नगर में युवक का शव पेड़ से लटका मिलने की सूचना मिली थी। शव मिलने की सूचना पर पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। पुलिस के मौका-मुआयना करने शव को फंदे से नीचे उतारा। मृतक की पहचान के प्रयास किए, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को जयपुरिया अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र 35-40 के बीच है। पुलिस प्रथम दृष्टया जांच में युवक ने रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या की है। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है। इसके बाद ही आत्महत्या के कारण का पता चलेगा।

परिचित युवक ने किया महिला से दुष्कर्म

जयपुर। जालुपुरा थाना इलाके में परिचित युवक द्वारा महिला से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि आरोपित अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल कर पिछले चार साल तक देहशोषण करता आ रहा है। इस संबंध में थाने में पीड़ित महिला ने आरोपित परिचित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि थाना इलाके की रहने वाली 34 वर्षीय महिला ने मामला दर्ज करवाया है कि परिचित होने के कारण आरोपित से उसकी बातचीत थी। आरोप है कि दिसम्बर-2021 में आरोपी ने धोखे से मिलने के बहाने बुलाया। मिलने जाने पर कोल्ड ड्रिंक में नशा मिलाकर पिला दिया। नशे की हालत में आरोपी उसे जालूपुरा स्थित एक होटल में ले जाकर बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो अपने मोबाइल में बना लिए। अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल कर देह शोषण करने लगा। पिछले चार साल तक ब्लैकमेल कर देह शोषण करता रहा। विरोध कर बात मानने से मना करने पर अश्लील वीडियो को रिश्तेदारों को वायरल कर दिया। इसका पता चलने पर पीड़िता ने मामला दर्ज करवाया।

पेशरार समाज ने वरिष्ठ सदस्यों और भामाशाहों का सम्मान किया

जयपुर। पेंशनर समाज उप शाखा मालवीय नगर का 21 वां वार्षिक सम्मान समारोह सामुदायिक केंद्र में आयोजित किया गया। समारोह में 75 वर्ष से अधिक उम्र के 96 सदस्यों एवं 27 भामाशाहों का मोमेंटो, शाल एवं माला पहना कर सम्मानित किया गया। उप सचिव बाबू लाल गुप्ता, एवं मीडिया प्रभारी कैलाश चंद पाटनी ने सभी उपस्थित सम्मानित सदस्यों का स्वागत करते हुए उन्हें यथा स्थान बैठाया। सचिव प्रीतम दास अरोड़ा ने बताया की पेंशनर समाज की मालवीय नगर शाखा में सबसे अधिक 2150 सदस्य है जो राज्य में सबसे बड़ी शाखा के रूप में सक्रीय रूप से कार्यरत ह समारोह का संचालन ओम प्रकाश शर्मा ने किया। इस अवसर पर राज्य अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जिला सचिव, राज्य स्तरीय पूर्व कोषाध्यक्ष, उप शाखा अध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य, कार्यकर्ता आदि उपस्थित थे।

देशी कट्टा मय कारतूस सहित एक बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार सहित एक बदमाश को गिरफ्तार किया है और उसके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित अल्ताफ खान उर्फ डांसर (25) निवासी गलता गेट जयपुर हाल जयसिंह पुरा खोर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके पास से अवैध हथियार एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस आरोपित से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

Mango Day!

A mango is a deliciously sweet and juicy fruit from tropical regions. Did you know there's a whole day dedicated to eating mangoes! And that day is today. Mangoes are generally sweet and it's generally just the inside meat of the fruit that is consumed. It is so popular that it is regarded as the *King of the Fruits*. It is cultivated in most frost-free tropical climates, with almost half the world's mango supply harvested in India, with the second-largest source being China. On Mango Day, go buy a bunch of mangoes and try out different recipes.

#'NON-VEG MILK'

Will This Be 'Milk!'

Dairy farmers in US routinely use animal-derived supplements to boost production of milk, now proposed for sale

A new controversy has emerged in India's dairy industry over what is being called 'non-veg milk,' a term used to describe milk produced by cows fed with animal-derived supplements such as meat and bone meal (MBM), fish meal, blood meal, and animal fat.

While the milk itself does not contain meat or animal flesh, critics argue that the source of the milk, animals raised on non-vegetarian feed, violates religious and ethical standards upheld by millions of Indian consumers.

Milk No Longer Pure?

Traditionally in India, milk is viewed as a sacred and vegetarian product, especially among followers of Hinduism, Jainism, and certain sects of Sikhism. In Hindu belief, the cow is revered as a holy animal, and milk is considered *sattvic*, pure and spiritually cleansing. However, revelations that dairy cattle in some commercial farms may be consuming animal-based feed have alarmed religious leaders, social media influencers, and consumer rights groups. "The milk may look vegetarian, but if the cow is consuming non-vegetarian material, can the milk truly be considered pure?" asked a user in a viral Instagram post by educational page *itubeclasses_upsc*. The post has ignited heated discussions online, with the hashtag *#NonVegMilk* trending in India.

A Common Global Practice

In countries like the United States, such feeding practices are not controversial. Dairy farmers routinely use animal-derived supplements to boost the growth, health, and protein intake of livestock. These methods are approved by health and agricultural agencies such as the U.S. Food and Drug Administration (FDA). There is also no legal or consumer requirement in the U.S. to label milk based on the animal's diet, vegetarian or otherwise.

But in India, where dietary choices are closely intertwined with religion and ethics, the issue has taken a different turn.

Calls for Transparency and Labelling

Consumer rights activists and religious organizations are now calling on the Indian government to enforce greater transparency in the dairy sector. Some have demanded labeling standards similar to 'veg-fed' or 'organic-fed' to allow informed choices. "Indian consumers have a right to know how their food is produced," said Dr. Nikhil Arya, a food policy expert based in Delhi. "The assumption that all dairy is vegetarian needs to be addressed with clear, regulated information." Industry experts note that shifting to a fully vegetarian cattle feed model may increase costs, but it could also open up new markets for 'certified veg milk,' catering to ethically and religiously conscious consumers.

A Cultural Reckoning

This debate is part of a larger conversation around food transparency, religious beliefs, and consumer rights in modern India. While the science behind cattle feed is well-established, the cultural sensitivity surrounding milk, often offered in religious rituals and consumed with spiritual reverence, makes it more than just a nutritional commodity. As public pressure builds, the dairy industry may be forced to adapt. For now, 'non-veg milk' remains a controversial but crucial point of dialogue in India's evolving food landscape.

Monk In A Merc!

Rajasthan's Mohan Lal Sukhadia, with the longest tenure of a C.M., consulted a Solan based astrologer in Himachal Pradesh. Very often, he would take his confidant, Haridev Joshi, with him. On one such visit, it was none other than Haridev Joshi, who was Dr. Panagariya's patient himself, who narrated the incident to him. The astrologer predicted unfavorable times ahead for Sukhadia, but as they were leaving, he quietly told Joshi that he would be stepping into CM's shoes very soon. Joshi, who was on drugs for Parkinson's, had a chart that showed a promising career inspite of being in the grip of the degenerative disease. For once, says Dr. Panagariya 'reading of the stars made no sense to me' and then, something unimaginable happened. A bleed in the brain ended up curing him of Parkinson's disease. Panagariya claims that at that time, it was the only second recorded case in the world where a man's degenerative illness was cured by another illness.

Sadhana Garg
Journalist & Social Entrepreneur

#PERSONALITY

"Doc Saheb, how come you always make money in stocks? Even Rakesh Jhunjhunwala loses money sometimes," I once asked Ashok Panagariya, a leading Neurologist, who is credited for having published around 90 papers on his subject and is a Padam Shri awardee in 2014. His lean face lit up with his usual smile, 'Rakesh Jhunjhunwala does not know astrology,' he deadpanned. That, in a nutshell, sums up the expert's skill sets and life.

Few know that Dr. Ashok Panagariya besides being a leading Neurologist was an equally good astrologer. "A non linear Vedic science," he termed it and said, "it is a finger pointing to reality." He also believed that the role of *Bhagya* and *Karam* in one's birth, gene and environment cannot ever be exaggerated.

How did it all begin? Doctor Panagariya had booked a Maruti car by paying Rs. 25,000 advance to the dealer. Those were the days when they were long queues outside a dealer's showroom. On learning that, it would take about three months for his desired new car that he asked for a refund. Next morning, one of the stock market professionals suggested to the doctor that he should invest in stocks.

On a tip, he made his first ever investment, and within three months, the value of shares had become 75000. Quick on the uptake, he booked profits, and from then on, there was no looking back. Says Paras Kuhad, a legal luminary and his friend forever, "For Ashok, money never was a consideration on any parameter, so, he booked his profits at an opportune time. Therein lay his mastery in the stock market."

A Swetambhar Jain, Dr. Panagariya, was a devout Hanuman *bhakt*.

According to Arihant, his only son, 'everyday after his bath, the first thing papa did was recite the Hanuman Chalisa.'

Opines Kuhad, "It is from his uncle, from whom Ashok imbibed Hanuman Bhakti, and with it, the belief that infinite possibilities open up with faith."

He recounts, "Once, we were at a function. Ashok looked at someone present from the higher judiciary and said, 'Get your spine treated.' Over a course of period, he went back to Ashok who looking at him and prescribed some medicines. For a second opinion, the patient flew to Bombay to consult a top neurologist in the country. His opinion confirmed Dr. Panagariya's findings with a statement, 'who other than Panagariya can know without any investigations.'"

Jaipurites are privy to this well-known quality of the first trained Neurologist of Rajasthan.

As the story goes, very early in his career, fresh out of a 2 year super speciality course in Neurology from PGI Chandigarh one evening, his colleague pleaded with him to make a home visit for a man who had been declared dead by a distinguished professor of medicine, his senior in SMS college and a personal physician to the then CM. Amidst a courtyard full of wailing women and men talking of last rites, Dr. Panagariya arrived. Realising a bad case of Cheyne-Stokes, a rare condition wherein severe case of CO2 narcosis occurs in the brain, Dr. Panagariya administered oxygen support and glucose to stabilize blood pressure. The patient went on to live for another 7 years.

It was a day the neurologist carried with him for the rest of his life. While people came to view him as a God sent saviour, he forever remained indebted to his father for having pushed him to take up medicine as a profession.

"Most sensitive of the 5 siblings and also most independent amongst all of us," says Dr. Arvind Panagariya, of his brother, who was older by two years to the economist and a one time Deputy Chairman of Niti Aayog. The unstinting integrity of father Panagariya, an officer in the excise department of Rajasthan, left an indelible mark, a talisman that Dr. Panagariya never let go.

In his book, namely 'Monk in a Merc,' he writes that never did we exceed the three calls allowed from a government fixed line nor ever use the sarkari gaddi. Says Dr. Arvind Panagariya, "For years, we walked to and fro to school, it was particularly harsh on Ashok who had a sensitive skin. Ours was a very simple childhood with no drama or any break in routine. At the most, we brothers had fist fights, played cricket, flew kites,

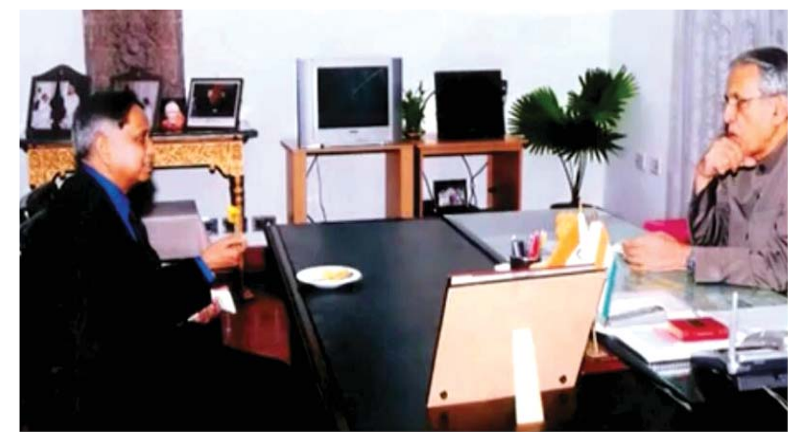

Ashok excelled in cutting other people's kites. Our mother, though uneducated with her knowledge of religious text, exposed us to philosophical realm. She revealed to us the righteous path and our father trained us to walk that path. "Father Panagariya would curate GK papers for the children to solve much before Siddharth Basu's 'Kaun Banega Crorepati' was aired on TV."

One evening, the father huddled the three boys and declared that oldest should become an engineer, to Ashok he said, you are sensitive, so best suited to service of humanity, and to Arvind, based on his argumentative skills, he pronounced him best suited to be a teacher or a bureaucrat." That life changing monologue gave the world one of its finest neurosurgeons.

Ashok enrolled at Sawai Man Singh Medical College in Jaipur, oblivious of the fact that one day, he would head the same institution first as its director and then as its Vice Chancellor.

Dr. Ramesh Roop Rai, a batchmate of Panagariya, reminisces, "One day, both of us had our bikes stolen from SMS Medical College, for next three years, we walked to work."

Even in student days, says Dr. Rai himself, a leading gastroenterologist, "Ashok was given to moderation, he spoke little, ate even less, saying why should I burden my system unnecessarily?"

The concept of 'We treat, He cures' or the 'Rx' that every medical student is introduced to, the presence of the unknown in the healing process, intrigued Panagariya. The episodic play of science and chance in healing patients, that the trained neurologist had personally experienced, further motivated the expert to study the interplay of science and reasons that went beyond it. To quote the Neurologists, who by now had earned the reputation of a doctor with a healing touch, "All my deliberations would keep bringing me back to one organ, the brain, the true enabler of all actionable pursuit."

Rajasthan's Mohan Lal Sukhadia, with the longest tenure of a C.M., consulted a Solan based astrologer in Himachal Pradesh. Very often, he would take his confidant, Haridev Joshi, with him. On one such visit, it was none other than Haridev Joshi, who was Dr. Panagariya's patient himself, who narrated the incident to him. The astrologer predicted unfavorable times ahead for Sukhadia, but as they were leaving, he quietly told Joshi that he would be stepping into CM's shoes very soon. Joshi, who was on drugs for Parkinson's, had a chart that showed a promising career inspite of being in the grip of the degenerative disease. For once, says Dr. Panagariya 'reading of the stars made no sense to me' and then something unimaginable happened. A bleed in the brain ended up curing him of Parkinson's disease. Panagariya claims that at that time, it was the only second recorded case in the world where a man's degenerative illness was cured by another illness. According to the Doc, the human brain, a supercomputer lodged in a bony vault, is what makes us humans the god of small things.

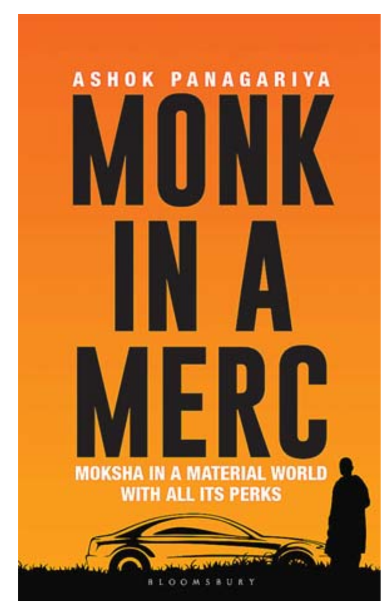

> "The Monk, according to the Doc, is a state of mind." One could be driving in a Mercedes sedan and yet remain on the path of self-discovery. The brain then is a medium which allows you to choose your *Dharma* and *Karma* and in so doing, we are well-tuned with the universe.

"The Monk, according to the Doc, is a state of mind." One could be driving in a Mercedes sedan and yet remain on the path of self-discovery. The brain then is a medium which allows you to choose your *Dharma* and *Karma* and in so doing, we are well-tuned with the universe. Says Kamal Panagariya, a retired senior government teacher and an older sister of the Doc, "Medicine was my brother's Karma and following Hippocrates dictum of 'doing no harm' to the patient, his Dharma. What left a footprint on us siblings was the reverential manner in which our Father, though a junior bureaucrat, was treated by all and sundry. Ashok, being the most introvert of us all, internalised the lesson more." It also made him realise that fathering is not what perfect men do but something that perfects men, as was the case with my father and his children. Ashok, having been mentored by our father, was to Pay it Forward by mentoring many students and research scholars, opines the shell shocked sister.

As a young lad, Ashok was no pushover. Recalls Arvind, "My brother was also a lot more independent than nearly all other siblings. Our father had groomed me to compete for the IAS. But before I could take the examination, I got admitted for Ph.D. at Princeton University with a fellowship. My father's influence over all us children was firm that I should appear for the IAS but had Ashok not supported me, even I would have yielded to my father's advice." To Ashok, health was not only absence of disease but a patient's state of mind. He always went beyond what met the eye at a time when attending doctors have no time to talk to their patients. Kamal Panagariya remembers, 'not once but many times, I heard him tell his patients, that if they washed their hands frequently and gave themselves the luxury of a mouthwash each time they ate, 70% of their health would be taken care of.' This was well before Covid 19. Very often, Ashok mentioned the three points program drawn up by our father, namely applying mind to whatever you do, excel in the field of your choice, and lastly, buy peace of mind at any cost. Without the last, maintained Dr. Ashok Panagariya, the first two were inconsequential and nor do they take one on the path of monkhood.

'Jan seva, according to the Doctor, is what gives mind happiness.' To Dr. Ashok Panagariya goes the credit of recycling this happiness again and again.

Dr. Vimal Soni, owner of Soni Hospital, had a bond with Dr. Panagariya, one of mentee and mentor. "He was my senior by 8-9 years at the Medical College. We both shared a love of cricket. I, being a Ranji Trophy player, wasted too much time and money on cricket and was taken under his wings. He tutored our group of 6 -7 medicos for hours. Initially, our tutor had no money to buy books. He borrowed the books from their owners, and in return, tutored them. In fact, it is said that the notes Ashok had made then, are still in circulation," informs Kuhad.

Vimal Soni, who knew Panagariya for the last 34 years, points out that the first MRI and CT scans in Rajasthan was installed at Soni Hospital. Out of the 10 patients, who availed of them, half were recommended by my mentor. His only condition was that we maintain high precision. Money or any commercial transaction was not even a possibility for Dr. Panagariya. At that time, when doctors had become prisoners to pharmaceutical lobbyists and are now shackled by the compelling commercialization of their profession, it is indeed solace to the soul to have men like Dr. Vimal Soni and Paras Kuhad vouch for his integrity that was hardwired in his system. "Chasing money was not even in an option for Ashok," said Kuhad, "or why would he have turned down an offer from Medanta, which many professionals cannot even envisage. He also travelled widely to attend conferences or present a paper that he had penned."

On several occasions, on his visit to Bangalore and Calcutta, impressed by the research work being done, he ended up donating sizeable amounts to the cause. "To Ashok, donating without any fan fair was second nature," says Kuhad. He was a Philanthropist with a mute button. Few know that as recently as a month before passing away, he donated 1 lakh to be distributed equally amongst the four men, who manned the Adarsh Nagar Crematorium, on whom had fallen the unenviable task of cremating Covid bodies left unattended by their kith.

Apparently, the high vibrational experience in visiting Ghat ke Balaji was Dr. Ashok Panagariya's reset button, which must have enabled the medical genius in him to reprogramme and rewire his brain for super results. The conjecture is mine but what is certain is that his hotline with Divinity gave him the powers to go beyond the limits of perception.

"In my career as a Resident working under Sir," says Professor Bhavna Sharma, and at present Unit Head in SMS, "I remember we had admitted a patient whose right arm was not functioning. Sir took one look at him and said to get him tested for pancoast tumor which occurs in the upper part of the lungs. Investigations proved him right similarly and on one of his rounds, I informed him that we had done a GBS and CFS on a particular patient." "Get him tested for Dural fistula," he said casually and moved on. The word 'doing the rounds' in the Neurology department was like Vaishno Devi in Dr. Panagariya's unit, the darshan of the super specialist also are only for one minute.

The moot question is whether the ACH hormone, responsible for intuitive powers of a person and associated with fulfilment of one's innovative inclinations, was present more in his brain as compared to others! Be that as it may, to Dr. Sharma, he was also her life coach, his thumb rule, as he himself put it, was 'whenever there is negativity, ensure zero environmental reactivity.'

I always admired my Guru for his super management skills! "Sir would stop seeing patients at 8:30 and then the writer, the thinker, the researcher, the astrologer, the stock broker would take over." What is the big deal about having a successful practice? He often stated, 'Get a life, Bhawna, and use it to actualise your potential as the most intelligent specie on this planet.'

Professor Sharma breaks down several times during the telecon, "I had two fathers, one biological, and the other my Guru, for carving me out to whatever I am today. I haven't still come to terms with his going away. Yet, we feel his energy!"

Few know that the Rambagh Hotel was Dr. Panagariya fav go-to destination. Going down the memory lane, his son Arihant says, "It is on one such evening when he would host dinners for different set of people at different times that one of his friends said during the course of a conversation that Doc Saheb should have become a monk." As they reached the valet parking, Dad's Merc was ushered in and his guest, as if struck by a revelation, proclaimed him 'Monk in a Merc.' Dr. Panagariya had found the title of his book, which he had been so very assiduously writing for years. Says Kuhad, that Ashok was not all work. He loved leading a good life, enjoyed the fruits of his labour, sanctified them by sharing with the less privileged, loved to gamble for the sheer kick of the chance factor. Ashok had no pretensions of understanding art and I remember when he was building a house, I pulled his leg, "Tumne simpleton ki tarhey architect ko bola hoga accha ghar bana do and left it at that," "Aur kya?" pat came the doc's reply.

"We spent many a lovely evening with Ashok on the karaoke, with him pelting his fav old Bollywood numbers."

For a man who prophesied to Pratibha Patil, the then Governor of Rajasthan, that one day, you will become the President of the country or told a junior doc friend of his, "Tera jail yog hai," and sure enough, the man went to jail, though only for a night, and was out on bail the next morning. "So, did he see the curtains down for himself also?" Says Professor Sharma, "I can only recall once Sir telling us that after 2019, he might have a date with Markesh." For the uninitiated in Vedic astrology, Markesh is that combination of planets in one's chart that indicates a person's expiry date, monk or lesser mortal!

rajeshsharma1049@gmail.com

#MAHADEV

Lord Of The Sound

Shiva as the Origin of the Seven Musical Notes. Parel Sculpture, 6th Century CE, Mumbai.

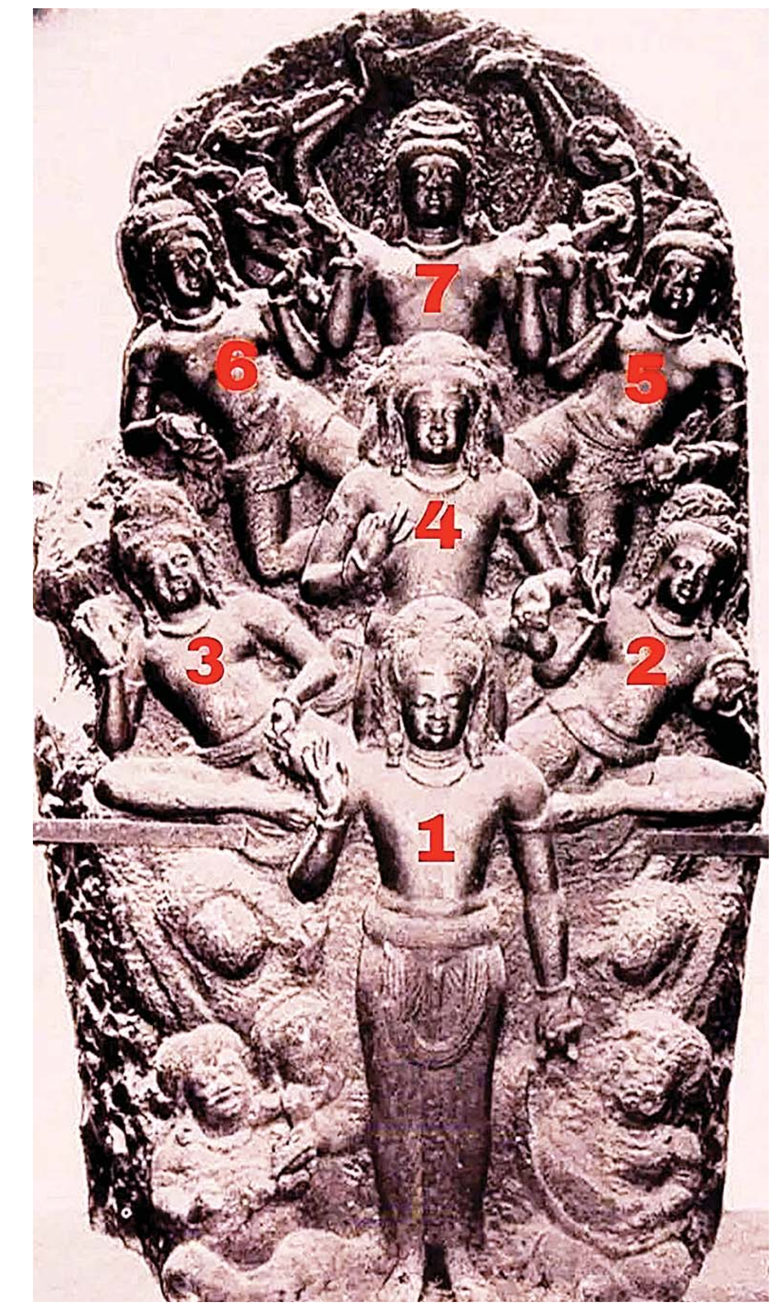

This rare and exquisite 6th-century sculpture, discovered in the Parel area of present-day Mumbai, depicts Lord Shiva as the primordial source of sound and music. It presents him as the creator of all time (*sarvakaal rachita*) and the master of all arts (*sarvakala sampanna*).

According to ancient belief, Lord Shiva once addressed a divine assembly for the welfare of the world. At that time, different sounds emerged from his five faces, Sadyojata, Vamadeva, Tatpurusha, Ishana, and Aghora, which eventually evolved into the seven musical notes (*saptasvara*).

When Shiva addressed the assembly facing forward (from the Tatpurusha face), the note 'Sa' (Shadja) emerged.

Then, when he looked to his left (from the Vamadeva face), the note 'Ni' (Nishada, from the lower octave) was produced. When he looked to the right (from the Aghora face), the note 'Re' (Rishabha) emerged.

Later, as Shiva turned further in those directions,

From the far left (again from the Vamadeva face), the notes 'Dha' (Dhaivata) and 'Pa' (Panchama) from the lower octave emerged. From the far right (again from the Aghora face), the notes 'Ga' (Gandhara) and 'Ma' (Madhyama) were produced. Thus, the seven notes, Sa, Re, Ga, Ma, Pa, Dha, Ni, emerged from Lord Shiva himself, and these are considered the foundation of Indian classical music.

This sculpture is not only a rare representation of Lord Shiva in stone but also a profound artistic symbol of the divine origin of sound and music in Indian tradition.

The Shiv Temple in Parel, and also the Chandi temple.

THE WALL

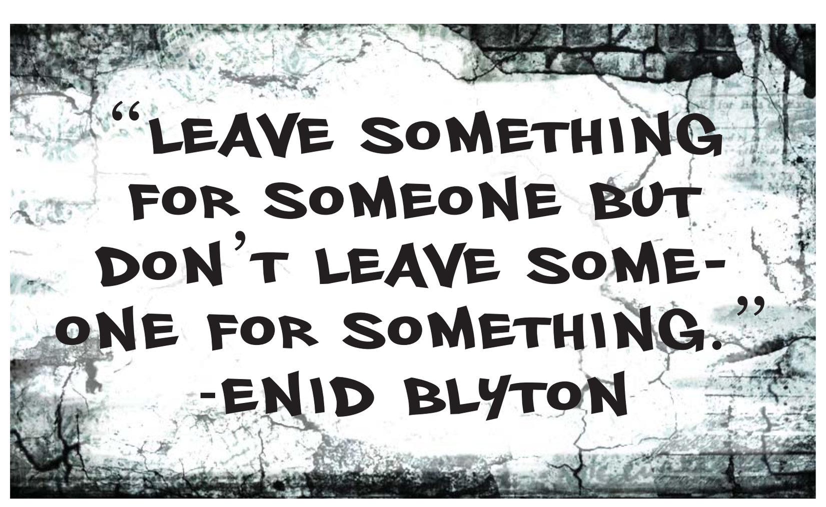

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

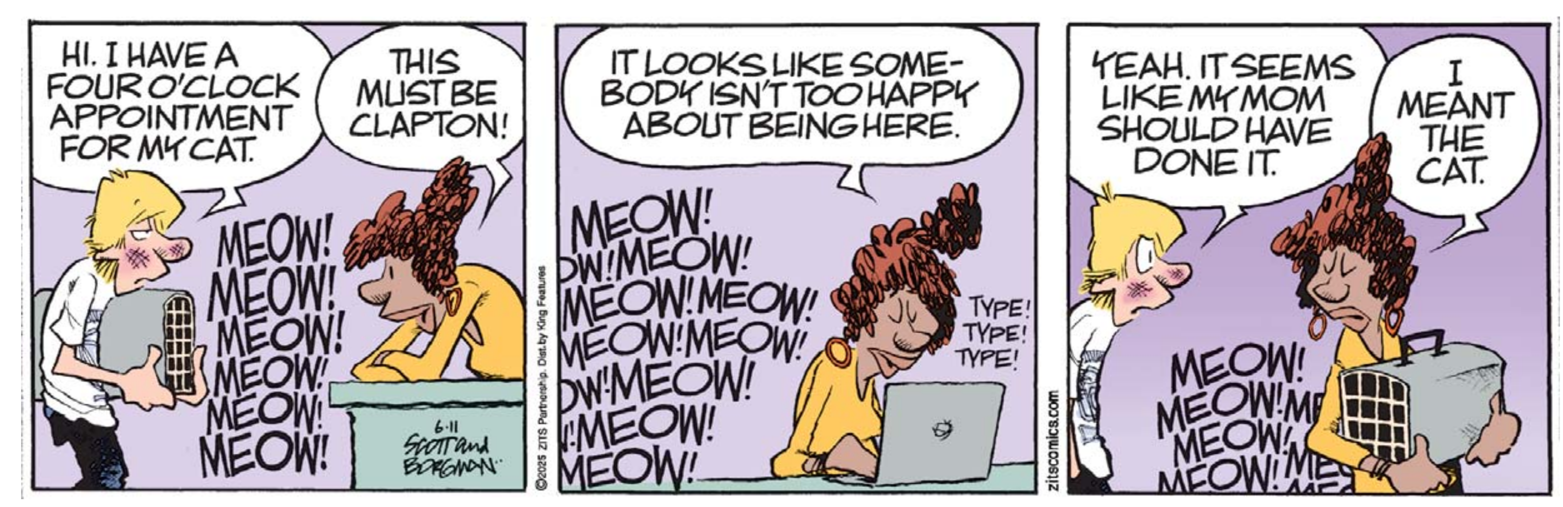

सड़कों पर घटिया सड़कें बनाये जाने की शिकायत पर फिर जांच शुरु

सार्वजनिक निर्माण विभाग के दो अधिकारी बोरावड़ पहुंचे और सड़कों की नाप ली

मकराना, (निसं)। प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सड़कों पर सड़कें नहीं बनाये जाने के निर्देश दिये जाने के बावजूद बोरावड़ में सड़कों पर सड़कें बनाये जाने का क्रम रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सड़कों पर सड़कें और वो भी घटिया निर्माण सामग्री के साथ बनाये जाने के मामले में पूर्व में जिला कलेक्टर से की गई शिकायत पर बुधवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग के दो अधिकारी बोरावड़ पहुंचे। उनके साथ शिकायतकर्ता राजेन्द्र खर्रा सहित स्थानीय नगरपालिका के जेईएन नरेन्द्र सारस्वत तथा ठेकेदार के प्रतिनिधि जांच के दौरान उपस्थित रहे। जांच अधिकारियों द्वारा सड़कों के नाप लिये जाने पर बोथरा बास, हवाई अड्डा से सरावगी मोहल्ला होते हुए अग्रवाल मेडिकल तक, रानाबाई टेंट हाऊस के सामने, गाडिया लोहारों की बस्ती आदि में अनेक स्थानों पर सड़कों की मोटाई दो से तीन इंच तक ही पायी गई। अनेक स्थानों पर सड़कें बनने के साथ ही टूट जाने की स्थिति भी देखी गई। इससे पहले इस मामले में एसडीएम मकराना के आदेश पर नगर परिषद मकराना की एईएन ने भी सड़कों की जांच की थी, मगर उनके द्वारा की गई लीपापोती के बाद एक ही बरसात में घटिया सामग्री की सड़कें जगह जगह से क्षतिग्रस्त हो गई है। अब जांच एजेंसी के बदलने के बाद एक बार फिर जनता की नजर निष्पक्ष जांच की ओर है।

सड़कों की जांच के लिये सार्वजनिक निर्माण विभाग के दो अधिकारी बोरावड़ पहुंचे। इस दौरान शिकायतकर्ता राजेन्द्र खर्रा सहित पालिका के जेईएन नरेन्द्र सारस्वत उपस्थित रहे।

मामले के अनुसार बोरावड़ निवासी राजेन्द्र खर्रा सहित रतनाराम, ओमसिंह, चेतन सोनी व अन्य लोगों ने संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त शिकायत जिला कलेक्टर डीडवाना-कुचामन तथा उपखण्ड अधिकारी मकराना अुशंल सिंह को प्रेषित कर ठेकेदार द्वारा बिना पीसीसी किए पुरानी सीसी सड़कों पर ही बिना मापदण्ड एवं घटिया सामग्री से सड़कों के निर्माण के आरोप लगाते हुए ग्यारह सड़कों के निर्माण की थर्ड पार्टी जांच करवाने तथा गुणवत्ता की जांच होने तक सड़कों के निमार्ण कार्य का भुगतान रोके जाने की गुहार की।

उन्होंने शिकायत के माध्यम से जिला कलेक्टर को अवगत कराया कि शहर में सात पुरानी व खराब हो रखी सड़कों को तोड़कर पहले पीसीसी की जाती है, उसके बाद सीसी सड़क का निर्माण किया जाना था, जबकि 25 लाख की लागत से बनने वाली विभिन्न स्थानों की सड़कों को एक ही स्थान पर एक ही वार्ड नंबर 21 में खर्च कर दिया गया जो कि पार्षदों के साथ भेदभाव है, उस सड़क में जो सीमेंट की मात्रा होनी चाहिए, वह नहीं डाली गई तथा 2 इंच पीसीसी करके ऊपर सीसी का वर्क कर दिया गया। शिकायत में बताया गया है कि बोरावड़ के वार्ड नंबर 20 में 2 इंच पीसीसी डालकर सीसी घटिया सामग्री कम मात्रा में सीमेंट डालकर सड़क बना दी गई, इसी प्रकार बोथरा बास, मुथा बास में पीसीसी भी नहीं करते हुए सीधा सीसी डालकर कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि अग्रवाल मेडिकल स्टोर से हवाई अड्डा पॉइंट तक बनने वाली सड़क को बिना तोड़फोड़ करके बिना पीसीसी किये 4 इंच सीसी डालकर लीपापोती की गई। उन्होंने पालिका प्रशासन व ठेकेदार पर फंड का जमकर दुरुपयोग किये जाने का आरोप लगाते हुए बताया कि बोरावड़ में लम्बे समय के इंतजार के बाद सड़कों के निर्माण में भारी अनियमितताएं बरतने से स्थानीय जनता में रोष व्याप्त है।

सूने मकान में हुई चोरी का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सूने घर से चोरी करने वाले चार चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरों के पास से चोरी किए गए कूलर, गैस सिलेंडर, कूलर मोटर बरामद किए हैं। यह सफलता थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में मिली है।

- **पुलिस ने चोरों के पास से चोरी किए गए कूलर, गैस सिलेंडर, कूलर मोटर बरामद की**

राजन दुष्यंत उप महानिरीक्षक पुलिस सह जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्तमान में संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन एवं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन व विराटनगर थाना प्रभारी विराटनगर सोहनलाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए प्रकरण में मुल्जिमों की तलाश की गई। घटना क्षेत्र के आसपास व संभावित स्थानों के सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए पुलिस ने अज्ञात बदमाशों की तलाश की जाकर कूलर, गैस सिलैंडर, कूलर मोटर चोरी की घटना का पर्दाफाश किया। पुलिस ने अजय हरिजन पुत्र ज्ञानचंद निवासी वार्ड नं. 25 विराटनगर, भूपेंद्र कुमार उर्फ मनोज सैनी पुत्र रामस्वरूप निवासी वार्ड नं. 23 झालरा की ढाणी विराटनगर को गिरफ्तार किया, जिन्होंने चोरी के बाद चोरी का माल बाबूलाल, महेश को बेचना बताया, जिस पर बाबूलाल पुत्र फूलचंद बीजाला की ढाणी विराटनगर, महेश कुमार पुत्र किशोरी लाल निवासी वार्ड नं. 18 किले के पास विराटनगर को गिरफ्तार कर चोरी का खरीदा माल कूलर, गैस सिलैंडर, कूलर मोटर बरामद की। वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत ने बताया कि 12 जुलाई को जोगेश कुमार पुत्र प्रभुदयाल अग्रवाल ने मामला दर्ज करवाया था कि रात्रि में अज्ञात चोर मेरे पुस्तैनी ने मकान से कूलर, गैस सिलैंडर, कूलर मोटर चोरी कर ले गए।

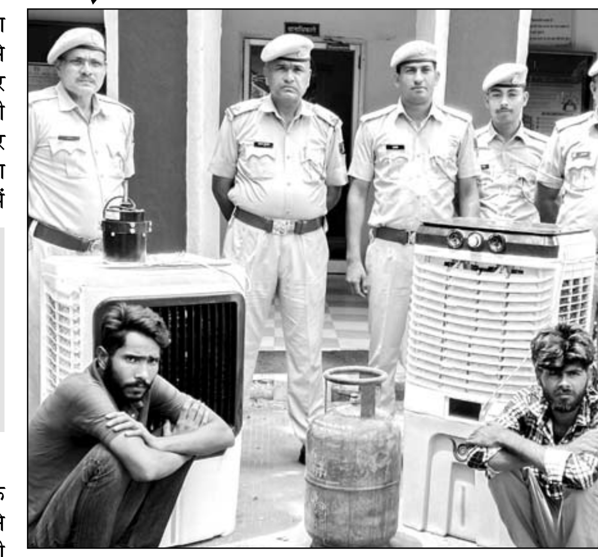

पुलिस ने चोरी का माल सहित आरोपियों को गिरफ्तार किया।

ग्राम पंचायत मांकड़ी मे अंतिम यात्रा गहरे पानी से गुजरी, लोगों में रोष

पाटन, (निसं)। जल भराव की समस्या जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी-यह कहावत उस समय साकार हो गई, जब ग्राम पंचायत मांकड़ी की ढाणी साधुवाला निवासी सुरेश सैनी की पत्नी लीलावती की अंतिम यात्रा रेलवे ट्रैक के अधीनस्थ अंडरपास से गुजरी, जिसमें लगभग दो से तीन फीट गहरा पानी भरा हुआ था। अंतिम संस्कार के इस भावुक क्षण में ग्रामीणों को शव यात्रा के साथ पानी में उतरना पड़ा। सैकड़ों लोग इस जलमग्न रास्ते से गुजरते हुए प्रशासनिक अनदेखी के खिलाफ आक्रोशित नजर आए।

स्थानीय युवा हवासिंह मांकड़ी ने बताया कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में तीन अंडरपास हैं, जो वर्षा ऋतु में पूरी तरह जलमग्न हो जाते हैं। इनसे प्रतिदिन सैकड़ों लोगों की आवाजाही होती है, लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन की ओर से कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। हवासिंह ने बताया कि पंचायत क्षेत्र बीते पांच वर्षों से राजनीतिक उपेक्षा का शिकार रहा है। जनप्रतिनिधि चुनावों के बाद जनता की समस्याओं से मुंह मोड़ लेते हैं और राजनीतिक मेहमाननवाजी में व्यस्त रहते हैं। वर्तमान में पंचायत के सरपंच (जो प्रशासक के रूप में कार्यरत थे) को निलंबित कर दिया गया है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतने दिन बीत जाने के बावजूद अब तक किसी नए प्रशासक या प्रतिनिधि को चार्ज नहीं सौंपा गया है।

सैकड़ों लोग जलमग्न रास्ते से गुजरते हुए प्रशासनिक अनदेखी के खिलाफ आक्रोशित नजर आए।

- **अंतिम यात्रा रेलवे ट्रैक के अधीनस्थ अंडरपास से गुजरी, जिसमें लगभग दो से तीन फीट गहरा पानी भरा हुआ था**

गांव के लोगों का कहना है कि नालियों की सफाई नहीं होती, अंडरपास की नियमित निकासी व्यवस्था नहीं है और न ही जल निकासी की कोई ठोस योजना बनाई गई है। नतीजतन, बारिश के दिनों में आमजन से लेकर शव यात्राओं तक को जलमग्न रास्तों से गुजरना पड़ता है। हवासिंह मांकड़ी ने शासन और प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायत की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए, अन्यथा क्षेत्र की जनता आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

परीक्षा केन्द्र बनवाने व परिवर्तन के लिए 31 तक आवेदन

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा वर्ष 2026 के लिए परीक्षा केन्द्र बनाने अथवा अपने विद्यालय का परीक्षा केन्द्र परिवर्तन कराने के इच्छुक विद्यालयों से 31 जुलाई तक आवेदन पत्र संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) मुख्यालय के माध्यम से आमंत्रित किए गए है। सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि 10 किलोमीटर से अधिक दूरी पर आवंटित परीक्षा केन्द्र वाले विद्यालय भी निकटतम परीक्षा केन्द्रों का विकल्प देते हुए केन्द्र परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप परीक्षा केन्द्रों पर स्थान उपलब्धता के आधार पर केन्द्र परिवर्तन अथवा नया परीक्षा केन्द्र बनाने पर विचार किया जाएगा। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। सभी जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) मुख्यालय प्राप्त आवेदन पत्रों के संबंध में उचित प्रस्ताव तैयार कर मेल करें।

स्मार्ट मीटर लगाने के खिलाफ आक्रोश

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) और अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी रतनगढ़ ने स्मार्ट मीटर के खिलाफ आक्रोश रैली निकालकर प्रदर्शन किया। 'राज्य सरकार होश में आओ, स्मार्ट मीटर नहीं चलेगा' जैसे नारे लगाते हुए निकाली गई रैली को कांग्रेस पार्टी ने भी समर्थन दिया। किसान सभा के अध्यक्ष मदनलाल जाखड़, राजलदेसर अध्यक्ष भादर भामू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चंद्र इंदौरिया के नेतृत्व में हुए आंदोलन में पूरे परिक्षेत्र से सैकड़ों की संख्या में किसान शामिल हुए।

स्मार्ट मीटर लगाने के खिलाफ लोगों ने प्रदर्शन किया।

संयोजक रामकिशन भामू ने बताया कि किसान मजदूर भवन में हुई सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पहले से घरों में डिजिटल मीटर लगे हुए हैं, उसमें कोई खराबी नहीं है, उसके बावजूद स्मार्ट मीटर के नाम पर लूट का खेल जारी है। किसान सभा के बिरजू खीचड़, बिशन लाल रूलानिया, भादरसिंह राठौड़, रामकिशन भामू, मनीष जाखड़, कांग्रेस के कल्याण सिंह, मोहम्मद अनवर कुरैशी, किसान सभा के हनुमान ढाका, लेखूराम, देवाराम ढाका, नौरंग सारण, विनोद सिंह राठौड़, खींवाराम ख्यालिया, हनुमान मुहाल ने संबोधित करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर बिजली विभाग को निजी हाथों में सौंपने की साजिश है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि फसल बीमा क्लेम खरीफ 2023 अभी बकाया पड़ा है, फसल का उचित भाव किसान को नहीं मिल रहा है, सौर ऊर्जा टावर खेतों में लगाए जा रहे हैं जिसका मुआवजा नहीं दिया जा रहा है, ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल टंकियों की सफाई नहीं की जा रही है, गांवों में सामूहिक सरकार द्वारा लगाए गए आरओ लगभग सभी गांवों में खराब पड़े हैं। इन सभी मुद्दों को लेकर किसानों में जबरदस्त आक्रोश है, अगर वक्त रहते किसानों की सभी मांगों का उचित समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा जिसका सरकार को गंभीर परिणाम भुगतना होगा। इस अवसर पर इदरिस, मनोज गुर्जर, शफीक मोहम्मद, लियाकत अली, ओंकारमल सैनी, बीरबल राम चाहर, रामगोपाल शर्मा, पूनमचंद जाखड़, भागीरथसिंह, नदीम, विजय भामु, हरिराम, खुमाराम सहित सैकड़ों की संख्या में किसान उपस्थित थे।

चोरी की आरोपी महिला गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने ज्वैलर्स की दुकान से पायल चोरी के मामले में कार्यवाही करते हुए महिला आरोपी पिंकी (24) को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 25 जनवरी को फरियादी चेतन कुमार ने गुमानपुरा थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि चेतन ज्वैलर्स के नाम से शारदा चौक छावनी में उसकी ज्वैलर्स की दुकान है। रिपोर्ट में कहा कि कुछ महिलाएं उसकी दुकान पर पायल खरीदने के लिये आई और पायल दिखाते समय उससे नजर चुराकर दो जोड़ी पायल चुरा कर ले गई और बिना कुछ खरीदे महिलाएं चली गई। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि जब पायल वापस जमाने लगा तब दो जोड़ी पायल गायब मिली।

15 पाताल तोड़ कुओं से जल जमाव से निजात

बीकानेर, (निसं)। नगर निगम और बीकानेर विकास प्राधिकरण की ओर से शहर के 15 जगह खोदे गए भूजल रिचार्ज वाले कुएं जलभराव वाले इलाकों का आधा पानी खींच रहे हैं। यही वजह है कि जो पानी 8 से 10 घंटे तक भरा रहता था वो पानी अब चार से छह घंटे में निकल रहा है। निगम इस बारिश में जमीन के अंदर पानी जाने के बाद भूजल विभाग से पोस्ट मानसून रिपोर्ट लेकर पता लगाएगा कि इससे कितना पानी रिचार्ज हुआ, अगर रिपोर्ट पॉजिटिव आई तो अगले मानसून से पहले शहर में करीब एक दर्जन से ज्यादा कुएं और खोदे जाएंगे।

- **जो पानी 8 से 10 घंटे तक भरा रहता था, वो पानी अब चार से छह घंटे में निकल रहा है**

दरअसल पूरे राजस्थान में सबसे निचले स्तर पर पानी बीकानेर में ही है। सबसे ज्यादा जलभराव भी बीकानेर में ही है। सूरसागर से लेकर कीर्ति स्तंभ चौराहा, श्रीगंगानगर चौराह, गजनेर रोड, वल्लभगार्डन, खुदखुदा, कालीमाता मंदिर के पास, कलेक्ट्रेट समेत शहर में 29 ऐसे केन्द्र हैं जहां बारिश में तालाब जैसे हालात होते हैं। मानसून से पहले निगम और बीडीए ने 8-8 पातालतोड़ कुएं बनाने शुरू किए। मानसून शुरू होने से पहले 16 में से 15 कुएं शुरू हो गए। बीकानेर में सबसे बड़ी बारिश सावन के पहले दिन 62 एमएम हुई थी। 2024 में भी बड़ी बारिश हुई थी लेकिन पानी निकलने में करीब 8 घंटे लग गए थे, मगर इस साल पानी 4 से 6 घंटे में निकल गया था। सड़क के निचले हिस्सों में जहां चारों तरफ ऊंचाई रही वहीं भरा रहा। इसलिए निगम का ये दावा सही है कि कुओं से पानी खिंच रहा है। हालांकि एक कुआं अभी बनना बाकी भी है। कलेक्ट्रेट परिसर में भी पिछले साल की बारिश में 12 घंटे तक पानी नहीं निकला था मगर इस साल चार घंटे में पानी कम हो गया।

नीमकाथाना व पाटन का वन क्षेत्र अवैध खनन की चपेट में

पाटन, (निसं)। सीकर जिले का सबसे बड़ा वन क्षेत्र पाटन व नीमकाथाना रेंज, जो कि हरियाणा सीमा से सटा हुआ है, लंबे समय से अवैध खनन और वन विनाश की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। खासतौर पर राजस्व ग्राम स्यालोदड़ा स्थित चिड़ीमार पहाड़ (खसरा नंबर 72) और लादीकाबास पर लगातार हो रहे खनन ने पूरे क्षेत्र के पर्यावरण संतुलन को खतरे में डाल दिया है। पाटन रेंज, जो कि अरावली पर्वतमाला का एक हिस्सा है, वर्षों से हरियाणा की सीमा से लगे होने के कारण बाहरी खनन माफियाओं के निशाने पर रहा है। यहां वन विभाग के पास ना तो पर्याप्त कर्मचारी हैं और ना ही संसाधन, जिससे क्षेत्र में हो रहे अवैध खनन को रोकना लगभग असंभव बनता जा रहा है।

- **पाटन रेंज में कर्मचारियों व संसाधनों का भारी अभाव, जबकि नीमकाथाना रेंज की हालत भी ऐसी ही है**
- **इन कर्मचारियों के पास न तो पर्याप्त वाहन हैं, न वायरलेस संचार की सुविधा और न ही गश्त के लिए पर्याप्त सुरक्षा है**

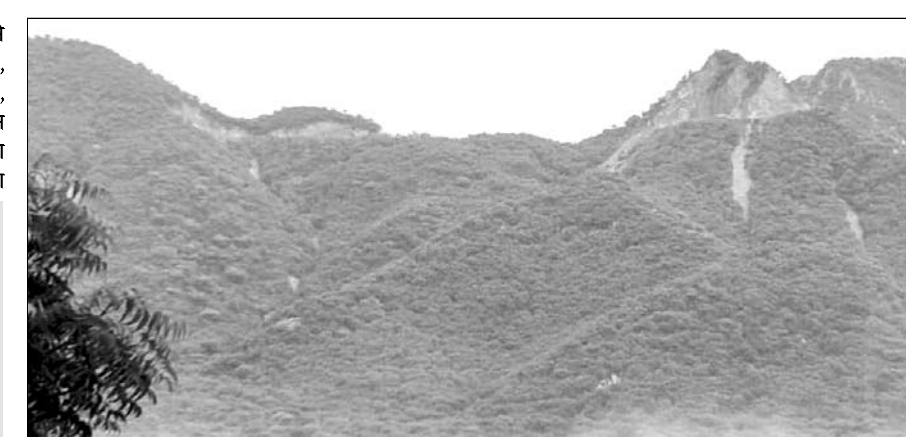

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने र

पाटन रेंज जैसे बड़े व संवेदनशील वन क्षेत्र में सिर्फ 7 से 8 वनकर्मी कार्यरत हैं, जबकि नीमकाथाना रेंज की हालत भी कुछ अलग नहीं है। इन कर्मचारियों के पास न तो पर्याप्त वाहन हैं, न वायरलेस संचार की सुविधा और न ही गश्त के लिए पर्याप्त सुरक्षा। जबकि दूसरी ओर, सीकर जिला मुख्यालय, जहां वन क्षेत्र बहुत कम है, वहां 60 से अधिक कर्मचारी और भरपूर साधन उपलब्ध हैं।

स्थानीय ग्रामीणों व पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि चिड़ीमार पहाड़ अब लगभग समाप्ति की कगार पर है। यहां न केवल पत्थरों का अवैध खनन जारी है, बल्कि इसके कारण घने जंगल उजड़ रहे हैं, जंगली जीवों का प्राकृतिक आवास खत्म हो रहा है और क्षेत्र का पारिस्थितिकी तंत्र चरमरा रहा है। स्थानीय लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पर्यावरणविदों की एकजुट मांग है कि पाटन व नीमकाथाना रेंज में तत्काल अतिरिक्त कर्मचारी नियुक्त किए जाएं, सीकर मुख्यालय से अतिरिक्त संसाधन और कर्मचारी इन संवेदनशील क्षेत्रों में स्थानांतरित किए जाएं, बॉर्डर क्षेत्र पर निगरानी और सुरक्षा के लिए मोबाइल गश्त दल, वायरलेस संचार, ड्रोन आदि की व्यवस्था की जाए,अवैध खनन पर कठोर कार्रवाई हो और दोषियों को दंडित किया जाए।यदि यह मांगें शीघ्र पूरी नहीं की गईं, तो आने वाले कुछ वर्षों में पाटन रेंज का पूरा वन क्षेत्र इतिहास बन सकता है।

बुजुर्ग दंपती की हत्या मामले में चौथा आरोपी गिरफ्तार

आरोपी का बेटा पहले पकड़ा जा चुका है, दो फरार

बीकानेर, (निसं)। मुक्ता प्रसाद नगर थाना क्षेत्र में बुजुर्ग पति-पत्नी की हत्या मामले में अब एक और गिरफ्तारी हो गई है। आरोपी का बेटा पहले ही पकड़ा जा चुका है। अब तक पिता-पुत्र सहित चार को पकड़ा है। मामले में दो जने फरार है। दो आरोपियों को रिमांड पर लिया गया है। महिला आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सौरभ तिवाड़ी ने बताया कि बुजुर्ग दम्पती गोपाल वर्मा और निर्मला वर्मा की हत्या के मामले में अब विजय बंसल को गिरफ्तार किया है। विजय बंसल पहले से गिरफ्तार रोहित बंसल का पिता है। हत्या के समय वो भी इस गैंग में शामिल था। हत्या के बाद लूटे गए जेवर और नगदी लेकर फरार होने वालों में विजय बंसल भी शामिल था। उसे उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी दह जने प्री-प्लान तरीके से दम्पती के घर पहुंचे थे। यूपी से आए लोगों ने अपनी कार को श्रीडूंगरगढ़ में ही खड़ा कर दिया था। वहां ईशु नामक एक शख्स को खड़ा कर दिया था। उससे कार की लोकेशन मंगवाई। बीकानेर से एक कार किराए पर करके लोकेशन के आधार पर इशु के पास पहुंच गए, जहां से गाजियाबाद भाग गए। पुलिस अभी इस मामले में कर्मवरी और सुमित की तलाश कर रही है। कर्मवीर हत्याकांड में शामिल महिला आरोपी प्रिया सिसोदिया का पिता है। उसी की भूमिका इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा संदिग्ध मानी जा रही है। उसी ने स्वयं को तांत्रिक बताते हुए वर्मा दम्पती से संपर्क बनाकर रखा था।

डीडवाना में आवारा श्वान ने दो दर्जन लोगों को काटा

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना शहर में एक आवारा श्वान (कुत्ते) ने सोमवार शाम को कोहराम मचा दिया। अजमेरी गेट से लेकर भगत सिंह सर्किल, नागौरी गेट, बस स्टैंड, फव्वारा सर्किल और नागौर रोड जैसे प्रमुख इलाकों में इस श्वान ने राह चलते लोगों पर हमला कर दिया। करीब दो दर्जन से अधिक लोगों को उसने काटकर घायल कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह कुत्ता लगातार अलग-अलग स्थानों पर दौड़ते हुए लोगों पर झपट रहा था। अधिकतर पीड़ित आम नागरिक, छात्र और बाजार में खरीदारी कर रहे लोग थे, जिन पर अचानक हमला हुआ। बिना किसी उकसावे के हुए इन हमलों से लोग बुरी तरह घबरा गए। घायलों को तुरंत राजकीय जिला चिकित्सालय डीडवाना लाया गया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है। पीएमओ डॉ. अजीत सिंह ने बताया कि सभी घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर है। ज्यादातर को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। श्वान के काटने के मामलों को देखते हुए अस्पताल में त्वरित चिकित्सा व्यवस्था की गई।

डॉ. सिंह ने जानकारी दी कि शाम का समय होने के बावजूद अस्पताल प्रशासन ने तत्परता दिखाई। चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ को आपात स्थिति में बुलाया गया और सभी घायलों को एंटी रेबीज इंजेक्शन व दवाएं उपलब्ध करवाई। पीएमओ ने यह भी स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर अस्पताल में दवाओं की कमी और उपचार में लापरवाही जैसी अफवाहें फैल रही हैं, जो भ्रामक और निराधार हैं। अस्पताल में सभी आवश्यक दवाओं और इंजेक्शनों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। शहर में इस प्रकार की घटना के बाद नगर परिषद और पशुपालन विभाग की लापरवाही पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि शहर में आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित किया जाए और ऐसे हमलावर श्वानों को जल्द पकड़ा जाए।

जानलेवा हमले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने इलाके के नोर्दन बाईपास पर व्यक्ति के उपर हुए जानलेवा हमले के मामले में कार्यवाही करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 30 दिसम्बर 2024 को फरियादी सुरेश कुशवाह ने रेलवे कॉलोनी थाने में रिपोर्ट दी थी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा था कि वह नोर्दन बाईपास पर निवास करता है उसके पास दो जने आये और उससे मोबाइल मांगा। नहीं देने पर अपशब्द कहने लगे। उसी दौरान समझाइश कराने के लिये अनिल केवट आया। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उस समय तो मामला शांत हो गया लेकिन दो घंटे बाद आठ-दस जने हथियार लेकर आये और उससे व उसके परिवार के लोगों से मारपीट कर जानलेवा हमला किया। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया। मामले में आरोंपियों की गिरफ्तारी के लिये रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने तकनीकी व मुखबीर की सहायता से कार्यवाही करते हुए भदाना निवासी भोले केवट (24) को भदाना से डिटेन कर पूछताछ के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने इस मामले में पूर्व में नयानोहरा निवासी धर्मराज (27) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया है। पकड़े गये आरोपी भोले केवट से अनुसंधान जारी है।

'सांसद परिवादों को अधिकारी गंभीरता से ले : कलेक्टर किशोर कुमार

खैरथल। जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, अधीक्षण अभियंता पीएचईडी धर्मवीर यादव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अरविंद गेट, अधीक्षण अभियंता बिजली विभाग जेपी बैरवा, नगर परिषद कनिष्क अभियंता मोतीलाल वर्मा, सार्वजनिक निर्माण विभाग, महिला एवं बाल विकास, पुलिस, राजीविका, बिजली, कृषि, वन, शिक्षा, सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक लेते हुए जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने अधिकारियों को सांसद परिवादों को गंभीरता से लेकर उनका अंतिम समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और कहा केवल अंतरिम जवाब भेजने तक सीमित न रहते हुए की गई कार्यवाही का फॉलोअप करते हुए परिवाद का पूर्ण निस्तारण कर रिपोर्ट भेजी जाए, ताकि सुशासन की भावना को मूर्त रूप दिया जा सके।

उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान कर उनके स्थायी समाधान के लिए की गई कार्यवाही की जानकारी कार्यालय को भिजवाई जाए। साथ ही सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि वे अपने स्तर पर साप्ताहिक अथवा पाक्षिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित करें तथा उन बैठकों में लिए गए निर्णयों को निचले स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाएं, जिससे संपूर्ण प्रशासनिक तंत्र अधिक दक्षता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर सके। बैठक में जिला कलेक्टर ने हरियाली तीज के अवसर पर जिलेभर में आयोजित होने वाले वृक्षारोपण अभियान की तैयारी को लेकर संबंधित सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पौधरोपण स्थल (उद्यान/ओपन स्पेस) चिन्हित कर वृक्षारोपण सुनिश्चित करने होंगे। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि पौधे ऐसे स्थानों पर लगाए जाएं जहाँ उन्हें नियमित रूप से सिंचाई, देखरेख और सुरक्षा मिल सके, ताकि वृक्षारोपण केवल औपचारिकता न रहकर

खैरथल जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक पहल साबित हो। जिला कलेक्टर ने संपर्क पोर्टल पर लंबित चल रहे परिवादों का समय पर निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाने एवं एवरेज डिस्पोजल टाइम में सुधार करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर विभागवार पेंडेंसी की समीक्षा करते हुए 30 दिवस से ऊपर लंबित परिवादों को निस्तारित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीएमएचओ को निर्देशित किया कि मौसम में बदलाव को देखते हुए मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए उपयुक्त उपाय सुनिश्चित करें। बीमारियों की रोकथाम की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए अस्पतालों में सुविधाऐं बढाई जाए तथा प्रत्येक मरीजों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाए। जिला कलेक्टर ने वर्षा के दौरान आमजन को बिजली के पोलों से दूर रहने एवं वर्षा के दौरान नदी, तालाब, जोहड पर जाकर पिकनिक न मनाने तथा

- **समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए अधिकारियों को बिजली पानी चिकित्सा सहित अन्य आवश्यक कार्यों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश**

ऐसे स्थानों पर न जाकर सावधानी बरतने की अपील करते हुए संबंधित अधिकारियों को गहरे जोहड़ सहित अन्य गहरे जल भराव क्षेत्रों पर चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए। वर्षा के कारण कोई घटना या समस्या उत्पन्न होने पर जिला बाढ़ नियंत्रण कक्ष टेलीफोन नंबर 01460298205 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ नियंत्रण कक्ष में नागरिक सुरक्षा कार्मिकों की ड्यूटी लगाई गई है जो 24 7 नियंत्रण कक्ष में वर्षा एवं जल भराव से हुई कोई आपदा से निपटने हेतू मौजूद रहेंगे। इसी प्रकार विद्युत विभाग द्वारा भी कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है जिसमें आमजन बिजली से संबंधित शिकायत टेलीफोन नंबर 01493222845 पर दर्ज करवा सकते हैं।

रुपये एकत्रित

कोटपूतली। यादव महासभा कोटपूतली के अध्यक्ष रामावतार यादव ने ग्राम छारदड़ा व देवता के प्रबुद्धजनों के साथ समाज के लोगों से सम्पर्क कर श्री कृष्ण छात्रावास के निर्माण, विकास एवं गरीब-असहाय बालिकाओं के सहायतार्थ एक दिन में 03 लाख 11 हजार रुपये एकत्रित किये। इससे पूर्व विगत 04 जुलाई को भी 04 लाख 51 हजार रूपये एकत्रित किये थे। सोमवार को भामाशाह सूबेदार बिल्लू सिंह पुत्र गणपत सिंह छारदडा, रामनिवास यादव डिप्टी पुत्र हरदयाल सिंह छारदड़ा, रामावतार यादव पुत्र गिरधारी लाल देवता, हव. जगदीश यादव पुत्र रामजीलाल देवता ने क्रमश : 51-51 हजार व सुभाष यादव पुत्र सुल्तान सिंह देवता, भीमसिंह फोरेस्टर पुत्र मानसिंह यादव छारदड़ा, राजू पुत्र मनीराम यादव छारदड़ा ने क्रमश : 21-21 हजार एवं बलबीर पुत्र नन्दराम यादव देवता ने क्रमश : 11-11 हजार रूपये का सहयोग किया।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक - 5543 दिनांक :- 15/07/25
जाहिर आम-सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना मे आवास/फ्लैट संख्या 32/105 (LIG) का आवंटन श्री लादू राम बुढ़निया पुत्र श्री खमाराम बुढ़निया को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1066 दिनांक 19.02.1992 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र क्रमांक 7403 दिनांक 15-02-2007 के द्वारा श्रीमती ज्योति शर्मा पत्नी श्री कैलाश चन्द शर्मा के पक्ष मे किया गया। उनके पक्ष मे पंजीयन पत्रो निष्पादन दिनांक 21.05.2008 को उप पंजीयक (चतुर्थ) जयपुर के यहा पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती ज्योति शर्मा की मृत्यु दिनांक 26.05.2021 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री अजय शर्मा पुत्र श्री कैलाश चन्द शर्मा द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम रजिस्टर्ड हक त्याग के आधार पर मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपति नही है, श्री अजय शर्मा पुत्र श्री कैलाश चन्द शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय
सम्पदा प्रबन्धक, वृत - प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय उपायुक्त सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर हैरिटेज
क्रमांक-एफ-56( )सि.ला.जो./उपा./ननिजाहै/2025/1035 दिनांक-18/7/25
अनापत्ति आमंत्रण सूचना भूखण्ड संख्या 04 सूरज नगर पूर्व जयपुर का पट्टा क्षेत्रफल 200 व.ग. का श्रीमती रामप्यारी को किया गया है, श्रीमती रामप्यारी ने उक्त भूखण्ड को अशोक व अन्ना को बेचान कर दिया है अशोक व अन्ना ने उक्त भूखण्ड को सत्यकर्म को बेचान कर दिया है विक्रय पत्र शपथ पत्र के आधार पर उक्त भूखण्ड का क्षेत्रफल 200 व.ग. का नाम हस्तानान्तरण सत्यकर्म के नाम से जारी किया जाना है। किसी संस्था, फर्म, कम्पनी व किसी भी व्यक्ति को इस नाम हस्तानान्तरण बाबत में आपत्ति के प्रकाशन तिथी से 07 दिवस के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा की किसी व्यक्ति संस्था, फर्म को कोई आक्षेप नहीं है। और मामले का तदनुसार निपटारा किया जाएगा।
उपायुक्त, सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5वी व 6वीं मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone: 0141-2741805 Email: rsehfjaipur@yahoo.com
क्रमांक-97/25 दिनांक- 16.07.2025
आम सूचना संघ की आवासीय योजना कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड, जयपुर का भवन संख्या-1-छ-10 श्रीमती शालिनी शर्मा को आवंटित किया गया था, जिसे जरिये इकरारनामा श्री रघुवंश बिहारी माथुर पुत्र श्री श्यामबिहारी माथुर को विक्रय किये जाने पर श्री माथुर के नाम दिनांक 17.08.1999 को ट्रांसफर कर कन्वेन्स डीड एवं परपेच्युअल लीज जारी कर रजिस्ट्री करवा दी गई थी। श्री रघुवंश बिहारी माथुर की मृत्यु उपरान्त उनके वारिसान श्री अंतरिक्ष माथुर सुश्री अनुश्री माथुर एवं श्री संजय माथुर द्वारा उनकी माता श्रीमती अवन्तिका माथुर के पक्ष में हक त्याग किये जाने के उपरान्त विक्रय पत्र द्वारा श्री गणेश वैष्णव को दिनांक 28.02.2011 को तथा श्री वैष्णव द्वारा दिनांक 26.12.2014 को श्री अंकित जैन को विक्रय किया गया। तत्पश्चात श्री अंकित जन द्वारा उनके पिता श्री आनन्दराज जैन को उनकी मुख्तयारनामा दिनांक 17.11.2023 को रजिस्टर्ड करवाया गया। उक्त भवन को श्री अंकित जैन के आम मुख्तयारनामा की हैसियत श्री आनन्दराज जैन से श्रीमती पल्लवी कुमारी पत्नि श्री अमित बेनीवाल द्वारा दिनांक 04.02.2024 को क्रय कर उनके नाम ट्रांसफर करने हेतु निवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त भवन के हस्तान्तरण पर आपत्ति हो तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा भवन सं. 1-छ-10, कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड, जयपुर को श्रीमती पल्लवी कुमारी पत्नि श्री अमित बेनीवाल के नाम हस्तान्तरण कर दिया जावेगा।
(योगेश शर्मा) प्रबन्ध निदेशक
राजस्थान राज्य सहकारी, आवासन संघ लि., जयपुर

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम कुश नाटाणी से बदलकर रिहान नाटाणी (RIHAAN NATANI) रख लिया है। भविष्य में मुझे मेरे नये नाम रिहान नाटाणी (RIHAAN NATANI) पुत्र श्री रितेश नाटाणी RITESH NATANI के नाम से जाना जावे। निवासी 113 हरि मार्ग, राज भवन रोड, सिविल लाईन्स, जयपुर, राजस्थान

मैं सुनील कुमार आर्मी नं JC-NYA 15707976L rank NB SUB. निवासी ढाणी तेतरवालों की, वी.पी.ओ. सिरोही तह. नीमकाथाना सीकर राज. भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए मेरे सेवा रिकार्ड में मेरी माताजी का नाम सजना देवी से बदलकर सजना और जन्मतिथि 10.11.1968 से 01.01.1968 कर दिया है।

मैं पूजा कुमारी पत्नी आर्मी नं JC-NYA 15707976L rank NB SUB. सुनील कुमार निवासी ढाणी तेतरवालों की, वी.पी.ओ. सिरोही तह. नीमकाथाना सीकर राजस्थान ने भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए अपने पति के सेवा रिकार्ड में अपना नाम पूजा देवी से बदलकर पूजा कुमारी कर लिया है।

मैंने मेरा नाम अमीत कुमार अग्रवाल से बदलकर अमीत अग्रवाल रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। अमीत अग्रवाल 22, 23, 24 जगन विहार जगतपुरा, जयपुर

मै गौरवी वर्मा पत्नी सेना नं. 15212946-पी हवलदार (टी.ए.) सत्यदेव गांव रूसिया, पोस्ट डिघरूवा तहसील बिन्दकी, जिला फतेहपुर राज्य उत्तर प्रदेश पिन-212657 मेरे पति के सेवा अभिलेख में मेरा नाम गौरवी (Gauravi Verma) दर्ज है जबकि मेरा सही नाम गौरवी वर्मा (Gaurvi Verma) है।

मैंने अपना नाम गोरधन दास से बदलकर गोरधन दास हेमनानी (GORDHAN DAS HEMNANI) पुत्र गंगाराम हेमनानी निवासी 4 THA 11, जवाहर नगर जयपुर रख लिया हे। भविष्य में मुझे गोरधन दास हेमनानी के नाम से जाना पहचाना जावें।

मैं नीता बेन पत्नी नं. 15170285W रैंक हवलदार रबारी कानजीभाई रामजीभाई रबारी वास सागयथला तारंगा हिल आर एस महेसाणा गुजरात-384325 मेरे पति के सर्विस रिकाई में मरा नाम नीता बेन गलत अंकित है सही नाम रबानी नीताबेन कानजीभाई। विजय पुनिया नोटरी पब्लिक जयपुर

I HAVE CHANGED MY NAME MAHENDRA KUMAR TO KRISHNA SUTHAR FOR ALL FUTURE PURPOSES. VILLAGE PADAVI POST SILASAN THE. RANIWARA JALORE RAJASTHAN 343049

I have changed my name from Vishnu Kumar Khandelwal S/o Hari Kishan Khandelwal to Vishnu Khandelwal S/o Hari Kishan Khandelwal for all purposes R/o 28 Sudama nagar Taruchaya nagar road Taro ki koot Tonk road Jaipur

आम सूचना मेरी मुवक्कील बैंक एक्सिस बैंक शाखा जयपुर के निर्देशानुसार हर खास व आम को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्कील बैंक द्वारा असल दस्तावेज का एक पार्सल दिनांक 02.05.2024 को जयपुर से मुम्बई शाखा को प्राप्त हुआ उक्त पार्सल में एक असल पंजीबद्ध विक्रय पत्र जो विक्रेता श्री पवन कुमार जोशी पुत्र श्री रामेश्वर प्रसाद जोशी से दिनांक 27.10.2008 को पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 600 पृष्ठ संख्या 195 क्रम संख्या 2008008257 पर चस्पा किया गया है व असल अनापत्ति प्रमाण पत्र दिनांक 31.05.2018 का जो ग्राम पंचायत थोद के द्वारा श्रीमती तारामणी देवी पत्नी श्री सुभाषचन्द्र जांगिड के नाम जारी किया गया था, जो कि वर्तमान स्वामिनी श्रीमती तारामणी देवी के नाम से था लेकिन पार्सल प्राप्त होने के उपरांत उक्त पार्सल ने उपरोक्त दस्तावेज नहीं था जो आज दिन तक ना तो मेरे मुवक्कील एक्सिस बैंक मुम्बई के पास पहुंचे है और ना ही मेरे मुवक्कील बैंक के पास वापस लौटकर आया है जिस गुमशुदगी ऑनलाईन प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या LR No.: 2832558/2025 दिनांक 17.07.2025 को दर्ज करवा दी गई है। यदि किसी व्यक्ति, सख्स, संस्था उपरोक्त दस्तावेज के आधार पर खरीद फरोख्त या बेचान इकरार करता है तो वह उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। सो सूचित रहे। किसी भी व्यक्ति सख्स संस्था को असल पार्सल मिलता है तो उसका दुरूपयोग ना कर एक्सिस बैंक एवं संबंधित पुलिस थाना में सूचित करें तथा उक्त गुमशुदगी बाबत किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर-भीतर दर्ज करवा दे बाद मियाद कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।
अश्विनी कुमार महर्षि, एडवोकेट, नवलगढ (झुंझुनूं) मो.-9414585534

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/409
चूंकि प्रार्थी श्री Avadh Bihari Sharma, AVM School Ke Samne Champeshwar Road, Ward No. 19, Chaksu, Jaipur, Rajsthan-303901 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास निस्काम सेवा संस्थान, जयपुर पिल्लर नम्बर 63, साहू मेंशन सैकण्ड फ्लोर सोडाला जयपुर के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 18.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 26.09.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 64/2025
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि मोहित शर्मा ने पंजीकृत प्रन्याय राम एण्ड अमित गुप्ता मैमोरियल ट्रस्ट सुखाडिया भवन, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 19 जयपुर 1997 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास के प्रन्यासी श्री महेश शर्मा का स्वर्गवास हो जाने तथा श्री गोविन्द गुप्ता, श्री बनवारी लाल गुप्ता द्वारा त्याग पत्र देने के कारण उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड से हटाने तथा उनके स्थान पर श्रीमती रिचा शर्मा, श्रीमती मघा शर्मा को नवीन प्रन्यासी नियुक्त कर उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 18.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 22.08.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रशासन ने लोगों को दी चेतावनी

देवली। राजस्थान सरकार के जल संसाधन संसाधन कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत 22 जुलाई मंगलवार को देवली उपखंड के बीसलपुर बांध का निरीक्षण करने पहुंचेंगे। मंत्री के निजी सहायक निर्भय कुमार गिरी से मिली जानकारी के अनुसार मंत्री रावत मंगलवार को सुबह 10 बजे बीसलपुर बांध पर पहुंचेंगे। इस दौरान मंत्री रावत बीसलपुर बांध का दूसरी बार जल, भंडारण एवं अधिशेष जल की गेटों द्वारा निकासी की समीक्षा एवं मौके की स्थिति का जायजा लेंगे। ।कार्यालय इधर बीसलपुर बांध के गेट को खोल ने की तैयारी से पूर्व बीसलपुर परियोजना के अधीक्षण अभियंता ने डाउनस्ट्रीम के लोगों को आगाह किया है।

आपत्ति नोटिस

ओमप्रकाश पुत्र नानगा गीता देवी पत्नी धर्मेन्द्र बैरवा निवासी मीनासीमला द्वारा ग्राम उदयपुरा के खसरा नंबर 731/542 रकबा 2905 वर्गमीटर भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन कराने से किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पांच दिवस में आपत्ति दर्ज करावे-तहसीलदार सिकराय

खोया पाया

मेरा 31/176 प्लॉट का अलॉटमेन्ट लैटर सांगानेर में कही गुम गया, जिस किसी को मिले देने की कृपा करे 9352839115

सूरजपोल गृह निर्माण सहकारी समिति के प्लाट नं. 39, बालाजी विहार-1, कालवाड़ के मूल दस्तावेज कहीं गिर गये है मिलने पर सूचित करें:- नीतु कॅवर धर्मपत्नी शिव सिंह 9929370691

मेरे Flat No. A/8/15, चिनाब अपार्टमेन्ट प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का मूल आवंटन पत्र व संशोधन आवंटन पत्र कहीं गुम हो गया है मिलने पर सम्पर्क करें- 9650598191

मेरा मकान सं. 84/357, प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का मूल आवंटन पत्र (184/21.04.1995) कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें- Setu Mittal- 8860048769

THE ORIGINAL DECLARATION (CERTIFICATE FOR HANDING OVER THE HOUSE) OF MY HOUSE NUMBER 32/98 PRATAP NAGAR SANGANER JAIPUR IS LOST/LOST. PLEASE INFORM ME ONCE YOU FIND THEM—NARAYAN DAS, MOBILE No. 9414072873

प्लॉट नंबर - 1, योजना मदरामपुरा कच्ची बस्ती, सांगानेर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर संपर्क करें। मांगी लाल गुर्जर, मोबाइल नंबर - 8440976684

जयपुर विकास प्राधिकरण की योजना प्लाट नं. डी/176 देव विहार जयपुर के मूल दस्तावेज आवंटन पत्र एवं जमा रसीद कहीं गुम हो गये है मिलने पर सूचित करें। सुमन देवी मो- 9950722286

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

स्मार्ट मीटर लगाए जाने का विरोध

देवली । सोमवार को यहां नगर कांग्रेस कमेटी ने स्मार्ट मीटर योजना पर रोक लगाने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री के नाम देवली उपखंड कार्यालय में ज्ञापन सौंपा है। नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ जिंदल ने ज्ञापन में बताया कि स्मार्ट मीटर योजना से आमजन को आर्थिक तौर पर कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हैं। जिसमें अत्यधिक बिलिंग, तकनीकी खामियां और गोपनीयता संबंधी, विवाद निस्तारण आदि शामिल हैं। कांठोस ने आरोप लगाया कि यहां स्मार्ट मीटर योजना के तहत मीटर परिवर्तन के लिए उपभोक्ता की अनुमति और सहमति को दर किनार किया जा रहा है । ऐसे में कंपनी के कर्मचारी द्वारा बिना किसी सूचना के अवैधानिक तरीके से स्थापित मीटर को मौके पर ही क्षितठास्त कर नया स्मार्ट मीटर लगा दिया जाता है। जो योजना का उल्लंघन है। ज्ञापन में कहा कि स्मार्ट मीटर योजना से अधिक बिल राशि आने से गरीब और बीपीएल परिवारों को गंभीर संकट उत्पन्न होगा और गोपनीयता संबंधी चिंताओं को लेकर गंभीर आपत्तियां व्यक्त की जा रही हैं। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी ने जरिय ज्ञापन मांग की है कि स्मार्ट मीटर की अनिवार्य स्थापना पर तत्काल रोक लगाई जय तथा मौजूदा शिकायतों की स्वतन्त्र जांच कराई जाए और गलत बिलों की धनवापसी सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा कांठोस नेताओं ने मांग की है कि पारम्परिक मीटर विकल्प को बनाए रखने की अनुमति दी जाए और इस योजना पर जनता के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की जाए। इस दौरान शहर अध्यक्ष सौरभ जिंदल, ब्लॉक अध्यक्ष महादेव, कुलदीप सिंह राजावत, नीरज शर्मा पूर्व अध्यक्ष मुकेश गर्ग, विनोद पुजारी, संपत राम सुवालका पूर्व सरपंच गोवर्धन मीणा, इरफान आजमी, आशाराम धाकड़, दीपेंद्र चोधरी, सत्यनारायण सरसडी, कुन्दन नथैया, शम्मी, समेत कई कांग्रेसी कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे है।

सीयूईटी, यूजी प्रवेश परीक्षा में दीपक का चयन

सीयूईटी, यूजी प्रवेश परीक्षा में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडारायसिंह के विद्यार्थी दीपक कुमार मीणा का चयन हुआ है।

टोंक। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित सीयूईटी, यूजी प्रवेश परीक्षा में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडारायसिंह के विद्यार्थी दीपक कुमार मीणा का चयन हुआ है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय में उच्च अध्ययन करने हेतु जायेगे। मीणा जो ग्रामीण परिवेश से जुडे हुए है, जिनका इस परीक्षा में चयन होना टोडारायसिंह खण्ड एवं जिले के लिए यह गौरव की बात है। इस अवसर पर स्कुल प्रधानाचार्य निपुण सक्सेना ने तिलक व दुपट्टा पहनाकर दीपक का सम्मान किया गया तथ समस्त स्टाफ ने भी दिपक को शुभकामनाएं प्रेषित की।

'युवक के सुसाइड मामले में अब तक पूरा थाना सस्पेंड हो जाना चाहिए'

अलवर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, असम के प्रभारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेन्द्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा दु:ख-सुख में शामिल हुए।

जिला प्रवक्ता रिपु दमन गुप्ता ने बताया की भंवर जितेन्द्र सिंह ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन लडक़े जी के जन्मदिन के अवसर पर राजीव गांधी पार्क में पौधारोपण किया और उनके स्वस्थ , निरोगी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

उसके पश्चात अमित सैनी सुसाइड मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा परिजनों से मुलाकात करने पहुंचे । परिजन कांग्रेस नेताओं के सामने परिजन रोने लगे। नेताओं के सामने ताई ने रोते हुए बताया- पुलिसकर्मी लाखों रुपए का लालच देकर मामले को रफा-दफा करने का दबाव बना रहे है। बार-बार थाने बुलाकर धमकाया है। मेरे बच्चे के नाबालिग दोस्त पर भी मामले को झूठा बताने को लेकर दबाव बना रहे है। यहां तक कि जो हमारा साथ देते है, उनके घर जाकर उन्हें भी धमकाते है। परिजनों ने हाथ जोडकर न्याय की मांग की।

- **थाईलैण्ड में आयोजित होगी प्रतियोगिता**

परिजनों से मिलने के बाद पूर्व मंत्री जितेंद्र सिंह ने सुसाइड नोट दिखाते हुए कहा- बडी दुख की बात है। अमित सैनी को पुलिस ने डराया-धमकाया और मारपीट की। सुसाइड नोट में नाम तक लिखे हैं। अमित पर झूठ बुलवाने के लिए दबाव डाला। पुलिस ने दोषियों पर स्नढ्ढक्र तक दर्ज नहीं की। इस मामले में लोकसभा और विधानसभा में उठाया जाएगा उन्होंने कहा मृतक के नाबालिग दोस्त को भी बालिग बनाकर अरेस्ट कर लिया। इस मामले में भी जांच कराएंगे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा की इस मामले को विधानसभा में उठाएंगे। तब सरकार को जवाब देना पडेगा।उन्होंने कहा इतना बड़ा केस हो गया। नाबालिग को बंद किया। फिर सुसाइड हो गया। निर्वस्त्र कर पीटा गया। तब भी सरकार कोई जवाब नहीं देना चाह रही। हम संविधान बचाने की बात करते हैं। अब तक थाना सस्पेंड हो जाना चाहिए। जिन पर आरोप है वे खुद ही थाने में बैठे है।

स्ट्रीट वेंडर्स ने धरना दिया

कपासन । कपासन में स्ट्रीट वेंडर्स केबिन यूनियन ने सोमवार को नगर पालिका कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया। यूनियन का विरोध पालिका द्वारा एक महीने पहले बिना सूचना के केबिन हटाए जाने को लेकर है । यूनियन अध्यक्ष भवानी शंकर लोहार ने कहा कि नगर पालिका ने बिना किसी पूर्व सूचना के केबिन हटा दिए। वेंडर्स को अब तक कोई वैकल्पिक स्थान नहीं दिया गया है। साथ ही यूनियन ने नगर पालिका बोर्ड पर भषटाचार व भू-माफियाओं और दलालों के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया । साथ ही धरने को सम्बोधित करते हुए एडवोकेट मांगी लाल बैरवा ने पालिका के खिलाफ गुलाब सागर में जलस्त्रोत में गंदा कर प्रदूषित करते हुए गुलाब सागर को नष्ट करने पर तुली करने का आरोप लगाया। यूनियन ने सात दिन की चेतावनी दी है कि यदि केबिन धारियों को जल्द उचित स्थान नहीं दिया गया तो आंदोलन उठा रूप देने की चेतावनी एडवोकेट मोहनलाल गाडरी ने कहाकि केबिन व्यवसाईयों के हर दुख दर्द में सहयोग करने का आश्वासन दिया। धरने को लीला शंकर मेघवाल, शिव शंकर उपाध्याय, अयूब खान भिस्ती, विजय बारेगामा, देवेश बारेगामा म आदि ने सम्बोधित किया।

'आमजन जल स्त्रोतों के आसपास जाने में सतर्कता बरते'

अलवर । जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में नगर निगम द्वारा शहर में वर्षा ऋतु के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पडे इसके लिए नालों के ऊपर फेरो कवर व सुरक्षा दीवार का कार्य एवं जलाशयों पर चेतावनी बोर्ड लगाए जा रहे हैं तथा जलाशयों पर सुरक्षा गार्डों की तैनाती की गई है। साथ ही निगम द्वारा बाढ राहत नियंत्राण कक्ष स्थापित किया गया है

नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि आमजन की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए निगम द्वारा सामान्य अस्पताल के सामने पुराना स्टेशन रोड, स्वर्ग रोड से मेहताब सिंह का नोहरा की ओर जाने वाले रास्ते एवं अम्बेडकर चौराहे पर स्थित नालों के ऊपर फेरो कवर लगाए गए हैं। साथ ही एसएमडी चौराहे से नंगली चौराहे की ओर जाने वाली सडक के नाले पर सुरक्षा दीवार बनाने का कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि वर्षा ऋतु में जलाशयों पर होने वाली संभावित दुर्घटना से आमजन को सावचेत करने के लिए चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं व सुरक्षा गार्डों की तैनाती की गई है। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा शहर में जल भराव की स्थिति उत्पन्न ना हो इसके लिए नालियों व नालों की नियमित रूप से सफाई की जा रही है तथा निगम के अभियन्ताओं को नियमित फील्ड विजिट कर जल भराव क्षेत्रों का चिन्हिकरण व संभावित समाधान की कार्य योजना बनाने, सडक पर बने नालियों व नालों के क्रॉसिंग व खुले स्थानों को फेरो कवर से तुरन्त ढकवाने एवं क्षतिग्रस्त सडकों की मरम्मत शीघ्र करवाने के लिए निर्देशित किया गया है।

उन्होंने बताया कि निगम के पास आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सभी प्रकार उपकरण, अग्निशमन वाहन एवं आवश्यक सामठी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा असुरक्षित व जर्जर भवनों को चिन्हित कर भवन मालिकों को नोटिस देकर भवनों को खाली कर परिवार सहित सुरक्षित स्थानों पर निवास करने के लिए कहा गया है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए मानसून के दौरान जल स्त्रोतों से पास नहीं जाने एवं अतिवृष्टि से संबंधित किसी भी समस्या के लिए नियंत्रण कक्ष को सूचित करें।

सूने मकान में नकबजनी की वारदात का पर्दाफाश, 5 गिरफ्तार

कोटपूतली। स्थानीय थाना पुलिस ने एक सूने मकान में नकबजनी की वारदात का पर्दाफाश करते हुये 5 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया हैं। एसएचओ राजेश शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि विगत 8 जुलाई को वार्ड नं. 20 मौहल्ला बाछड़ी निवासी कैलाश गुप्ता ने दर्ज करवाया था कि वह व्यापार के सिलसिले में परिवार सहित बाहर गया हुआ था। जहां सूचना मिली कि मेरे घर में चोरी हो गई हैं। चोरों ने घर के ताले व शटर काटकर वहां रखे 04 सिलेंडर, एलईडी टीवी, इर्न्वटर व बैट्री, मोटर मय र्स्टाटर, 50 हजार रूपयों की नकदी, एसी, सोने व चांदी की ज्वैलरी, बर्तन, शादी के कपड़े आदि पार कर ले गये। इस सम्बन्ध में पुलिस ने मामला दर्ज करते हुये टीम का गठन किया। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से गैंग की पहचान करते हुये दबिश देकर 05 अभियुक्तों क्रमश : कस्बे के रामभवन के सामने रहने वाले सुरेश उर्फ बच्चा (30) पुत्र रूड़मल माली, नागाजी की गौर निवासी राहुल उर्फ पन्या (24) पुत्र वेदप्रकाश खटीक, शाहपुरा के गंगा मार्केट हाल ग्राम पूतली निवासी राहुल (23) पुत्र कैलाश नायक, प्रागपुरा के मौहल्ला खटीकों का निवासी विक्की (26) पुत्र घीसाराम खटीक व ग्राम बामनवास की ढ़ाणी सरदारपुरा निवासी विक्रम (30) पुत्र चंदाराम गुर्जर को गिरफ्तार किया हैं।

कोटपूतली थाना पुलिस ने सूने मकान में नकबजनी की वारदात का पर्दाफाश करते हुये 5 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया हैं।

'सरिस्का वन क्षेत्र को बर्बाद करने पर तुली है सरकार'

अलवर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सेंट्रल एंपावर्ड कमेटी की दिल्ली में आयोजित बैठक में शामिल होकर विश्व पटल पर अपनी विशेष पहचान बना चुके सरिस्का क्षेत्र में सीटीएच मामले को उठाया। जूली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के मंत्री कुछ विशेष लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों को ताक पर रखकर सरिस्का को बर्बाद करने पर तुले हैं। जूली ने सरिस्का वनक्षेत्र में परिवर्तन को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भिवाड़ी और बहरोड़ के अलग जिला बनने के बाद सरिस्का अलवर राजस्थान का मुख्य पर्यटन केन्द्र है, लेकिन राज्य सरकार बड़े लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए माइंस एरिया पर फोकस कर रही है, इसमें बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। जूली बोले सरिस्का को आबाद रखने के लिए डॉ मनमोहन सिंह सरकार ने टाइगर प्रोजेक्ट शुरू किया था।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.rajasthan.gov.in
क्रमांक-जविप्रा/उपा/जोन-14/2025/डी-1958 दिनांक-14.07.2025
आम सूचना
आवेदन द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 223173 दिनांक-23.06.2025 को निम्नांकित भूखण्ड का नामहस्तान्तरण जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है-
क्र.स.-1, आवेदक का नाम- श्रीमती नीतू गर्ग पत्नी स्व. श्री सुधीर गर्ग, आदित्य अग्रवाल जरिये संरक्षक श्रीमती नीतू गर्ग एवं अंरूधती अग्रवाल जरिये संरक्षक श्रीमती नीतू गर्ग, मूल आवंटी/लीजधारक का नाम- सिद्धि विनायक इन्फ्राटाउनशिप प्रा.लि. जरिये निदेशक श्री राकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री सतीश चन्द शर्मा, भूखण्ड संख्या-23, भूखण्ड क्षेत्रफल-70.63 व.मी., गृ.नि.स.स./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना-निजी खातेदारी, योजना का नाम-अनुराधा विहार, सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया-नाम हस्तान्तरण, कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज- स्वघोषणा पत्र, जारी लीजडीड, विक्रय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, सजरा, राशन कार्ड मौके की फोटो, पहचान पत्र आदि
उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में नाम हस्तान्तरण पत्र जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर कार्यालय समय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्डों की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त जोन-14, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

OFFICE THE GRAM PANCHAYAT DIVRALA
PS-AJITGARH (SIKAR)
No.Eproc/2025-26/3213 Date:- 21.07.2025
E-Tender Notice No. 03/2025-26
Bids for open tender of procurement Of Construction Material for Work in MGNREGA And Other Scheme in Gram Panchayat DIVRALA Panchayat Samiti AJITGARH (Sikar) are invited from Firms/Suppliers Registered Under the GST act 2017, 6.00 PM of 29-07-2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement Portal http://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and at Gram Panchayat DIVRALA Office in all working days.
UBN No.: PAJ2526GLRC00080
ADMINISTRATIVE GRAM PANCHAYAT DIVRALA PS-AJITGARH (SIKAR)
VILLAGE DEVELOPMENT OFFICER GRAM PANCHAYAT DIVRALA PS-AJITGARH (SIKAR)

संक्षिप्त

छात्रों का कैरियर मार्गदर्शन किया

टोंक। राजकीय महाविद्यालय टोंक में स्नातक प्रथम सेमेस्टर की शुरुआत विद्यार्थियों की कैरियर काउंसलिंग प्रोग्राम के साथ हुई, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों का भविष्य विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सानिध्य में "हाऊ टू प्रिपेयर फॉर जॉब" कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र छात्राओं को उनकी रुचियों, क्षमताओं और लक्ष्यों के आधार पर उपयुक्त करियर चुनने के लिए प्रेरित किया। शिविर में भाग लेने के लिए छात्रों को पहले सूचित कर दिया जाता है। इस अवसर पर प्राचार्य लोकेश कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों से कहा कि आप अपने कौशल, मानसिक व शारीरिक योग्यता अनुसार विषय का चयन एवं मौजूद संसाधनों का उपयोग करते हुए लक्ष्य हासिल करने के लिए मेहनत करें। साथ ही, आप अपनी समस्याओं के समाधान के लिए महाविद्यालय के उच्च शिक्षित संकाय सदस्यों से भी मार्गदर्शन ले सकते है। मुख्य वक्ता अदनान बुलंद ने स्नातक के बाद राजकीय सेवा और प्राइवेट सेक्टर में जॉब कैसे की जाए, बायोडाटा तैयार करना, इंटरव्यू स्किल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मानव जीवन और नौकरियों पर उनका प्रभाव इत्यादि की जानकारी प्रदान की।

इनामी फरार अपराधी गिरफ्तार

टोंक। वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के दौरान वृत्ताधिकारी टोंक राजेश कुमार विधार्थी के निर्देशन में पुरानी टोंक थानाधिकारी नेमीचन्द गोयल के नेतृत्व मे गठित टीम द्वारा 6 साल से फरार दस हजार रुपये का जिला स्तरीय ईनामी व राज्य स्तरीय 25 सर्वाधिक सक्रिय अपराधियो मे शामिल वांछित फरार स्थाई वारन्टी रईस खां पुत्र पठान खां उम्र 38 वर्ष निवासी डेरियो की ढाणी थाना लोहावट जिला फलोदी को गिरफ्तार किया गया, जिसे आज अति. न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय टोंक मे पेश किया जायेगा। उक्त वारन्टी के खिलाफ हत्या का प्रयास, लूट, डकैती, चोरी के कुल 13 प्रकरण दर्ज है।

मंत्री रावत आज बीसलपुर बांध की समीक्षा करने आयेंगे

- आज खुल सकते है बांध के गेट

देवली, टोंक। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत आज जिले के बीसलपुर बांध आएंगे, जो सुबह 10 बजे बीसलपुर पहुंचकर बांध की जल आवक, भंडारण एवं अधिशेष जल की गेटों द्वारा निकासी की समीक्षा एवं मौके की स्थिति का जायजा लेंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीसलपुर बांध में 24 घंटे में 27 सेमी पानी की आवक हुई है, बांध के जल स्तर का भराव पूरा होने के कारण इसके 22 साल के जीवन में बांध के गेट पहली बार जुलाई माह में आज खोले जाएंगे। बांध के गेट जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत चीफ गेस्ट द्वारा जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर की उपस्थिति में गेट खोले जायेंगे। ज्ञात रहे कि बांध में बीते 24 घंटे में सोमवार तक पानी की आवक बांध में तेज गति से बनी होने के कारण बांध प्रबंधन ने इसके गेट खोलने का निर्णय उच्चाधिकारियों से चर्चा कर स्वीकृति मांगी है। बीसलपुर बांध परियोजना के एक्सईएन मनीष बंसल ने बताया कि बांध में पानी की आवक को देखते हुए मंगलवार सुबह गेट खोलना का निर्णय लिया है। बंसल ने बताया कि टोंक जिले में सिंचाई के लिए 8 टीएमसी पानी, पेयजल के लिए 16.2 टीएमसी पानी आरक्षित है, इसके अलावा 8.15 टीएमसी वाष्पीकरण व अन्य खर्च माना गया है तथा 1000 एमएलडी तक खपत होता है, जिसका पेयजल टोंक, अजमेर, जयपुर जिलों में रोजाना करीब साढे नौ से एक हजार एमएलडी पानी इस बांध से जाता है।

बीसलपुर बांध में 24 घंटे में 27 सेमी पानी की आवक हुई है ।

कांवड़ियों के लिए बलबीर लगा रहे है शिविर

- प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में पहुंच रहे हैं कावड़िया, शिविर में भोजन दवा और विश्राम सहित सभी सेवाएं उपलब्ध

किशनगढ़ बास। शहर में 28 साल से लगातार शिव कावड संघ के संरक्षक बलबीर सिंह खैरिया के निर्देशन में करीब दो दर्जन से अधिक सेवादार शिव भोलेनाथ के भक्त कावड़ियों के लिए शिविर लगाकर सेवाएं दे रहे हैं।

शिव कावड संघ के संरक्षक बलबीर खैरिया बताते है कि 28 साल से निरन्तर अलवर भिवाड़ी हाईवे मार्ग के किशनगढबास में तिजारा कोटकासिम सर्किल पर शिव भक्तों के सहयोग से हर वर्ष सावन मास में कांवड़ियों की सेवा के लिए शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर शिवरात्रि से 10 दिन पहले शुरू होता है और शिवरात्रि तक चलता है।

इस शिविर में हरिद्वार गंगोत्री यमुनोत्री से कांवड लेकर आने वाले हजारों भोलेनाथ के भक्त जल पान व विश्राम के लिए ठहराव करते हैं। शिविर में कांवड़ियों के विश्राम से लेकर जलपान, भोजन शिविर उनके स्नान व डॉक्टर, दवा, आदि को लेकर भी विशेष प्रबंध किए जाते हैं। दीपचंद यादव उर्फ दीपू यादव, जगन प्रताप रोहिल्ला, चरण सिंह खैरिया, मनोज खैरिया, राजकुमार, विनोद शर्मा, प्रशांत खेरिया, मोहित सेन, रामनिवास खेरिया, विपिन राजपूत, संदीप यादव, मानवेंद्र सिंह रोहिल्ला, पूरन यादव, जोतसिंह खैरिया, संजय यादव सहित अनेक सेवादार सेवाएं द रहे हैं।

शिविर में लाईट की व्यवस्था बिन्नू सैनी व टेंट व्यवस्था को मोनू संभाले हुए हैं। पल्स हॉस्पिटल की डॉक्टर में नर्सिंग स्टाफ व मनोज मेडिकल की ओर से दवाईयों की व्यवस्था की हुई है। इसके अलावा डॉ रामावतार शर्मा भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। शिविर प्रबंधन समिति के वरिष्ठ सदस्य चरण सिंह खेरिया व दीपू यादव ने बताया कि 22 जुलाई की रात्रि को 9:00 से पूरी रात तरुण बाल्यान ज्ञानेंद्र सरधाना की जागरण एवं रागनी कंपटीशन पार्टी के कलाकार भोलेनाथ के भजनों का गुणगान करेंगे। इस पार्टी में मुख्य कलाकार तरुण बाल्यान ज्ञानेंद्र सरधाना टीना पटौदी सुरेश बेनीवाल वे बिजेंदर मोर होगें।

शिक्षक संघ ने विरोध जताया

करौली । राजस्थान समठा शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ उदयसिंह डिंगार के नेतृत्व में संगठन ने उदयपुर जिला प्रशासन द्वारा अध्यापकों की ड्यूटी भेड़ निष्क्रमण कार्य के लिए लगाए जाने का विरोध जताते हुए इस तरह के गैर शैक्षिक कार्यों के हास्यास्पद आदेशों को तत्काल निरस्त करवाने की शिक्षामंत्री से मांग की है।

करौली के जिला अध्यक्ष रूपसिंह गोरेहार, जिला प्रवक्ता चेतराम मीणा सहित जिले की उपशाखों के अध्यक्ष, मंत्री हिंडौन से उमेश सिंह डागुर, अमर सिंह मीणा, करौली से बाबूलाल, राममूर्ति शर्मा, मण्डरायल से काशीराम, रामकुमार नंदवानिया, सपोटरा से हंसराज एकट,देवीसिंह बैरवा ने अवगत करवाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति विभागीय परिपत्र एवं न्यायालय द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के क्रम में अध्यापकों की ड्यूटी गैर शैक्षिक कार्यों के लिए लगाया जाना वर्जित है किंतु बावजूद इसके प्रशासन द्वारा गैर शैक्षिक कार्यों के लिए शैक्षिक स्टाफ को लगाया जाता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है उन्होंने इसे रोकने की मांग की है।विगत दिवस उपखंड अधिकारी गोगुंदा द्वारा भी एक प्रधानाचार्य को जारी नोटिस की राजस्थान समग्र शिक्षक संघ निंदा करता है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों को गैर शैक्षिक कार्यों में नहीं लगाए जाने संबंधी तत्काल आदेश जारी किए जाने चाहिए।

पीड़ित मरीजों को घर पर मिलेगी समग्र देखभाल : कलक्टर

- होम बेस्ड पैलिएटिव केयर वाहिनी को कलेक्टर ने रवाना किया
- राष्ट्रीय पैलिएटिव केयर कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य गंभीर रूप से बीमार मरीजों और उनके परिवारों को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करना है।

कोटपूतली। जिले में गंभीर एवं असाध्य रोगों से पीड़ित मरीजों की देखभाल हेतु होम बेस्ड पैलिएटिव केयर वाहिनी को जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। उन्होंने मौके पर मौजूद सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत व अन्य विभागीय अधिकारियों को रूट चार्ट व कार्यक्रम अनुसार मरीजों को चिकित्सक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान सीएमएचओ ने जानकारी दी कि यह सेवा एक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित सम्पूर्ण देखभाल करने वाली मोबाइल यूनिट है । सीएमएचओ ने बताया कि राष्ट्रीय पैलिएटिव केयर कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य गंभीर रूप से बीमार और लाइलाज बीमारियों से पीडित मरीजों और उनके परिवारों को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करना है। यह कार्यक्रम, विशेष रूप से कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक, गुर्दे की बीमारी, एड्स, और दीर्घकालिक श्वसन रोगों जैसे रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए है । उन्होंने बताया कि इसमें प्रशिक्षित डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ एवं स्वास्थ्य कर्मी तैनात रहेंगे। इसका उद्देश्य इलाज ही नहीं बल्कि लक्षणों को नियंत्रित कर मरीज़ और उसके परिजनों की जीवन गुणवत्ता में सुधार लाना है। साथ ही बीमारी से ठासित मरीज़ों व परिजनों को समझाना, मानसिक शिक्षा देना, बीमारी से जूझने के लिए मरीज़ को तैयार किया जाएगा। टीम की ओर से परिजनों को भी प्रतिदिन मरीज की देखभाल के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इस दौरान डॉ. प्रमोद सिंह भदोरिया डिप्टी सीएमएचओ, डॉ. अरविन्द अठावाल आरसीएचओ, रविकांत जांगिड जिला कार्यक्रम समन्वयक, सूबेदार सिंह एवं विक्रम नर्सिंग अधिकारी एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

सार-समाचार

महादेव का अनुपम श्रंगार

सांभरझील, (निसं)। देवयानी सरोवर स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर में सोमवार को सैकड़ों भक्तों ने पूजाा अर्चना की तथा जलाभिषेक किया। नीलकंठ महादेव का अनुपम श्रंगार किया गया। इसीी प्रकार जागेश्वर दरबार में सोमवार को भगवान भोलेनाथ की अनुपम झांकी सजाई गई। भगवान भोलेनाथ का अनुपम श्रंगार किया गया। इसी प्रकार मनकामेश्वर महादेव मंदिर में भी शिवलिंग की पूजा करने वाले भक्तों का तांता लगा रहा.

नवागंतुक छात्राओं का अभिनंदन

वजीरपुर। राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर में आज शैक्षिणक सत्र 2025-26 के प्रथम सेमेस्टर में नव प्रवेशित छात्राओं का बड़ी गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा के आदेश की पालना में महाविद्यालय में अध्यापन कार्य का शुभारंभ हुआ। नवागंतुक छात्रा कोमल,काजल मीणा,कोमल मीणा,सुमन मीणा,आरती वैष्णव,मनीषा कुमारी,रामा गौड़, प्रियांशु मीणा,सानिया बानो,काजल कुमारी मरमट सहित बड़ी संख्या में नवागंतुक छात्राओं का अभिनंदन किया गया। संचालन हिंदी साहित्य के प्रवक्ता डॉ. संपूर्णानन्द गौतम एवं छायांकन छात्रा सिद्धि मुद्गल ने किया। सीनियर छात्रा पिंकी माली एवं निकिता खंगार ने नव आगंतुक छात्राओं का रोली तिलक लगाकर अभिनंदन किया। नोडल अधिकारी प्रो.रमेश बैरवा एवं संकाय सदस्य डॉ.ऋषिकेश गुर्जर भूगोल,डॉ.गिर्राज प्रसाद जोनवाल राजनीति विज्ञान,डॉ.भूरसिंह गुर्जर संस्कृत,डॉ.महेंद्र कुमार धोबी इतिहास ने नवागंतुक छात्राओं को कलम और टोफी वितरित कर नियमित कक्षाएं लेने के लिए प्रेरित किया। किसी प्रकार की समस्या होने पर जरूर अवगत कराने के लिए कहा। छात्राओं ने भी विचार रखें। कार्यक्रम का समापन संविधान की प्रस्तावना के पठन के साथ हुआ। सीनियर छात्रा शिप्रा कुमारी,मोहिनी बैरवा,कल्पना बैरवा,खुशबू वैष्णव, धनेश्वरी बैरवा,निशा महावर, जिलसाना बानो,गौरीबाई मीणा, प्रियंका सैनी,सिद्धि मुद्गल,सपना सैनी,ज्योति मीणा,मनीषा जाटव,पूजा बाई मीणा,सोनम मीना ,पूजा मीणा भी कार्यक्रम शामिल रहीं।

राज्यपाल घोष को डॉ. पूनियां ने बधाई दीं

चंडीगढ़/जयपुर। हरियाणा राजभवन चंडीगढ़ में भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने हरियाणा के नवनियुक्त राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित होकर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पूनियां ने कहा कि पूर्ण विश्वास है कि विकसित हरियाणा के संकल्प को पूरा करने में राज्यपाल अशीम कुमार घोष का महत्वपूर्ण योगदान होगा। शपथग्रहण समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया, हरियाणा विधानसभा स्पीकर हरविंदर कल्याण, भाजपा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडोली सहित राज्य सरकार के मंत्रीगण, विधायकगण एवं हरियाणा परिवार के प्रमुख गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जमीन खरीदने पर चर्चा

कोटपूतली। अग्रवाल समाज समिति की बैठक रविवार को स्थानीय अग्रसेन भवन में अध्यक्ष योगेश शरण बंसल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मीडिया प्रभारी हेमंत मोरीजावाला ने बताया कि नये अग्रसेन भवन के लिये जमीन खरीदने के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।

कांग्रेस ने खडगे का जन्मदिन मनाया

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे का टोंक में जन्मदिन मनाया।

टोंक। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के जन्मदिन के अवसर पर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी टोंक में जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने काटकर जन्मदिन मनाया, इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने राष्ट्रीय अध्यक्ष की दीर्घायु की मंगल मय कामना करते हुए कहा कि हमारे संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के प्रति खड़गे की प्रतिबद्धता और उनका नेतृत्व हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस दौरान एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव जिला संगठन प्रभारी मेघराज गुर्जर संगठन से जुड़े पदाधिकारी वप कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर एनएसयूआई के पदाधिकारी को बूथ लेवल पर कार्य करने के लिए कहा तथा उन्होंने बताया कि एनएसयूआई आने वाले समय में कांग्रेस संगठन में बहुत बड़ा रोल अदा करने जा रहा है, जिले में अधिक सशक्त एवं मजबूत करने पर जोर दिया जायेगा। इस अवसर पर एनएसयूआई प्रदेश महासचिव जिला प्रभारी मेघराज गुर्जर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष कैलाशी देवी मीणा धर्मेंद्र सालोदिया अहसान, मीडिया प्रभारी जर्रार खान, मनिंदर बैरवा इत्यादि बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क मार्ग पर गड्ढे से हो रहे हादसे

भुसावर भरतपुर (निस) गांव बल्लभगढ़ से वैर जाने वाले सड़क मार्ग पर पेट्रोल पम्प के पास करीब एक किलोमीटर सड़क को पीडब्ल्यूडी विभाग ने बिना बनायें छोड़ दिया जोकि बड़े बड़े गड्ढे में तब्दील हो गयी है बारिश के मौसम में जलभराव हो जाने के कारण उसमें पैदल चलने वाले को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। दुपहिया वाहन आये दिन हादसे का शिकार हो रहे हैं। गांव बल्लभगढ़ निवासी सरपंच प्रतिनिधि दीलिप मीणा ने बताया कि इस विषय में सार्वजनिक निर्माण विभाग को व क्षेत्रीय विधायक बहादुर सिंह कोली को अवगत कराया जा चुका है लेकिन जनता की समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। आये दिन दुपहिया वाहन चालक दुर्घटना ठास्त हो रहे हैं। ग्रामवासी पिन्टू जोशी का कहना है भाजपा के राज में सड़कों का बुरा हाल है। अधिकारी लोग जनता की नहीं सुन रहे। क्रेशर जॉन से निकलने वाले डम्फरो से गहरे गड्ढे हो गये है जिसमें से निकलना मुश्किल हो गया है।

भरतपुर में खंडेलवाल समाज की 65 प्रतिभाओं का सम्मान

भरतपुर (निस)। जिला खण्डेलवाल वैश्य समाज जिला भरतपुर-डीग द्वारा खण्डेलवाल धर्मशाला खिरनी घाट भरतपुर में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें दोनों जिलों के 65 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया जिसमें 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त 10वीं व 12वीं, इस वर्ष सीए परीक्षा में चयनित, नीट परीक्षा में चयनित, आईआईटी में चयनित, राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार में राजपत्रित अधिकारी पद पर चयनित अधिकारियों सहित राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर पुरूस्कार प्राप्त खिलाडियों का अभिनन्दन किया गया।

समारोह के प्रारम्भ में जिला समिति संयोजक एवं पूर्व जिलाध्यक्ष नैमचंद खण्डेलवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं संगठन की संक्षिप्त जानकारी दी, मुख्य अतिथि सीताराम गुप्ता निदेशक समृद्ध भारत अभियान ने बोलते हुए कहा कि प्रतिभा समाज एवं देश का भविष्य है, सभी को भविष्य के सपने देखकर उनको प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करना चाहिये तथा समाज की एकता पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश खण्डेलाल ने बताया कि संगठन द्वारा समाज की 6 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक बृज चौरासी कोस की यात्रा जा रही है। समाज बन्धु यात्रा कर जीवन को धन्य कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए अखिल भारतीय खण्डेलवाल वैश्य समाज के संयुक्त मंत्री निखिल खण्डेलवाल ने कहा कि महासभा में ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने चाहिये, विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर मनोज झालानी पेट्रोल पम्प वाले, बाल किशन तमोलिया, गोपाल प्रसाद सितारे वाले थे।

समारोह में शहर महामंत्री मुरारी लाल, राकेश नाटाणी, एम.एल. रावत, घनश्याम ताम्वी, रामस्वरूप गुप्ता एडवोकेट, गिरधारी गुप्ता, मनोज मेठी, अजय इकरन, कुम्हेर अध्यक्ष कैलाश नाटानी, महामंत्री तुलसीराम, अजय कुमार बम्ब, जिला युवा महामंत्री वेद प्रकाश वैध नगर, महेशचंद कोषाध्यक्ष डीग, कामां संरक्षक श्याम तमोलिया, कार्यकारी अध्यक्ष बृजेश खण्डेलवाल, महामंत्री शम्भूदयाल, व.उ. घनश्याम तमोलिया, मुकेश कुमार जनूथर अध्यक्ष ओमप्रकाश माठा, मंत्री सतीशचंद, गोविन्द प्रसाद, नदबई अध्यक्ष उमेमश पाटौदिया, राजेश महरवाल, उपाध्यक्ष प्रेम राज, साहिल आटड, पूर्व जिलाध्यक्ष महिला कुसुम रावत, वरि0 उपाध्यक्ष शिप्रा खंडेलवाल, शहर अध्यक्ष अर्चना खंडेलवाल, पूनम, चंचल, अनीता, विमर्लेश पीतलिया, अंजू, परिता, कुसुम, नदबई पूर्व जिलाध्यक्ष नीतू पाष्टौतिया, नीतू मेठी, योजना मेठी, सीमा, हेमा, दीक्षा, भरतपुर से हरिओम झालानी, मनमोहन अभिलाषी, प्रकाश मास्टर जी, रामबाबू लोहिया, मोहनलाल जसोरिया, अमित खंडेलवाल, विशाल एलआईसी, पंकज खंडेलवाल, अंकित ठाकुरिया सहित लगभग 300 समाज बन्धुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

संचालन जिला महामंत्री संदीप गांधी द्वारा किया गया एवं आभार कार्यक्रम समन्वयक राजेश मुसद्दी द्वारा किया गया।

शिव मंदिरों में भक्तों का तांता

पावटा। सावन मास के दूसरे सोमवार को पावटा क्षेत्र के विभिन्न शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। भोर से ही श्रद्धालु महादेव को जलाभिषेक करने के लिए मंदिरों पर कतारबद्ध हो गए। लोगों ने परम्परागत तरीके से जलाभिषेक कर भगवान शिव की विधिवत पूजन अर्चन किया। महिलाओं व युवतियों ने व्रत रखकर भोलेनाथ का पूजन अर्चन किया। कस्बे के बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर व नृसिंह जी का मंदिर, गणेश जी का मंदिर, हखडेत हनुमान, राठी वाला मंदिर सहित सभी मंदिरो में सोमवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। हर हर बम बम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। सुरक्षा की दृष्टि से शिव मंदिरों पर भारी पुलिस बल तैनात रहा।बीसावन मास भगवान शिव के आराधना के लिए विशेष तौर पर जाना जाता है। सोमवार को इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। कहा जाता है कि सावन के सोमवार का व्रत रखने से मनवांछित कामना पूरी होती है। सुहागिन महिलाओं को सौभाग्यवती होने का आशीष प्राप्त होता है और पति को लंबी आयु प्राप्त होती है।

क्विज प्रतियोगिता विजेता पुरुस्कृत

भुसावर भरतपुर (निस)। भुसावर कस्बे के छोकरवाड़ा सड़क मार्ग स्थित किरोड़ी लाल मित्तल स्मृति न्यास के सौजन्य से किरोड़ी लाल मित्तल स्मृति न्यास भवन में रविवार को ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां प्रथम 20 जनों को मंच पर पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता भुसावर के ग्रुप के संचालक अरविंद मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि कस्बे में ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता हर रविवार को सुबह 11रू00 बजे भुसावर के इतिहास अथवा वर्तमान के बारे में प्रश्न ऑनलाइन पूछा जाता है जिसका जवाब शीघ्र अति शीघ्र जवाब देने वाले प्रथम 20 विजेताओं को प्रथम चरण में पास किया जाता है। वही अरविन्द मित्तल ने बताया कि उन 20 विजेताओं में से लकी कूपन के द्वारा किसी एक विजेता को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है। वही किरोड़ी लाल मित्तल स्मृति न्यास भवन में आयोजित हुए ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में प्रथम विष्णु सैन, श्याम सुंदर, विद्या देवी, सहित मीनू अग्रवाल को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

बैठक में पीएम आयुष्मान योजना सहित अन्य योजनाओं पर चर्चा

- बैठक में संभागीय आयुक्त डॉक्टर टीना सोनी ने राज्य सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की
- कलेक्टर कानाराम ने संभागीय आयुक्त को आस्वस्थ किया की बैठक में दिए गए सभी निर्देशों की शत प्रतिशत पालन कराई जाएगी

बौंली -बामनवास । भरतपुर संभागीय आयुक्त डॉक्टर टीना सोनी की अध्यक्षता में सोमवार को सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर सभागार में जिला स्तरीय प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागीय आयुक्त डॉक्टर टीना सोनी ने राज्य सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी एवं विकासपरक योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आयुष्मान, भारत स्वास्थ अवसंरचना मिशन, पंच गौरव लाडो प्रोत्साहन योजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीब मुक्त गांव योजना, कर्म भूमि से मातृभूमि अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ठााम सड़क योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना, पीएम सम्मान निधि, पीएम कुसुम, एनएफएसए, अटल ज्ञान केंद्र, मिशन हरियाणा राजस्थान, आरएसएलडीसी सहित अन्य योजनाओं की वर्तमान प्रगति की बिंदुवार समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में संभागीय आयुक्त ने मानसून के दौरान जनधन, पशुधन, आवासीय क्षित की जानकारी लेते हुए तत्काल राहत पहुंचाने के भी निर्देश दिए। बैठक के दौरान सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर कानाराम ने संभागीय आयुक्त को आस्वस्थ किया की बैठक में दिए गए सभी निर्देशों की शत प्रतिशत पालन कराई जाएगी। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुढानिया, उपवन संरक्षक रामानंद भाकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर संजय शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार कसवा, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक राकेश कुमार अटल, विद्युत विभाग, सर्वजनिक निर्माण विभाग, पीएचईडी के अधिशासी अभियंता सहित सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

भरतपुर संभागीय आयुक्त डॉक्टर टीना सोनी की अध्यक्षता में अधिकारियों की बैठक हुई।

भरतपुर एसपी को पुलिस अधिकारियों ने विदाई दी

भरतपुर (निस)। राजस्थान में आईपीएस अफसरों को तबादले किए थे। इनमें एसपी मृदुल कच्छावा का नागौर तबादला कर दिया था। भरतपुर पुलिस ने उनकी विदाई वाले दिन पुलिसकर्मियों और अफसरों ने उनका ढोल-नगाड़े के साथ जुलूस निकाला गया और एसपी को घोड़े पर बैठाया गया. इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों द्वारा कप्तान को अनोखे तरीके से विदाई दी गई. महिला कप्तान को साफा बंधाया और पुष्पगुच्छ भेंट कर माला पहनाई और फिर जिप्सी में बिठाकर एसपी कार्यालय से ढोल नगाड़ों के साथ जुलूस के रूप में एसपी को उनके आवास तक छोड़ा. इस दौरान कुशल पुलिस अधिकारी को विदाई देते वक्त पुलिस के बैंड ने शानदार स्वर लहरियों के साथ विदाई दी. लोगों ने उन्हें माला पहना कर उनका अभिनंदन किया। अपने व्यवहार और कुशल कार्यशैली के चलते आमजन से सीधा जुड़ाव रखने वाले मृदुल कच्छावा के विदाई समारोह में पुलिसकर्मियों के साथ-साथ खुद एसपी भी भावुक हो गए। पुलिसकर्मियों ने कहा कि मृदुल कच्छावा ने कभी उन्हें कोई कमी महसूस नहीं होने दी। वे एक अफसर नहीं, बल्कि परिवार के मुखिया की तरह पूरी पुलिस टीम के साथ जुड़े रहे। उनके नेतृत्व में जिले की कानून-व्यवस्था मजबूत रही और पुलिस की कार्यशैली में अनुशासन के साथ-साथ सम्मान का भाव भी झलका। विदाई समारोह के दौरान एसपी कच्छावा भी भावुक नजर आए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, भरतपुर का पुलिस बल सबसे बेहतर है। यहां सभी ने टीम भावना से काम किया। क्राइम कंट्रोल में सिपाही से लेकर अफसर तक हर किसी की भूमिका अहम रही। ट्रांसफर एक नियमित प्रक्रिया है, लेकिन भरतपुर पोस्टिंग मेरे लिए एक सीख और अनुभव से भरपूर रही। गौरतलब है कि मृदुल कच्छावा का हाल ही में नागौर एसपी के पद पर तबादला हुआ है। भरतपुर में उनके कार्यकाल को बेहद सकारात्मक और प्रभावी माना गया, खासकर कानून-व्यवस्था और पुलिस की जवाबदेही के दृष्टिकोण से। समारोह में पुलिस अधिकारियों, जवानों और स्टाफ ने उन्हें शुभकामनाएं दीं

खेल जगत

भारतीय क्रिकेटर भी मैच न खेल पाने से निराश हैं और उन्होंने शिखर धवन को जिम्मेदार ठहराया, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी। उन्होंने धवन को सड़ा अंडा कहा और उन पर बाकी भारतीय खिलाड़ियों को खराब करने का आरोप लगाया। - शाहिद आफरीदी

पूर्व पाक क्रिकेटर, भारत-पाक मैच रद्द को लेकर।

आज का खिलाड़ी — जसप्रीत बुमराह

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा मैच बुधवार से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में शुरू होगा। मेजबान इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है। भारत को लॉर्ड्स में पिछले मुकाबले में 22 रनों से करीबी हार झेली पड़ी थी। भारत की मैनचेस्टर में धमाकेदार वापसी पर नजर होगी। वहीं, इस मुकाबले में जसप्रीत बुमराह इतिहास रच सकते हैं। उनके निशाने पर वसीम अकरम का दमदार रिकॉर्ड होगा। दरअसल, बुमराह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले वहीं बुमराह इंग्लैंड में जारी सीरीज में अच्छी लय में दिखे हैं। वह दो मैचों में 12 विकेट ले चुके हैं।

क्या आप जानते हैं ?... ओवेन पर्दापण मैच में अर्धशतक जड़ने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज है। उन्होंने अपनी 50 रनों तूफानी पारी में छह छक्के लगाये।

पर्दापण मैच में अर्द्धशतक जड़ने वाले ओवेन तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज

नई दिल्ली, 21 जुलाई। ऑस्ट्रेलिया के मिच ओवेन ने सोमवार को अपने पर्दापण टी-20 अंतराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 गेंदों में अर्धशतक जड़ा। उन्होंने अपनी 50 रनों तूफानी पारी में छह छक्के लगाये। इसी के साथ वह तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गये जिन्होंने अपने पर्दापण मैच में यह कारनामा किया है। ओवेन पर्दापण मैच में अर्धशतक जड़ने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज है। इससे पहले रिकी पोंटिंग ने 2005 में न्यूजीलैंड के विरुद्ध नाबाद 98 रन और डेविड वार्नर ने 2009 में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध 89 रन बनाकर यह कारनामा किया था अब इस विशिष्ट क्लब में ओवेन शामिल हो गए।

भारतीय बैडमिंटन मिश्रित टीम ने जीता ऐतिहासिक कांस्य पदक

राइन-रुहर (जर्मनी), 21 जुलाई। भारत की मिश्रित टीम ने रविवार को जर्मनी के राइन-रुहर में चल रहे एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में बैडमिंटन में ऐतिहासिक कांस्य पदक अपने नाम किया। यह इस स्पर्धा में भारत का बैडमिंटन में पहला पदक है। एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में बैडमिंटन को 2007 से शामिल किया गया था, लेकिन यह पहली बार है जब भारत ने इस खेल में पोडियम पर जगह बनाई है। भारत ने क्वार्टरफाइनल में मलेशिया को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जिससे कांस्य पदक पक्का हो गया। प्रतियोगिता में दोनों सेमीफाइनल हारने वाली टीमों को कांस्य पदक दिया जाता है। यह इस बार के एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारत का पहला पदक भी है। सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला चीनी ताइपे से हुआ। पुरुष एकल में भारत के सतीश कुमार करुणाकरण ने पहला मैच खेला, लेकिन वे सु ली यांग से 1-2 से हार गए। इसके बाद महिला एकल में देविका सिहाग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हुआंग चिंग पिंग को 2-0 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि, इसके बाद चीनी ताइपे ने बढ़त बना ली। पुरुष युगल में सनीथ दयानंद और सतीश कुमार करुणाकरण की जोड़ी को चेन झी-रे और लिन यू चिएह के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा।

सुमित ने जीता 60 किग्रा ग्रीको-रोमन वर्ग में रजत पदक

बुडापेस्ट 21 जुलाई। अंडर-23 एशियाई चैंपियन सुमित ने पॉलीक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल 2025 कुश्ती चैंपियनशिप के 60 किग्रा ग्रीको-रोमन वर्ग में रजत और अनिल मोर ने 55 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। टूर्नामेंट में भारत ने तीन स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य सहित कुल 10 पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया। चैंपियनशिप के आखिरी दिन रविवार को हुए फाइनल मुकाबले में भारतीय पहलवान को अजरबैजान के यूरोपीय चैंपियन और गैर-ओलंपिक 60 किग्रा वर्ल्ड चैंपियन निहात माम्मदली से 1-5 से हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। सुमित ने प्री-क्वार्टर फाइनल में सादिक लालाईव को 9-3, क्वार्टर फाइनल में कोरिया के डेहयूम किम को 7-4 से फॉल के जरिए शिकस्त दी थी और सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के गालिम कबदुनास्सारोव को 10-1 से हराया। वहीं, भारत के अनिल मोर ने ग्रीको-रोमन 55 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने उज्बेकिस्तान के इक्थियोर बोटिरोव को 7-4 से हराया। इससे पहले अनिल ने मई में उलानबतार ओपन में इसी कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता था।

भारत-ए पुरुष हॉकी टीम को नीदरलैंड 2-8 से हराया

आइंडहोवन, (नीदरलैंड) 21 जुलाई। भारत ए पुरुष हॉकी टीम को यूरोपीय दौरे के अपने आखिरी मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ 2-8 से हार का सामना करना पड़ा। रविवार को खेले गये यूरोपीय दौरे अंतिम मैच में भारतीय मिडफील्डर राजिंदर सिंह और फॉरवर्ड सेल्वम कार्थी ने अपनी टीम के लिए एक-एक गोल किए। भारत ए ने इससे पहले 18 जुलाई को नीदरलैंड के खिलाफ अपना पिछला मैच 0-3 के स्कोर से गंवा दिया था। भारत ए ने 8 जुलाई, 2025 को अपने यूरो दौरे की शुरुआत की थी और इस दौरे के दौरान पाँच यूरोपीय टीमों के खिलाफ कुल आठ मैच खेले। इस दौरान भारत की ए टीम ने दुनिया की कुछ शीर्ष हॉकी टीमों, जिनमें विश्व की नंबर वन नीदरलैंड और विश्व की नंबर तीन बेल्जियम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तीन शहरों की यात्रा की। इस दौरान भारतीय टीम ने आठ मैचों में से तीन में जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा, हालाँकि इस यूरोपीय दौरे में हमें जीत से ज्यादा हार मिली होगी, लेकिन यह नतीजों के बारे में नहीं था, बल्कि एक टीम के रूप में इस दौरे से मिली सीख और अनुभव के बारे में था। उन्होंने कहा, भारत ए में सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों का मिश्रण था और उन्होंने पिछले दो हफ्तो दौरान बहुत मूल्यवान अनुभव प्राप्त किया। अब जब हम भारत वापस आ रहे हैं, मुझे विश्वास है कि ये सभी खिलाड़ी इस मूल्यवान अनुभव का उपयोग करेंगे और अपने भविष्य के सभी मैचों में अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए इसका उपयोग करेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत को तगड़ा झटका, नीतीश रेड्डी चोटिल होने के कारण सीरीज से हुए बाहर

मैनचेस्टर, 21 जुलाई। भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी घुटने की चोट के कारण एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के शेष मैचों से बाहर हो गये हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को बताया कि नीतीश कुमार रेड्डी को बाएं घुटने में चोट लगी है। यह चोट उन्हें रविवार को मैनचेस्टर में जिम में अभ्यास के दौरान लगी और स्कैन में लिगामेंट डैमेज की पुष्टि हुई है।

बुधवार से शुरु होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले भारत को नीतीश कुमार के चोटिल होने से एक और झटका लगा है। इससे पहले तेज गेंदबाज आकाश दीप और अर्शदीप सिंह भी चोटिल हैं और इनमें से अर्शदीप चौथे टेस्ट से बाहर हो चुके हैं। इस बीच अंशुल कम्बोज को तेज गेंदबाजी विकल्प के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। लीड्स में पहले टेस्ट से बाहर रहने के बाद रेड्डी ने दूसरा और तीसरा टेस्ट खेला। बर्मिंघम में वह खास असर नहीं छोड़ पाए। उन्होंने मैच में केवल दो रन बनाए और छह ओवर की गेंदबाजी में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। हालांकि लॉर्ड्स में उन्होंने इंग्लैंड के शीर्षक्रम के विकेट चटकाए। पहली पारी में इंग्लैंड के दोनों सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैक क्रॉली को एक ही ओवर में आउट किया और दूसरी पारी में फिर से क्रॉली को आउट किया। इसके बाद उन्होंने बल्ले से 30 और 13 रन भी बनाए।

भारत ने अब तक तीनों टेस्ट में तेज गेंदबाज ऑलराउंडरों को खिलाया है। बर्मिंघम में खेले गये पहले टेस्ट में नीतीश की जगह शार्दूल ठाकुर को खिलाया गया था। नीतीश के चोटिल होने के बाद अब प्रबंधन को शार्दूल ठाकुर पर फिर से भरोसा दिखाना होगा। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह पर वर्कलोड को लेकर प्रबंधन की चिंताएं बनी हुई हैं। उल्लेखनीय है कि इंग्लैंड इस समय सीरीज में 2-1 से आगे है।

जसप्रीत बुमराह चौथा टेस्ट मैच खेलेंगे : सिराज

मैनचेस्टर, 21 जुलाई। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच में खेलेंगे। मोहम्मद सिराज ने सोमवार को मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह चौथे टेस्ट के लिये उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा, भगवान ने मुझे स्वस्थ रखा है। मैं मौकों का पूरा फायदा उठाना चाहता हूं और देश के लिए ज्यादा से ज्यादा मैच खेलना चाहता हूं। जब आप देश के लिए खेलते है तो सबसे बड़ी प्रेरणा यही होती है कि आप देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जब भी मैं भारत के लिए खेलता हूं, मैं बस अपना शत-प्रतिशत देना चाहता हूं।

भारतीय टीम के ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी घुटने की चोट के कारण श्रृंखला से बाहर हो गए हैं, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह हाथ में चोट के कारण चौथे टेस्ट से बाहर हैं, आकाश दीप को कमर में चोट लगी है और ऋषभ पंत के बाएं हाथ की उंगली में चोट है। ऐसे में भारत ने हरियाणा के नए तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया है और वह मैनचेस्टर में टीम से जुड़ गए हैं। बुमराह अब तक लीड्स और लॉर्ड्स में खेले गए तीन में से दो टेस्ट मैचों में खेल चुके हैं। बुमराह ने अब तक दो टेस्ट मैचों में 21.00 की औसत से 12 विकेट लिए हैं। इसमें दो बार पारी में पांच विकेट भी शामिल हैं और वह अब तक दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं बुधवार को होने वाले चयन के लिए तेज गेंदबाज बुमराह और सिराज उपलब्ध रहेंगे। हालाँकि आकाश दीप इस मैच में खेलेंगे या नहीं यह अभी तय नहीं है। रेड्डी की चोट के कारण भारत को कम से कम एक बदलाव करना होगा।

इंग्लैंड से मैनचेस्टर टेस्ट खेलेंगे स्पिनर डॉसन

मैनचेस्टर, 21 जुलाई। इंग्लैंड ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के मैनचेस्टर टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 रिलीज कर दी है। टीम में एक ही बदलाव हुआ। इंजर्ड स्पिनर शोएब बशीर की जगह लेफ्ट आर्म स्पिनर लियम डॉसन को मौका मिला। बाकी 10 प्लेयर्स वही हैं, जो लॉर्ड्स टेस्ट में खेले थे।

5 टेस्ट की सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है। टीम ने पहला और तीसरा टेस्ट जीता था। भारत ने बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट जीता। चौथा टेस्ट जीतकर टीम इंडिया सीरीज को 2-2 से बराबर कर सकती है। पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के द ओवल स्टेडियम में होगा। चौथा टेस्ट 23 जुलाई से खेला जाएगा।

8 साल बाद टेस्ट खेलेंगे डॉसन लियम डॉसन 8 साल बाद इंग्लैंड के लिए टेस्ट मैच खेलते नजर आएंगे। इससे पहले 2017 में उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ नॉटिंघम में आखिरी टेस्ट खेला था। उन्होंने 2016 में चेन्नई के मैदान पर भारत के खिलाफ ही टेस्ट डेब्यू किया था।

बशीर बॉलिंग के दौरान इंजर्ड हो गए थे डॉसन प्लेइंग-11 में ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की जगह लेंगे। जो लॉर्ड्स टेस्ट में बॉलिंग के दौरान पहली पारी में इंजर्ड हो गए थे। वे रवींद्र जडेजा को बॉलिंग कर रहे थे, जडेजा ने सामने की ओर शॉट खेला। बशीर ने गेंद रोकने की कोशिश की, लेकिन अपना बायां हाथ इंजर्ड कर बैठे। वे फिर पारी में दोबारा बॉलिंग नहीं कर सके। बशीर दूसरी पारी में बॉलिंग करने उतरे। उन्होंने ही मोहम्मद सिराज के रूप में भारत का 10वां विकेट लेकर इंग्लैंड को 22 रन के अंतर से करीबी जीत दिलाई थी। मुकाबले के बाद मेडिकल टीम ने उन्हें सीरीज से बाहर होने की सलाह दी। जिसके बाद डॉसन को स्क्वॉड में जगह मिली।

डॉसन के नाम 371 फर्स्ट क्लास विकेट लियम डॉसन के नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 371 विकेट हैं। 2021 के बाद से वे 12 बार पारी में 5-विकेट ले चुके हैं। जिनमें 3 बार मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है। उन्होंने करियर में 15 बार पारी में 5-विकेट लिए हैं। वे पिछले 5 साल में 9 शतक भी लगा चुके हैं। इस प्रदर्शन की बदौलत उन्हें 2024 में डोमेस्टिक प्लेयर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड मिला था।

3 साल बाद टी-20 टीम में भी जगह बनाई 35 साल के डॉसन ने पिछले महीने ही वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 खेला था। यह उनका पिछले 3 साल में पहला ही टी-20 इंटरनेशनल था। जिसमें उन्होंने महज 20 रन देकर 4 विकेट झटक लिए थे। मैनचेस्टर टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग-11 जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जैमी स्मिथ, लियम डॉसन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर और क्रिस वोक्स।

चोटिल ड्रेपर ने टोरंटो और सिनसिनाटी टूर्नामेंट से नाम वापस लिया

लंदन, 21 जुलाई। ब्रिटेन के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने बाँह की चोट के कारण टोरंटो और सिनसिनाटी में होने वाले आगामी टूर्नामेंटों से नाम वापस ले लिया है। ड्रेपर ने सोशल मीडिया मंच पर कहा, विंबलडन के बाद मेरे बाएँ हाथ में चोट लग गई, कोई गंभीर बात नहीं है। मुझे यह सुनिश्चित करना है कि बाकी सीजन के लिए यह पूरी तरह से ठीक हो जाऊं। दुर्भाग्य से, मैं टोरंटो और सिनसिनाटी में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाऊँगा। न्यूयॉर्क शहर में मिलते है। कैनेडियन ओपन 26 जुलाई से तथा सिनसिनाटी ओपन चार अगस्त से शुरू होगा। कैनेडियन ओपन से हटने वाले वह अकेले खिलाड़ी नहीं है, विंबलडन चैंपियन जैनिक सिनर और 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नोवाक जोकोविच ने भी पुष्टि की है कि वे नहीं खेलेंगे।

अक्टूबर-नवंबर में भारत में आयोजित होगा फिडे वर्ल्ड कप 2025

नई दिल्ली, 21 जुलाई। इस साल अक्टूबर-नवंबर में शतरंज वर्ल्ड कप का आयोजन भारत की मेजबानी में होगा। वहीं इस आयोजन के लिए मेजबान शह का नाम अभी घोषित नहीं किया गया, खेल की वैश्विक शासी संस्था फिडे ने सोमवार को इसकी घोषणा की। वहीं इस टूर्नामेंट में 206 खिलाड़ी प्रतिष्ठित खिताब और 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफिकेशन स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत ने पिछली बार 2002 में हैदराबाद में इस आयोजन की मेजबानी की थी, जहां विश्वनाथन आनंद ने खिताब जीता था। साथ ही खिलाड़ी नॉकआउट प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जहां प्रत्येक राउंड में हारने वाला खिलाड़ी सीधे तौर पर बाहर हो जाएगा। फिडे ने कहा कि, इस आयोजन में पिछले कुछ वर्षों में कई प्रारूपों का इस्तेमाल किया गया है, लेकिन 2021 से इसमें एकल-उन्मूलन प्रारूप अपनाया गया है। प्रत्येक दौर तीन दिनों तक चलता है- पहले दो दिन दो क्लासिक खेल, और जरूरत पड़ने पर तीसरे दिन टाई-ब्रेक।पहले दौर में शीर्ष 50 खिलाड़ियों को बाई मिलती है। जबकि 51 से 206 तक के खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं, जिसमें जोड़ी शीर्ष आधे बनाम उलट निचले आधे के सिद्धांत पर आधारित होती है।

एशिया कप 2025 हॉकी : टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम को भारत नहीं भेजेगा पाकिस्तान, सुरक्षा कारणों का दिया हवाला

नई दिल्ली, 21 जुलाई। पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने खेल की वैश्विक नियामक संस्था एफआईएच को सूचित किया है कि सुरक्षा चिंताओं के कारण उसके लिए महीने होने वाले एशिया कप के लिए अपनी टीम को भारत भेजना मुश्किल होगा। पीएचएफ के प्रमुख तारिक बुगती ने कहा कि उन्होंने एफआईएच और एशियाई हॉकी महासंघ को पत्र लिखकर टीम को भारत भेजने को लेकर अपने फैसले से अवगत करा दिया है।उन्होंने कहा कि, हमने उन्हें सूचित किया है कि मौजूदा परिदृश्य में हमारी टीम को भारत में खेलते समय सुरक्षा संबंधी खतरों का सामना करना पड़ सकता है। हमने उन्हें बता दिया है कि हमारे खिलाड़ी एशिया कप के लिए भारत जाने के इच्छुक नहीं हैं। एशिया कप वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। पीएचएफ प्रमुख ने कहा कि अब प्रतियोगिता और पाकिस्तान के मैचों के बारे में निर्णय लेने की जिम्मेदारी एफाईएच और एएचएफ पर है। उन्होंने कहा कि, हमने उनसे पूछा है कि हमें बताएं कि क्या गारंटी है कि हमारे खिलाड़ी भारत में सुरक्षित रहेंगे और टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। पाकिस्तान सरकार ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है लेकिन हाल ही में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा था कि टीम भारत नहीं जाएगी इससे पहले भारतीय खेल मंत्रालय के सूत्रों ने स्पष्ट किया था कि वह पाकिस्तान हॉकी टीम को अगले महीने भारत में होने वाले एशिया कप में शामिल होने से नहीं रोकेंगे। खेल मंत्रालय के सूत्र ने बताया कि वे बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में किसी टीम के शामिल होने के खिलाफ नहीं हैं। हॉकी एशिया कप का आयोजन 27 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के राजगीर में होना है।

कोनेरू हम्पी फिडे महिला शतरंज विश्वकप के सेमीफाइनल में

बटुमी (जॉर्जिया), 21 जुलाई। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने चीनी खिलाड़ी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए फिडे महिला शतरंज विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसी के साथ हम्पी इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुँचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। हम्पी ने रविवार को खेले गये मुकाबले में चीन की आईएम युक्सिन सोंग के खिलाफ पहले गेम में जीत के बाद, दूसरे गेम में ड्रॉ खेलकर अंतिम चार में जगह बनाई। हम्पी का अब सेमीफाइनल में चीन की लेई टिंगजी से मुकाबला होगा। अंतिम चार में हम्पी के पहुंचने के साथ यह पक्का हो गया कि उन्हें शीर्ष तीन में पहुंचने के दो मौके मिलेंगे जिससे उन्हें अगले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह भी मिल जाएगी जिसके लिए शीर्ष तीन खिलाड़ी क्वालिफाई करेंगी।

विश्व चैम्पियनशिप से पहले चाइना ओपन में सात्विक-चिराग की नजरें दमदार प्रदर्शन पर

नई दिल्ली, 21 जुलाई। सात्विक साइ राज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए लय हासिल करने के लक्ष्य के साथ कोर्ट पर उतरेगी। चाइना ओपन पेरिस में 25 से 31 अगस्त तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले अंतिम प्रमुख प्रतियोगिता है। इसलिए प्रत्येक खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगा।

वर्तमान में विश्व में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग इस सत्र में तीन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे हैं लेकिन अभी तक फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे हैं। यही नहीं उन्हें पिछले सप्ताह जापान ओपन में पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हार का सामना करना पड़ा था। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी पहले दौर में जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा का सामना करेगी। एकल वर्ग में लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय और पीवी सिंधू 20 लाख डॉलर इनामी प्रतियोगिता में अपनी फॉर्म वापस पाने की उम्मीद करेंगे।

पिछले कुछ समय से फॉर्म में वापसी करने के लिए संघर्ष कर रहे लक्ष्य पिछले सप्ताह जापान ओपन में दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए थे। यहां उनका पहला मुकाबला चीन के पांचवीं वरीयता प्राप्त ली शी फेंग से होगा।

भारत के एक अन्य खिलाड़ी प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वतनबे का सामना करेंगे। अब 16वीं रैंकिंग पर काबिज सिंधू के लिए इंडिया ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना इस साल उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है।

पिछले सप्ताह वह कोरिया की सिम यू जिन से हार गईं थी। यह इस वर्ष पांचवा अवसर था जबकि वह पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी। सिंधू का पहला मुकाबला जापान की छठी वरीयता प्राप्त 18 वर्षीय पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन तोमोका मियाजाकी से होगा। महिला एकल में ही इस वर्ष की शुरुआत में ताइपे ओपन सेमीफाइनलिस्ट रहीं उन्नित हुड्डा का पहले दौर में स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर से मुकाबला होगा, जबकि अनुपमा उपाध्याय का सामना चीनी ताइपे की लिन सियांग टी से होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 में विंडीज को 3 विकेट से हराया

किंगस्टन, 21 जुलाई। बेन ड्वारश्विस (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद कैमरन ग्रीन (51) और मिचेल ओवेन (50) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को पहले टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को सात गेंदे शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। मिचेल ओवेन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिये 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया। 190 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में जेक फ्रेजर-मक्गर्क (दो) का विकेट गवां दिया। ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट कप्तान मिचेल मार्श 17 गेंदों में (24) रन के रूप में गिरा। इसके बाद जॉश इंग्लिस आठ गेंदों में (18) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। ग्लेन मैक्सवेल (11) रन बनाकर आउट हुये।

राजस्थान कोर्फबॉल टीम घोषित

जयपुर, 21 जुलाई। 30वीं राष्ट्रीय जूनियर कोर्फबॉल प्रतियोगिता 24-27 जुलाई 2025 तक चैन्नई, तमिलनाडु में आयोजित होने जा रही है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम की घोषणा राज्य संघ द्वारा की गई जो कि कल रेल द्वारा चैन्नई, तमिलनाडु के लिए रवाना होगी। टीम निम्न प्रकार है: अर्पित मीना (जयपुर), रुचिका चौधरी, चरित जांगिड़, तनज, रोहित पाल, नेहल खान, मो0 शरफ अली, अल्शिफा बानो, मो0 नोमान, कोमल शेखावत, देवेश मेहरा, अर्श नासिर खान, परसराम शर्मा (कोच), आफताब (मैनेजर)।

प्रथम अंडर-15 राजस्थान बॉयज क्लब फुटबॉल लीग का आगाज

जयपुर, 21 जुलाई। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में विद्याधर नगर स्थित फुटबॉल मैदान पर रविवार से इतिहास में पहली बार अंडर - 15 राजस्थान बॉयज क्लब फुटबॉल लीग 2025 का आगाज राजस्थान फुटबॉल संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत एवं ब्रिगेडियर जितेंद्र सिंह शेखावत द्वारा किया गया। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि अंडर - 15 खिलाड़ियों की यह लीग राजस्थान में पहली बार आयोजित की जा रही है जो तीन महीने तक चलेगी जिसमें राज्य के 10 पेशेवर फुटबॉल क्लब कुल 90 मैच खेलेंगे।

संघ का उद्देश्य ग्रासरूट फुटबॉल को डवलप करना है उसी आधार पर पहले अंडर -13 तथा अब अंडर -15 लीग का आयोजन किया जा रहा है एवं आगामी दिनों में अंडर - 17 फुटबॉल लीग खेली जाएगी। इससे कम उम्र के खिलाड़ी खेल से जुड़ेंगे तथा लगातार प्रतियोगिताओं से राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान को लाभ मिलेगा। रविवार से शुरू हुई लीग में पहले दिन चार मैच खेले गए

पहला मैच रेड स्टोन सिटी फुटबॉल क्लब एवं जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स फुटबॉल एकेडमी के मध्य खेला गया जिसमें जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स फुटबॉल क्लब 2 - 0 से विजयी रहा, विजेता टीम की तरफ से हर्ष सिंह और अरमान ने एक - एक गोल किया,

दूसरा मैच जयपुर फ़ुट्सल एवं मेवाड़ स्पोर्ट्स फाउंडेशन के बीच खेला गया जिसमें मेवाड़ स्पोर्ट्स फाउंडेशन 12 - 1 से विजयी रहा, विजेता टीम की तरफ से मस्तकीम ने 6, अनस ने 3, जोरीइंग, प्रेम और यश ने एक - एक गोल किया एवं जयपुर फ़ुट्सल की तरफ से एकमात्र गोल श्रेष्ठ ने किया। **तीसरा मैच** फुटबॉल क्लब ब्रदर्स यूनाइटेड एवं चैंपियन मेकर फुटबॉल क्लब के मध्य खेला गया जिसमें ब्रदर्स यूनाइटेड ने 18 - 0 से एकतरफा जीत हासिल की, विजेता टीम की तरफ से वीरेन और अयान ने 4 - 4, इंद्र, सैजान एवं प्रवीण ने 2 - 2, एलेक, देवांशू, कानूराम एवं दिव्यांशु ने 1-1 गोल किया।

चौथा मैच राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब एवं जयपुर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के बीच खेला गया, इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में राजस्थान यूनाइटेड ने 2 - 1 से जीत हासिल की, विजेता टीम की तरफ से प्रिंस शर्मा और ध्रुव सांखला ने 1 - 1 गोल किया वहीं जयपुर यूनाइटेड की तरफ से एकमात्र गोल अभय प्रताप ने किया। मैच में भैरू रतन ओझा ने मैच कमिश्नर तथा विष्णु गेनण, रूपेंद्र सिंह राठौड़, विकास चौधरी, अवकाश दायमा, सिमरनजीत सिंह ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

राजस्थान स्टेट ओलंपिक एसोसिएशन की एजीएम सम्पन्न : निष्क्रिय और विवादित खेल संघों की मान्यता समाप्त की गई

जिला ओलंपिक संघों को छह माह के भीतर नये विधान के तहत चुनाव कराने के निर्देश

जयपुर, 21 जुलाई। राजस्थान स्टेट ओलंपिक एसोसिएशन की साधारण सभा की वार्षिक बैठक (एजीएम) रविवार को यहां संपन्न हुई। राजस्थान ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में प्रदेश में खेलों के विकास और खेल संघों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता के लिए कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में राजस्थान ओलंपिक संघ से एफिलिएटेड मेम्बर्स, गैर ओलंपिक खेलों के प्रतिनिधि और जिला ओलंपिक संघों के प्रतिनिधि शामिल हुए। राजस्थान खेल परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया भी अतिथि के रूप में एजीएम में मौजूद रहे। बैठक में राजस्थान ओलंपिक एसोसिएशन के स्पोंसर पार्टनर को सम्मानित किया गया जिनमे अमित गोयल गुस्तुरा प्राइवेट लिमिटेड, संजीव गोड डायरेक्टर ऑरिएन्टल एडुमेड, दीपेंद्र सिंह एवं देवनारायण गुर्जर को विशेष सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

बैठक के बाद एसोसिएशन के सचिन सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि करीब तीन घंटे से ज्यादा चली बैठक में एजेंडा के अनुसार कार्रवाई हुई, जिसे सभी सदस्यों ने ध्वनिमत के साथ पारित कर दिया। एजेंडा के अनुसार अगले वित्तीय वर्ष के लिए ऑडिटर की नियुक्ति और उसका पारिश्रमिक तय करने का अधिकार अध्यक्ष को सचिव को सौंपा गया। इस दौरान सदस्यों ने अपनी समस्याएं भी उठाईं, जिन्हें सदन में चर्चा के साथ अध्यक्ष ने उनका समाधान निकालने का आश्वासन दिया। सदस्यों की मुख्य समस्या राजस्थान खेल परिषद की ओर से विगत दिनों निकाले एक सर्कुलर को लेकर थी, जिसमें सहकारिता विभाग में रजिस्ट्रेशन के बिना राजस्थान नाम का उपयोग नहीं करने की हिदायत दी गई थी। इस पर एजीएम में मौजूद राजस्थान खेल परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने कहा कि राजस्थान में खेल कानून लागू है और उसकी पालना सभी को करनी होगी। उन्होंने कहा कि कुछ खेल, जो ओलंपिक में शामिल हैं, स्पोर्ट्स एक्ट की सूची में शामिल होने से रह गए थे। ऐसे खेल संघों को जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है लेकिन यह बदलाव विधानसभा में ही होगा। राजस्थान खेल परिषद इसके लिए प्रयास कर रही है।

अध्यक्ष तेजस्वी सिंह ने कहा कि बैठक में सभी जिला ओलंपिक संघों को हिदायत दी गई है कि वे राजस्थान ओलंपिक संघ के विधान के अनुरूप अपने विधान में बदलाव करें और उसके बाद जल्द अपने नये चुनाव कराएं। सदन की अनुमति से इसके लिए छह माह का समय निर्धारित किया गया है। इस दौरान सभी जिला संघ इस कार्रवाई को पूरा कर लेंगे। अध्यक्ष की सहमति से उठाए कुछ अन्य अहम मुद्दों के बारे में तेजस्वी सिंह ने कहा कि राजस्थान में जूडो के समानांतर दो दो संघ बने हैं, वहीं भारतीय हैंडबॉल संघ की मान्यता भारतीय ओलंपिक संघ की ओर से समाप्त कर दी गई है।

राजस्थान तैराकी संघ भी पिछले काफी समय से न तो ओलंपिक संघ की गतिविधियों में हिस्सा ले रहा है और न ही उन्होंने वार्षिक फीस जमा कराई है। ऐसे में उक्त तीनों राज्य खेल संघों की मान्यता समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। तेजस्वी सिंह ने कहा कि कुछ खेल संघ काफी समय से निष्क्रिय पड़े हैं। इनकी ओर से न कोई खेल गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, और न ही उनकी ओर से संचालित गतिविधियों की जानकारी राजस्थान ओलंपक संघ को दी जा रही है। राजस्थान याचिंग एसो., राजस्थान रोलबॉल एसो. और राजस्थान थ्रोबाल एसो. की मान्यता भी निलंबित की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। राजभवन में आयोजित समारोह में मुख्य न्यायाधीश को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

राज्यपाल ने के.आर. श्रीराम को मुख्य न्यायाधीश की शपथ दिलाई

वे राजस्थान हाईकोर्ट के 43 वें मुख्य न्यायाधीश हैं

■ राजस्थान आने से पहले के.आर. श्रीराम मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे।

जयपुर, 21 जुलाई। राजभवन में आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने न्यायमूर्ति के आर श्रीराम को राजस्थान के चीफ जस्टिस (सीजे) पद की शपथ दिलाई। वे मद्रास हाईकोर्ट से ट्रांसफर होकर आए हैं। उन्होंने हाईकोर्ट के 43 वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राज्यपाल की अनुमति लेकर राष्ट्रपति की ओर से जारी नियुक्ति वारंट पढ़ा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद और हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश सहित, न्यायिक अधिकारी व वकील मौजूद रहे। शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल और दिया कुमारी सहित अन्य लोगों ने सीजे श्रीराम को बधाई दी। गौरतलब है कि हाल ही में हाईकोर्ट के सीजे एमएम श्रीवास्तव का मद्रास हाईकोर्ट और वहां सीजे रहे न्यायमूर्ति केआर श्रीराम का राजस्थान हाईकोर्ट में तबादला किया गया था। राजस्थान हाईकोर्ट में सीजे श्रीराम का कार्यकाल 69 दिनों का रहेगा।

28 सितंबर, 1963 को मुंबई में जन्मे सीजे केआर श्रीराम ने मुंबई विश्वविद्यालय से एलएलबी करने के बाद लंदन से मैरीटाइम लॉ में एलएलएम किया। वहीं, वे जुलाई 1986 को महाराष्ट्र एवं गोवा बार कौंसिल में वकील के रूप में पंजीकृत हुए। बतौर वकील, उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट, उपभोक्ता आयोगों, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण और कंपनी कानून बोर्ड में वकालत की और काफी सफल रहे। उन्हें 21 जून, 2013 को बॉम्बे हाईकोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 2 मार्च 2016 को इस पद पर स्थायी कर दिया गया। जस्टिस श्रीराम को 21 सितंबर 2024 को मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया। दूसरी ओर, व्यक्तिगत जीवन में सीजे श्रीराम सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल होते थे। उन्होंने कई सालों तक एक एनजीओ में उपाध्यक्ष के तौर पर कार्य किया। यह एनजीओ दिवंगत लोगों के लिए अंतिम संस्कार और श्राद्ध करने की व्यवस्था करता है। इसके अलावा उन्हें गोल्फ खेलना भी पसंद है।

कोटा में संरक्षित प्रजाति का दुर्लभ "स्ट्रीक्ड कुकरी स्नेक" मिला

यह सांप जहरीला नहीं होता है, कोटा और हाड़ौती क्षेत्र में बहुत ही कम देखने को मिलता है

■ इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर ने धारीदार कुकरी सांप को संरक्षित प्रजाति माना।

कोटा शहर के बोरखेड़ा इलाके में दुर्लभ प्रजाति का "स्ट्रीक्ड कुकरी स्नेक" (धारीदार कुकरी सांप) मिला है। यह सांप जहरीला नहीं होता है और कोटा और हाड़ौती क्षेत्र में बहुत ही कम देखने को मिलता है।

कोटा, 21 जुलाई (निसं)। शहर के बोरखेड़ा इलाके में दुर्लभ प्रजाति का रेयर "स्ट्रीक्ड कुकरी स्नेक" (धारीदार कुकरी सांप) मिला है। यह सांप जहरीला नहीं होता है लेकिन कोटा और हाड़ौती क्षेत्र में बहुत ही कम देखने को मिलता है। नगर निगम के राकेश सेन ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से बारां रोड स्थित जय हिन्द नगर में एक घर से सांप के बच्चे के निकलने की सूचना मिल रही थी। जब वे मौके पर गए तो उन्हें एक कुकरी स्नेक नज़र आया, जिसे उन्होंने रैस्क्यू किया। मकान मालिक ने बताया कि कुछ सांपों के बच्चे झाड़ू से बाहर निकाल दिए गए। यह "धारीदार कुकरी सांप," जिसे अंग्रेजी में "स्ट्रीक्ड कुकरी स्नेक" कहते हैं, आमतौर पर 15 से 18 इंच लंबा होता है। इस सांप का ऊपरी हिस्सा भूरे रंग का और नीचे का हिस्सा सफेद रंग का होता है। यह सांप एक बार में 5 से 8 अंडे देता है।

कोटा के सर्प विशेषज्ञ विष्णु श्रृंगी ने बताया कि यह सांप कोटा में बहुत कम पाया जाता है। कोटा में इस सांप को लगभग 3 से 4 बार ही रेस्क्यू किया गया है। पर्वतीय इलाकों में पाए जाने वाले ये सांप शर्मीले होते हैं, लेकिन छेड़े जाने पर काट लेते हैं। श्रृंगी ने बताया कि स्ट्रीक्ड कुकरी स्नेक को "ऑलिगोडन टेनिओलेटास" जीन्स के सांपों के रूप में भी जाना जाता है। अलग-अलग रंग होने के कारण इन्हें कुकरी स्नेक कहा जाता है। भारत, नेपाल और पाकिस्तान में मिलने वाले ये सांप, भारत में मुख्य तौर पर केरल, कर्नाटक व तमिलनाडु में पाए जाते हैं। ये सांप जहरीले नहीं होते हैं लेकिन इसकी विशेषता यह है कि कुकरी चाकू के तरह इनके दांत मुड़े हुए होते हैं, जिनका उपयोग ये अंडों को खाने के लिए करते हैं। इन सांपों का मुख्य भोजन छिपकली, कीड़े और सरीसृप के अंडे होते हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर ने इसे संरक्षित प्रजाति माना है।

अमरिकन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समाचार पत्र की रिपोर्ट में कहा गया कि इनमें से लगभग 50 मामले ट्रम्प प्रशासन द्वारा कुछ विदेशी छात्रों को उनके इमिग्रेशन रिकॉर्ड और आपराधिक रिकॉर्ड में अनियमितताओं के कारण निष्कासित करने के प्रयासों का हिस्सा थे। वाइट हाउस ऐसे 90 प्रतिशत से अधिक मामलों में हार गया।

ट्रंप की पहल के खिलाफ फैसला सुनाने वाले जज मुख्य रूप से पूर्व राष्ट्रपतियों, बराक ओबामा और जो बाइडेन द्वारा नियुक्त जज हैं। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार,उन्होंने ट्रंप के रुख के खिलाफ 125 से ज़्यादा बार फैसला सुनाया है।

अपनी अवहेलना से दु:खी धनखड़ ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी मिली है कि कांग्रेस के राज्यसभा सांसदों ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिये थे।

लेकिन सरकार चाहती थी कि विपक्ष लोकसभा में भी हस्ताक्षर करे। लेकिन विपक्ष ने यह कहते हुये इनकार कर दिया कि राज्यसभा में तो पहले ही ज़रूरी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

सूत्रों के अनुसार, उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सरकार को सलाह दी थी कि यह प्रस्ताव दोनों सदनों में एक साथ लाया जाए, लेकिन इसने एक समस्या का रुप ले लिया।

अगर ऐसा होता, तो दोनों सदनों के अध्यक्ष इसे खारिज नहीं कर सकते थे और इसे स्वीकार करना होता।

सरकार की ओर से धनखड़ को लेकर कई तरह की बातें फैलाई जा रही थीं, जैसे कि वे यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बहुत तारीफ कर रहे थे और बार-बार यूपी जा रहे थे। इसके अलावा, सांसदों को बांटे गए लैपटॉप में घोटाले की बात भी उछाली गई। यह भी कहा गया कि राज्यसभा में कुछ लोगों को पैसे लेकर नौकरी दी गई। ऐसी ही कई अन्य बातें भी कही जा रही थीं।

कारण जो भी रहे हों, यह साफ है कि आज शाम 4:30 बजे तक उनके इस्तीफे का कोई संकेत नहीं था।

लेकिन उसके बाद अचानक इस्तीफा दे दिया गया।

यह भी साफ है कि उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहा गया था, जिससे सरकार के भीतर एक अभूतपूर्व स्थिति बन गई है।

एक बार फिर मोदी विदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत और मालदीव के रिश्ते इस समय एतिहासिक रूप से बेहद खराब हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू की सरकार ने भारतीय सेना को मालदीव से हटने को कहा है और मालदीव सरकार चीन के काफ़ी करीब चली गई है। हिंद महासागर में चीन का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है और भारत की पारंपरिक पकड़ कमजोर हुई है। आलोचकों का कहना है कि इस यात्रा से केवल प्रतीकात्मक फायदे हो सकते हैं, जबकि असली नीतिगत बदलाव की उम्मीद कम है।

ब्रिटेन की यात्रा भी समय के लिहाज से ठीक नहीं मानी जा रही है। ब्रैग्ज़िट के बाद ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था कमजोर है, महंगाई, राजनीतिक अस्थिरता और वैश्विक स्तर पर सीमित भूमिका से इसका सामना है। भारत-ब्रिटेन के बीच लंबित मुक्त व्यापार समझौते पर कोई ठोस प्रगति नहीं दिख रही है। हाल ही में हुए आम चुनावों के बाद वहां नई सरकार बनी है, जिससे वार्ताओं में और देरी हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल ब्रिटेन भारत को कोई खास आर्थिक लाभ नहीं दे सकता। ऐसे में यह दौरा केवल औपचारिकता तक सीमित रह सकता है। यह संसद सत्र दो बड़े सुरक्षा मामलों, ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमल, के बाद पहला सत्र है। इसके साथ ही अरुणाचल सीमा के पास चीन की सैन्य गतिविधियों को लेकर भी चिंता बढ़ी है। विपक्ष की मांग है कि प्रधानमंत्री इन विषयों पर संसद में स्वयं बयान दें। उनकी अनुपस्थिति को जवाबदेही से बचने के तौर पर देखा जा रहा है, जो संसद की संवैधानिक भूमिका को कमजोर करता है।

आलोचकों का कहना है कि यह फैसला भारत की विदेश नीति और घरेलू लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों के बीच बढ़ते अंतर को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रियता जरूरी है, लेकिन संसद के अहम सत्रों में प्रधानमंत्री की मौजूदगी लोकतंत्र के लिए ज़रूरी है। संकट के समय संसद से दूरी, विपक्ष के उस आरोप को और बल देती है कि सरकार एकतरफा तरीके से चलाई जा रही है।

निष्कर्ष यह है कि विश्व के मौजूदा हालात को देखते हुए मोदी की इस विदेश यात्रा से कोई ठोस रणनीतिक लाभ मिलने की संभावना कम है। मालदीव पूरी तरह चीन के पाले में जा चुका है और ब्रिटेन अभी किसी महत्वपूर्ण समझौते की स्थिति में नहीं है। वहीं, भारतीय संसद में देश के सबसे गंभीर मुद्दों पर बहस हो रही है। इस स्थिति में प्रधानमंत्री का विदेश दौरा लोकतांत्रिक ज़िम्मेदारी से अधिक कूटनीतिक दिखावे को प्राथमिकता देने जैसा है।

हाई कोर्ट ने मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में सभी 12 आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी किया

महाराष्ट्र सरकार हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगी

■ हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष के दावे में बुनियादी खामिया हैं। सबूत भी पर्याप्त नहीं हैं। यह विश्वास करना कठिन है कि आरोपियों ने अपराध किया है।

■ ज्ञातव्य है कि 11 जुलाई को मुम्बई लोकल ट्रेन में सीरियल ब्लास्ट हुए थे, जिसमें 189 लोग मारे गए थे, 700 से ज्यादा घायल हुए थे और 19 साल बाद केस पर फैसला आया है।

मुंबई, 21 जुलाई। बंबई उच्च न्यायालय ने आज एक महत्वपूर्ण फैसले में 2006 मुंबई लोकल ट्रेन सिलसिलेवार बम विस्फोट मामले के सभी 12 आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया।

महाराष्ट्र सरकार ने 2006 के मुंबई ट्रेन बम धमाकों में आरोपी व्यक्तियों को बरी करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार हाई कोर्ट के आदेश की समीक्षा करेगी और फिर सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का निर्णय लेगी।

न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की एक विशेष पीठ ने अपने फैसले में कहा कि अदालत के सामने जो सुबूत रखे गए, वे आरोपियों का अपराध साबित करने में अपर्याप्त हैं। अदालत ने कहा कि 'यह विश्वास करना कठिन है कि आरोपियों ने अपराध किया था।'

उच्च न्यायालय ने पाया कि अभियोजन पक्ष के दावे में कई बुनियादी खामियां हैं। पीठ ने अविश्वसनीय गवाहों, संदिग्ध पहचान परेड और यातना देकर इकबालिया बयान लेने के लिए भी जांच दल की आलोचना की। अदालत ने पाया कि इस्तेमाल हुए बम के ब्यौरे सहित दूसरे बुनियादी तथ्यों को भी स्थापित करने में एटीएस विफल रही है। गवाहों के बयानों और कथित बरामदगी का 'कोई साक्ष्य मूल्य नहीं' माना गया।

न्यायालय ने कहा कि जाँच एजेंसियाँ आरोपियों के खिलाफ आरोपों की पुष्टि के लिए कोई ठोस सबूत पेश करने में विफल रहीं। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए, अब सभी आरोपियों को इस आधार पर बरी कर दिया है कि हमलों में उनकी संलिप्तता साबित करने के लिए जांच एजेंसियों के पास पर्याप्त सबूत नहीं हैं।

अदालत ने इस मामले में पाँच व्यक्तियों को मिली मृत्युदंड की सजा और शेष सात को मिली आजीवन कारावास की सजा को भी रद्द कर दिया। यह फैसला हादसे के 19 साल बाद आया।

यह भयावह घटना 11 जुलाई, 2006 को तब हुई थी, जब शाम के व्यस्त समय में मुंबई के उपनगरीय रेलवे नेटवर्क में पश्चिम रेलवे की ट्रेनों के प्रथम श्रेणी के डिब्बों को निशाना बनाकर बम विस्फोटों को अंजाम दिया गया। उन सिलसिलेवार विस्फोटों में सांताक्रूज़, बांद्रा-खार रोड, जोगेश्वरी-माहिम जंक्शन, मीरा रोड-भायंदर, माटुंगा-माहिम जंक्शन और बोरीवली सहित कई स्थानों को निशाना बनाया। हताहतों की संख्या बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए प्रेशर कुकर बमों ने 189 लोगों की जान ले ली और 700 से ज़्यादा घायल हो गए।

यह मामला महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) को जांच के लिए सौंपा गया था। शुरूआती जाँच में आतंकवादी संगठनों, लश्कर-ए-तैयबा और सिमी की संलिप्तता के संकेत मिले थे, जिसके बाद 12 लोगों के खिलाफ आरोप तय किए गए। एटीएस की जांच के आधार पर विशेष मकोका अदालत ने सितंबर 2015 में सभी बारह अभियुक्तों को दोषी ठहराया था।

इनमें से पाँच को निचली अदालत ने मौत की सज़ा और सात को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई थी। आरोपियों ने बाद में इस फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी, जहाँ न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की विशेष पीठ ने लगातार सुनवाई की।

एटीएस ने अपनी जाँच ने हमलों को प्रतिबंधित स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) और पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी समूहों से जोड़ते हुए आरोप लगाया कि मुख्य साजिशकर्ता मोहम्मद फैसल शेख (लश्कर-ए-तैयबा का मुंबई प्रमुख) को हवाला से पैसा मिला था। न्यायिक जाँच में इस दावे की पुष्टि नहीं हो सकी। अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

न्यायाधीश वर्मा के "इम्पीचमैंट"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ महाधिवक्ता का यह भी कहना था कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस मामले में गठित "जांच समिति" असंवैधानिक है, तथा इसके गठन से पुलिस के काम-काज में बेवजह दखल हो रही है।

गए एक अन्य लंबित महाभियोग प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए, धर्मनिरपेक्षता व लोकतान्त्रिक मूल्य के प्रति संसद की प्रतिबद्धता पर प्रश्न उठाया।

इस बीच, न्यायमूर्ति वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इन-हाउस जांच को चुनौती दी है। उनका कहना है कि यह जांच संसद के अधिकारों का अतिक्रमण करती है और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करती है। हालांकि अभी तक सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका सूचीबद्ध नहीं की है, क्योंकि संसद में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर विचार चल रहा है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के लिए कांग्रेस सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं।

मार्च में आग लगने की सूचना पर आपातकालीन सेवा कर्मचारियों ने जब दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज वर्मा के आवास पर पहुंचकर आग बुझाई, तो उन्हें उनके आउट-हाउस में बड़ी मात्रा में आधी जली हुई नकदी मिली। उस समय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने उच्च न्यायालयों के तीन न्यायाधीशों की समिति बनाई, जिसने न्यायमूर्ति वर्मा को दोषी ठहराया।

जस्टिस संजीव खन्ना ने यह मामला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजा गया कि न्यायमूर्ति वर्मा ने इस्तीफा देने से मना कर दिया है, इसलिए उन्हें हटाया जाए। जस्टिस वर्मा को वापस इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया, लेकिन न्यायिक कार्य से अलग रखा गया। न्यायमूर्ति वर्मा ने अपनी बेगुनाही का दावा करते हुए, सुप्रीम कोर्ट में समिति की रिपोर्ट को चुनौती दी है।

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में वकील एन. एन. नडुमपारा ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करने वाली याचिका पर शीघ्र सुनवाई की मांग की। उन्होंने जब केवल "वर्मा" कहकर उनका उल्लेख किया, तो मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा, अगर आप यह चाहते हैं कि मैं इस याचिका को खारिज कर दूं, तो इसे अभी खारिज किए देता हूँ। क्या न्यायमूर्ति वर्मा आपके मित्र हैं? वे अभी भी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं। आप उन्हें 'वर्मा' कहकर कैसे संबोधित कर सकते हैं? सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी इसका विरोध किया।

नडुमपारा की याचिका में दिल्ली पुलिस को निर्देश देने की ये मांग की गई है कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ नकदी बरामदगी को लेकर प्राथमिकी दर्ज की जाए और इसकी जांच की जाए। याचिका में कहा गया है कि इतनी बडी मात्रा में नकदी की बरामदगी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और मनी लॉन्डरिंग रोकथाम कानून के तहत दंडनीय अपराध है।

मार्च 14 को आग की सूचना पर दमकल कर्मी और पुलिस अधिकारी न्यायाधीश के आवास पर पहुंचे थे, जहां उन्हें प्लास्टिक के थैलों में रखी बड़ी मात्रा में अधजली नकदी मिली थी। नदुमपारा की याचिका में कहा गया है कि पुलिस ने मौके पर वीडियो और फोटो तो लिए, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की, क्योंकि के. वीरास्वामी बनाम भारत सरकार केस के निर्णय के अनुसार, किसी न्यायाधीश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए मुख्य न्यायाधीश की अनुमति आवश्यक होती है।

वकील का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति असंवैधानिक है और यह पुलिस की भूमिका में हस्तक्षेप करती है।

मानसून सत्र के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के नेता होने के नाते उन्हें बोलने का अवसर न देने का, आरोप लगाया।

सरकार और विपक्ष के बीच यह टकराव सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को और भी बढ़ सकता है, क्योंकि यह खबर सामने आई है कि प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को मालदीव और ब्रिटेन के दौरे पर जा रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि इस दौरे पर विदेश मंत्री या अन्य कोई मंत्री भेजा जा सकता था, तथा प्रधानमंत्री को संसद सत्र के दौरान विदेश नहीं जाना चाहिए।

विपक्ष ने अब तक कम से कम 20 मुद्दों पर बहस के लिए नोटिस दिए हैं, जिनमें बिहार में मतदाता सूची का पुनरीक्षण, मणिपुर की स्थिति और कई पुलों के ढहने जैसी घटनाएं शामिल हैं।

बांग्लादेश वायु सेना का एफ-7 विमान कॉलेज में क्रैश हुआ

ढाका, 21 जुलाई। बांग्लादेशी वायुसेना का एक एफ-7 प्रशिक्षण विमान सोमवार को कॉलेज परिसर में हादसे का शिकार हो गया। विमान कॉलेज की बिल्डिंग से जा टकराया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि170 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। मरने वालों में 16 छात्र, 2 शिक्षक और 1 पायलट शामिल हैं। एक अन्य मृतक से जुड़ी जानकारियां अभी नहीं मिली हैं। हादसे के वक्त माइलस्टोन कॉलेज में बच्चे मौजूद थे। प्लेन क्रैश होने के बाद स्कूल-कॉलेज में अफरातफरी मच गई। मौके पर अग्निशमन और बचाव दलों ने पहुंचकर बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी घटना की पुष्टि की है। अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण विमान ने दोपहर लगभग 1:06 बजे उड़ान भरी थी और उड़ान भरने के तुरंत बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद विमान में आग लग गई।

'ईडी सारी हदें पार कर रहा है'

अधिवक्ताओं को समन भेजने पर सुप्रीम कोर्ट में ईडी पर सख्त टिप्पणी की

■ सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस विनोद चन्द्रन की बैंच ने कहा कि अधिवक्ता का अपने मुवक्किल से विशेषाधिकार प्राप्त संवाद होता है उस पर नोटिस कैसे जारी हो सकता है।

नयी दिल्ली, 21 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने एक मामले में कुछ वरिष्ठ अधिवक्ताओं को तलब करने में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के जांच के तरीके पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि वह "सारी हदें पार कर रहा है।"

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने ईडी द्वारा हाल ही में वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को तलब किए जाने पर स्वत: संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई करते हुए कई सख्त टिप्पणियां कीं और इस मामले (ईडी जांच) में दिशा-निर्देश बनाने का सुझाव दिया।

पीठ ने इस बात पर भी खेद व्यक्त किया कि इतने सारे मामलों में जहाँ उच्च न्यायालय ने सुविचारित आदेश पारित किए थे, ईडी केवल अपील दायर करने के लिए ही अपील दायर कर रहा है।

पीठ ने कहा, एक अधिवक्ता और मुवक्किलों के बीच संवाद विशेषाधिकार प्राप्त संवाद होता है। उनके खिलाफ नोटिस कैसे जारी किए जा सकते हैं? वे सारी हदें पार कर रहे हैं...। सुनवाई के दौरान एक अधिवक्ता ने तर्क दिया कि अधिवक्ता दातार जैसे कानूनी पेशेवरों को हाल ही में ईडी द्वारा जारी किए गए नोटिस का वकालत के पेशे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

बैंच ने कहा कि दिशानिर्देश बनाए जाने चाहिए। अधिवक्ता ने तर्क पर क्रिया देते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि झूठे आख्यान गढ़ कर संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश की गई है।

अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमण और मेहता ने कहा कि अधिवक्ताओं को समन जारी करने के संबंध में मामला उच्चतम स्तर पर उठाया गया था और जाँच एजेंसी से कहा गया था कि वह अधिवक्ताओं को कानूनी सलाह देने के लिए नोटिस जारी न करे।

रेल्वे पेपरलीक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईएसएम कर्जन-बोरियावी, पश्चिम रेलवे, आणंद और रेलवे विभाग के अन्य लोगों द्वारा प्रश्नपत्र लीक करने के संबंध में मामला दर्ज किया था। दोषियों ने प्रोबेशनरी असिस्टेंट स्टेशन मास्टर के पद के लिए लिखित परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों से 50 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक की राशि वसूली थी। मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपियों को दोषी ठहराया और उन्हें सजा सुनाई।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908